रक्षा बलों में आरक्षण की मांग कर राहुल गांधी फैलाना चाहते हैं अराजकता : राजनाथ - 12

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- एफटीए में डेयरी और एमएसएमई के हितों पर ध्यान - 12

न्यूयॉर्क का मेयर बनते ही ममदानी ने ट्रंप को आव्रजन के मुद्दे पर दी चुनौती- 13

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टी-20 में गिल की निगाह बड़े स्कोर पर- 14

आज का मौसम

29.0° अधिकतम तापमान

14.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.21

सूर्यास्त 05.23

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष प्रतिपदा 02:55 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 6 नवंबर 2025, वर्ष 4, अंक 76, पृष्ठ 14 मूल्य 5 रुपये

बिहार में पहले चरण का मतदान आज 1,314 उम्मीदवारों की किस्मत दांव पर

पटना, एजेंसी

- तेजस्वी, सम्राट व विजय सिन्हा समेत कई दिग्गज मैदान में

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए गुरुवार को 121 सीटों पर मतदान डाले जाएंगे। इस चरण में कुल 3.75 करोड़ मतदाता 1,314 उम्मीदवारों की चुनावी किस्मत का फैसला करेंगे।

इस चरण में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरे तेजस्वी यादव और भाजपा के उम्मीदवार एवं उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के साथ-साथ 16 मंत्रियों की किस्मत भी दांव पर है। राजद के नेता तेजस्वी यादव राघोपुर सीट से लगातार तीसरी जीत दर्ज करने की कोशिश में हैं। उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी भाजपा के सतीश कुमार हैं, जिन्होंने 2010 में जनता दल (यूनाइटेड) के टिकट पर तेजस्वी की मां और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को पराजित किया था। राघोपुर सीट से जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर ने तेजस्वी के खिलाफ चुनाव लड़ने का ऐलान किया था, लेकिन बाद में उन्होंने मैदान में उतरने से परहेज किया और उनकी पार्टी ने चंचल सिंह को उम्मीदवार बनाया। राघोपुर सीट से सटी महुआ सीट पर तेजस्वी के बड़े भाई और जनशक्ति जनता दल के संस्थापक तेज प्रताप यादव बहुकोणीय मुकाबले में फंसे हैं। तेज प्रताप इस सीट पर राजद विधायक मुकेश रौशन को चुनौती दे रहे हैं।

आयोग ने बूथों पर शत प्रतिशत वेबकास्टिंग, नई वीआईएस पर्ची की सुविधा और ईवीएम नेट ऐप के माध्यम से मतदान रिपोर्टिंग जैसे नवाचारों को लागू किया है। पहले चरण में तीन करोड़ 75 लाख 13 हजार 302 मतदाता मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र होंगे।

प्रधानमंत्री से मिलीं चैंपियन बेटियां, मिला सम्मान

- खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट के दौरान अपने अनुभवों को प्रधानमंत्री के साथ किया साझा

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में विश्व कप विजेता भारतीय महिला टीम और ट्रॉफी के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। ● एजेंसी

एकदिवसीय विश्वकप विजेता भारतीय महिला टीम ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान आयोजित समारोह में खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट के दौरान अपने अनुभवों को उनके साथ साझा किया।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम सम्मान समारोह के लिए अपनी ऑफिशियल फॉर्मल ड्रेस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के घर पहुंची और बहुत एलिगेंट लग रही थी। बीसीसीआई के लोगो वाले मैचिंग नेवी-ब्लू ब्लेजर और क्रीम ट्राउजर पहने हुए, खिलाड़ियों ने गर्व और प्रोफेशनलिज्म की एक शानदार तस्वीर पेश की। भारतीय टीम के साथ बीसीसीआई प्रेसिडेंट मिथुन मन्हास और कोच अमोल मजूमदार भी नजर आए। बांग्लादेश के खिलाफ चोटिल होने वाली प्रतिका रावल व्हीलचेयर पर दिखीं। विश्व चैंपियन बनी भारतीय महिला क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों का इससे पहले छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्वागत किया गया। मंगलवार को विशेष विमान से इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर पहुंची भारतीय टीम का भव्य स्वागत किया गया। टीम ताज पैलेस होटल में रुकी है। खिलाड़ियों के होटल पहुंचने पर गुलाब की पंखुड़ियां बरसाई गई।

जेमिमा रौड्रिग्स, राधा यादव और स्नेह राणा होटल के भीतर ढोल की थाप पर थिरकती दिखीं। प्रधानमंत्री से मुलाकात के लिए जाते समय सेमीफाइनल मुकाबले में चोटिल हुई सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल भी व्हील चेयर पर टीम के साथ थी। दो दिन पहले, बीसीसीआई को पीएमओ की ओर से मुलाकात के लिए निमंत्रण मिला था।

ब्रीफ न्यूज

नेटवर्क समस्या से एअर इंडिया की चेक-इन प्रणाली प्रभावित

नई दिल्ली। दिल्ली तथा देश के कुछ अन्य हवाई अड्डों पर बुधवार को टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एअर इंडिया की चेक-इन प्रणाली प्रभावित होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। एअरलाइंस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि तीसरे पक्ष द्वारा प्रबंधित कनेक्टिविटी नेटवर्क की समस्या के कारण कुछ हवाई अड्डों पर चेक-इन प्रणाली प्रभावित हुई है। इसके कारण एयर इंडिया समेत कुछ विमान सेवा कंपनियों की उड़ानों में देरी हो रही है। जिसे बाद में ठीक कर लिया गया।

सीमा विवाद को लेकर हिंसक झड़प, कई घायल

भुवनेश्वर। ओडिशा के खुर्दा जिले में दो गांवों के निवासियों के बीच बुधवार को सीमा विवाद को लेकर हुई हिंसक झड़प में कई लोग घायल हो गए और तीन से चार दुकानों में आगजनी की गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा हटाए जाने के कुछ दिन बाद हुई। इस मुद्दे पर पहले भी हिंसा हो चुकी थी, जिसके बाद इस क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू की गई थी।

धमकाया, अवैध कब्जा किया तो खैर नहीं

सीएम योगी की माफिया को चेतावनी, कब्जामुक्त कराई जमीन पर बनाए गए फ्लैट परिवारों को सौंपे

- मुख्यमंत्री ने लाभार्थी परिवारों से की मुलाकात, उन्हें गृह प्रवेश का सामान किया भेंट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ में महिला को फ्लैट का आवंटन पत्र सौंपते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। ● अमृत विचार

अमृत विचार: धमकाया, अवैध कब्जा किया तो लेने के देने पड़ जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माफिया और उनके गुर्गों को इस चेतावनी के साथ दुर्बल आय वर्ग के 72 परिवारों को दिए फ्लैट की चाबी सौंपी। कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर मुख्यमंत्री ने लखनऊ में माफिया से मुक्त कराई गई भूमि पर सरदार वल्लभभाई पटेल आवासीय योजना का लोकार्पण किया। जियामऊ, डालीबाग स्थित एकता वन में आयोजित समारोह में सीएम ने दुर्बल आय वर्ग के परिवारों को फ्लैट के आवंटन पत्र वितरित किए।

इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि यह केवल आवास वितरण नहीं, बल्कि संदेश है कि माफिया से छीनी गई भूमि पर गरीबों का आशियाना बनेगा। उन्होंने कहा कि यह उन लोगों के लिए चेतावनी है जो माफिया को शागिर्द बनाते हैं, उनकी कब्र पर फातिहा पढ़ते हैं, वे गरीबों का शोषण करवाते हैं। अब यूपी में ऐसा नहीं चलेगा। योगी ने कहा कि अगर कोई गरीबों की जमीन पर कब्जा करेगा, अगर कोई सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जा करके समाज को डराने-धमकाने का काम करेगा, तो लेने के देने पड़ जाएंगे। यह सरकार जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी दृढ़ता के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि यही नए भारत और नए उत्तर प्रदेश की पहचान है, जहां विकास के साथ धर्म, संस्कृति और परंपरा का संगम है।

मुख्यमंत्री ने लाभार्थी परिवारों से मुलाकात की, उन्हें गृह प्रवेश का सामान भेंट किया, नन्हीं बच्चियों को गोद में लेकर दुलार किया और चॉकलेट बांटी। इस दौरान आवास परिसर में सीएम योगी ने वृक्षारोपण भी किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 8000 आवेदनों में 5700 आवेदन योग्य लोगों का था, इसमें से 72 को पहले आवंटन मिला है। मुख्यमंत्री ने सभी 72 लाभार्थियों को आवास की सुविधा मिलने पर उन्हें और उनके परिवारों को बधाई देते हुए कहा कि इन लोगों को अब अपना सिर उठाकर सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर मिला है। यह प्रधानमंत्री आवास योजना से कवर होगा तो यह और सस्ता व लाभकारी होगा।

सभी जिलों में खुलेगा सरदार वल्लभभाई पटेल इंप्लॉयमेंट सेंटर

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश के सभी 75 जिलों में सरदार वल्लभभाई पटेल इंप्लॉयमेंट सेंटर खुलेगा। क्लस्टर विकसित कर युवाओं के लिए स्किल डेवलपमेंट कर उनके लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराए जाएंगे। जिससे नौजवान रोजी-रोटी की तलाश में बाहर न जाएं। वहीं, राज्यसभा सांसद और उप्र. के पूर्व डीजीपी बृजलाल ने यहां कहा कि आज मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में वह माफियागिरी समाप्त हो चुकी है। कुछ अपराधी मारे जा चुके हैं, कुछ जेल में हैं, कुछ प्रदेश छोड़ भाग गए हैं और कुछ अब माला जप रहे हैं। योगी सरकार में कानून राज स्थापित हुआ है, इसलिए आज निवेशक भी उत्तर प्रदेश पर भरोसा कर रहे हैं। कभी जहां रंगदारी और अपहरण उद्योग चलता था, वहीं आज 40 लाख करोड़ से अधिक का निवेश आ रहा है।

महादेव सट्टेबाजी एप मामले में फरार आरोपी का पता लगाए ईडी

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर नाराजगी जताई, कहा- यह अदालत के विवेक को झकझोरता है

शीर्ष कोर्ट ने ईडी को महादेव सट्टेबाजी ऐप के सह-संस्थापक रवि उप्पल का पता लगाने और उसे गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है। वह दुबई से भागकर किसी अज्ञात स्थान पर चला गया है। न्यायालय ने कहा कि सफेदपोश अपराध के आरोपियों के लिए अदालतों और जांच एजेंसियों को खिलौना बनाने नहीं दिया जा सकता है।

न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने आरोपी उप्पल के कानून से बचने पर गंभीर नाराजगी जताई और कहा, यह अदालत के विवेक को झकझोरता है, अब कुछ करना ही होगा। बताया जाता है कि भारत में प्रवर्तन एजेंसियों से बच रहा उप्पल दुबई से किसी अज्ञात स्थान पर भाग गया है, जिसकी वजह से संयुक्त अरब अमीरात प्राधिकारियों ने उसकी प्रत्यर्पण प्रक्रिया रोक दी। न्यायालय ने कहा, ऐसे अपराधियों के लिए अदालतें और एजेंसियां खिलौना नहीं हैं। ईडी उसे जल्द खोजे और गिरफ्तार करे। शीर्ष अदालत उप्पल की याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उसने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के 22 मार्च के आदेश को चुनौती दी है। उच्च न्यायालय ने उसे रायपुर की निचली अदालत में लंबित धन शोधन मामले की सुनवाई में शामिल होने का निर्देश दिया था। ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने न्यायालय को बताया कि उप्पल 2023 में दुबई में हिरासत में था लेकिन अब वहां से भाग निकला है।

दरोगा ने बसपा नेता को पीटा, छत से नीचे फेंका, अस्पताल में मौत

संवाददाता तिलहर/शाहजहांपुर

- बेटे को पकड़ने गई थी पुलिस, दरवाजा तोड़ घर में घुसने का आरोप
- पत्नी ने थाने में दरोगा समेत एक सिपाही पर दर्ज कराई रिपोर्ट

> सत्यभान की मौत में दरोगा और उसके एक साथी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा। पुलिस अपने स्तर से विवेचना कर रही है।
> – ज्योति यादव, सीओ तिलहर

अमृत विचार : पुलिस ने मंगलवार शाम बसपा नेता के बेटे की तलाश में उसके घर पर दबिश दी। आरोप है दरोगा ने मकान की छत पर उन्हें पीटा और छत से धकेल दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज लाया गया जहां उनकी मौत हो गई।

मृतक की पत्नी की तहरीर पर दरोगा राहुल सिसौदिया और एक अन्य साथी पर गैर इरादन हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। वहीं मरने से पहले बसपा नेता का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह दरोगा पर मारपीट और छत से फेंकने का आरोप लगा रहे है। सत्यभान कटरा नंबर तीन से बसपा के जोन प्रभारी थे। तिलहर थाना क्षेत्र के गांव मौजमपुर निवासी रेखा देवी पत्नी सत्यभान ने बताया उसके पुत्र अभिषेक के खिलाफ धारा 307 के तहत अमन शुक्ला, पिंकी शुक्ला, रमनपाल, रामगोपाल निवासी निजामगंज थाना तिलहर ने मुकदमा दर्ज कराया था। मंगलवार शाम 7:30 बजे दरोगा राहुल सिसौदिया अपने एक साथी के साथ बाइक से आए। आरोप है दरोगा और उसके साथी ने दरवाजा तोड़कर घर में घुस गए और बेटे अभिषेक के बारे में पूछा। इसके बाद दोनों लोग छत पर चढ़ गए। आरोप है दरोगा और उसके साथी ने उनके पति सत्यभान सिंह (47) को पकड़ लिया और जाति सूचक शब्द कहते हुए मारने पीटने लगा था।

आस्था की डुबकी

अयोध्या में कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर सरयू नदी में आस्था की डुबकी लगाता श्रद्धालुओं का सैलाब। ● अमृत विचार

यूपी बोर्ड : परीक्षाएं 18 फरवरी से, पहला पेपर हिंदी का

लखनऊ। एशिया के सबसे बड़े शिक्षा बोर्ड के रूप में शामिल उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने वर्ष 2026 की हाईस्कूल (10वीं) और इंटरमीडिएट (12वीं) बोर्ड परीक्षाओं की तिथि बुधवार को घोषित कर दी है। परिषद की सचिव भावना सिंह के स्तर से जारी आदेश के अनुसार, आगामी वर्ष की परीक्षाएं 18 फरवरी 2026 से प्रारंभ होकर 12 मार्च 2026 तक चलेंगी।

माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट दोनों परीक्षाएं दो पालियों में आयोजित की जाएंगी।

पहली पाली सुबह 8:30 बजे से 11:45 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:15 बजे तक होगी। हाईस्कूल (कक्षा 10) की परीक्षा का पहला प्रश्नपत्र हिंदी का होगा, जो 18 फरवरी को पहली पाली में आयोजित किया जाएगा। इंटरमीडिएट (कक्षा 12) की परीक्षा का आरंभ भी 18 फरवरी को सामान्य हिंदी विषय से होगा।

गर्व के पल

अमेरिका के कई राज्यों के प्रमुख शहरों में हुए मेयर पद के लिए चुनाव

भारतवंशियों का परचम, ममदानी बने न्यूयॉर्क के मेयर

- सिनसिनाटी शहर में आफताब पुरेवैल दूसरी बार मेयर बने

न्यूयॉर्क, एजेंसी

जोहरान ममदानी

आफताब पुरेवैल

गजाला हाशमी

अमेरिका के कई राज्यों के प्रमुख शहरों में मंगलवार को मेयर पद के लिए चुनाव हुए जिनमें लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने पसंदीदा नेता को चुना लेकिन सबसे दिलचस्प मुकाबला न्यूयॉर्क सिटी के मेयर पद के लिए हुए चुनाव में देखने को मिला जिसमें भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने विजयी होकर इतिहास रच दिया। वह अमेरिका के सबसे बड़े शहर के मेयर पद पर आसीन होने वाले पहले दक्षिण एशियाई और मुस्लिम व्यक्ति बन गए हैं। वहीं, सिनसिनाटी शहर में आफताब पुरेवैल भी दूसरी बार मेयर चुने गए। वर्जीनिया में गजाला हाशमी लेफ्टिनेंट गवर्नर चुनी गईं।

ममदानी ने 9,48,202 वोट (50.6 प्रतिशत) प्राप्त कर न्यूयॉर्क सिटी के मेयर का चुनाव जीता, जिसमें 83 प्रतिशत वोट पड़े। वह कई महीनों से न्यूयॉर्क सिटी के मेयर चुनाव की दौड़ में सबसे आगे थे और मंगलवार को उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा तथा दिग्गज नेता एवं न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को हराया, जो निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे थे। कुओमो को चुनाव की पूर्व संध्या पर ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन प्राप्त हुआ था। कुओमो को 7,76,547 वोट (41.3 प्रतिशत) मिले जबकि स्लिवा को 1,37,030 वोट मिले। उनकी प्रचार टीम ने कहा था, जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क के कामकाजी वर्ग के लोगों के लिए जीवनयापन की लागत कम करने के वास्ते मेयर पद का चुनाव लड़ रहे हैं।

युवा नेता ममदानी को युवाओं और कामकाजी वर्ग के न्यूयॉर्कवासियों के बीच भरपूर समर्थन मिला, जो देश में कठिन आर्थिक और राजनीतिक माहौल के बीच महंगाई और नौकरी की असुरक्षा के बोझ तले दबे हुए हैं। भारतीय मूल के ममदानी प्रसिद्ध फिल्म निर्माता मीरा नायर और कोलंबिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर महमूद ममदानी के पुत्र हैं। उनका जन्म युगांडा के कंपाला में हुआ था और सात साल की उम्र में वह अपने परिवार के साथ न्यूयॉर्क सिटी आ गए थे।

ममदानी 2018 में ही अमेरिकी नागरिक बने थे। ओहायो के सिनसिनाटी शहर के मेयर पद के लिए भी मंगलवार को चुनाव हुए जिनमें डेमोक्रेट आफताब पुरेवैल ने रिपब्लिकन उम्मीदवार कोरी बोमैन को शिकस्त दी और इस पद पर अपना वर्चस्व बरकरार रखा।

ट्रेन की चपेट में आने से 6 महिलाएं कटीं

मिर्जापुर, एजेंसी

- मिर्जापुर में ट्रैक पार कर गंगा स्नान करने जा रही थीं तभी हुआ हादसा

मिर्जापुर में चुनार रेलवे स्टेशन पर बुधवार को ट्रेन की चपेट में आने से छह महिलाओं की मौत हो गई। रेलवे के उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि दुर्घटना सुबह करीब साढ़े नौ बजे हुई जब यात्री 13309 चौपन प्रयागराज पैसेंजर ट्रेन से पटरी वाली तरफ उतर गए।

उन्होंने कहा कि इस दौरान वे सामने से आ रही 12311 नेताजी एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गए। त्रिपाठी ने बताया कि ये लोग कार्तिक पूर्णिमा स्नान के लिए यहां आए थे। पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रशांत वर्मा ने बताया, मरने वालों में सभी महिलाएं हैं, जिनमें से पांच की पहचान हो गई है। अधेड़ उम्र की एक महिला का शव बुरी तरह से क्षत-विक्षत है और उसकी पहचान नहीं हो पाई है।

उन्होंने बताया कि पांच की पहचान सविता (37), साधना (16), शिव कुमारी (12), अंजू देवी (20), और कलावती (50) के रूप में हुई है। अधिकारी ने कहा कि सभी शव पोस्टमार्टम के लिये मिर्जापुर भेज दिये गए हैं। रेलवे ने कहा कि चौपन प्रयागराज पैसेंजर ट्रेन प्लेटफॉर्म संख्या चार पर रुकी और यात्री फुटओवर ब्रिज होने के बावजूद दूसरी तरफ पटरी वाली ओर उतरने लगे। प्रयागराज मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने कहा, ये यात्री कार्तिक पूर्णिमा स्नान के लिए मिर्जापुर आए थे। फुटओवर ब्रिज होने के बावजूद, वे पटरियों से प्लेटफार्म पार कर रहे थे, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई।

मुख्यमंत्री योगी ने पीड़ितों के परिजन के प्रति संवेदना व्यक्त की और अधिकारियों को तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर बचाव व राहत कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। राष्ट्रीय और राज्य आपदा मोचन बलों को दुर्घटनास्थल पर पहुंचने का आदेश दिया गया है। केंद्रीय मंत्री और मिर्जापुर की सांसद अनुप्रिया पटेल ने 'एक्स' पर एक संदेश में घटना को लेकर दुख व्यक्त किया।

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार, 6 नवंबर 2025

देव दीपावली पर लाखों दीपों से जगमगाए गंगा घाट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/वाराणसी

- नमो घाट पर मुख्यमंत्री ने प्रज्ज्वलित किया पहला दीप
- क्रूज पर सवार होकर योगी ने देखी गंगा आरती

काशी में नमो घाट पर देव दीपावली की विधिवत शुरुआत करते मुख्यमंत्री योगी, साथ में मंत्री जयवीर सिंह व अन्य।

अमृत विचार : देव दीपावली की शुरुआत बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी के नमो घाट पर पहला दीप जलाकर किया। उनके साथ पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, राज्य मंत्री रविन्द्र जायसवाल, विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, महापौर अशोक तिवारी ने भी दीप प्रज्वलित कर मां गंगा को नमन किया। इसके बाद सभी विशिष्ट अतिथियों ने क्रूज़ पर सवार होकर मां गंगा की आरती के साथ घाटों पर सजी देव दीपावली के अद्भुत नज़ारे का अवलोकन किया। देव दीपावली पर बुधवार की शाम काशी के अर्धचंद्राकार गंगा घाटों पर जब शाश्वत ज्योति की लौ प्रज्वलित हुई, तो पूरा शहर दिव्यता और भव्यता के अद्भुत संगम में डूब गया। मां गंगा की गोद से निकलती आस्था की सीढ़ियों पर जलते लाखों दीपों की रोशनी ने ऐसा दृश्य प्रस्तुत किया, मानो स्वर्ग स्वयं धरती पर उतर आया हो। गोधूलि बेला में उत्तरवाहिनी गंगा की लहरों पर जब दीपों की सुनहरी आभा झिलमिलाई, तो काशी की आत्मा एक बार फिर सनातन संस्कृति की उजास से आलोकित हो उठी।

योगी सरकार द्वारा इस बार 10 लाख दीपों का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन जन सहभागिता से यह संख्या बढ़कर 15 से 25 लाख दीपों तक पहुंच गई। इन दीपों में 1 लाख गाय के गोबर से निर्मित पर्यावरण अनुकूल दीप भी शामिल थे। घाटों, तालाबों, कुंडों और देवालयों पर दीपों की श्रृंखला ने काशी को सुनहरी माला की तरह सजा दिया। गंगा पार की रेत पर कोरियोग्राफ और सिंक्रोनाइज ग्रीन क्रैकर्स शो ने पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

काशी में लाखों श्रद्धालुओं ने किया गंगा स्नान

राज्य ब्यूरो, लखनऊः

- कार्तिक पूर्णिमा पर नदी के घाटों पर उमड़े लोग

कार्तिक पूर्णिमा पर काशी में गंगा घाट पर पवित्र स्नान करते देशी-विदेशी श्रद्धालु।

अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा पर वाराणसी में गंगा घाटों पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने पवित्र नदी में आस्था की डुबकी लगाई। बुधवार तड़के से ही अस्सी घाट से राजघाट तक और गंगा-गोमती के संगम पर भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। सूर्य की पहली किरण के साथ गंगा में पूर्णिमा का स्नान शुरू हुआ। देश-विदेश से आए लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर पुण्य अर्जित किया।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि वाराणसी के विभिन्न घाटों पर देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं और पर्यटकों ने डुबकी लगाकर आस्था व्यक्त की। विधि-विधान के साथ गंगा में गंगा आरती, भजन-कीर्तन और दीपदान के दृश्य ने उन्हें मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर यह अपने चरम पर दिखाई दिया।

न्यूज ब्रीफ

टीवी चैनल के लिए सपा के 89 प्रवक्ता घोषित

अमृत विचार, लखनऊ : टीवी चैनल में समाजवादी पार्टी का पक्ष रखने के लिए सपा ने राजधानी लखनऊ के लिए 17 प्रवक्ताओं के साथ कुल 89 प्रवक्ताओं की घोषणा कर दी है। पार्टी हाई कमान द्वारा प्रवक्ताओं की सूची जिलेवार जारी की गयी है। पार्टी प्रवक्ता के अनुसार, बिहार चुनाव के अलावा आगामी चुनाव और राजनीतिक गतिविधियों पर चर्चा के लिए अधिकृत प्रवक्ता घोषित किए गए हैं।

बिजली कर्मियों का 14 को ध्यानाकर्षण प्रदर्शन

अमृत विचार, लखनऊ : यूपीपीसीएल प्रबंधन द्वारा उपकेंद्रों के परिचालन और अनुरक्षण कार्य में तैनात लगभग 25 हजार आउटसोर्स कर्मचारियों की छटनी के विरोध में बिजली कर्मचारियों में रोष बढ़ता जा रहा है। इस मुद्दे सहित कई अन्य लंबित समस्याओं को लेकर निविदा संविदा कर्मचारी संघ 14 नवम्बर को प्रदेशभर में ध्यानाकर्षण प्रदर्शन करेगा। राजधानी में यह कार्यक्रम मध्यांचल वितरण निगम के एमडी कार्यालय के सामने आयोजित होगा। संघ के प्रदेश महामंत्री देवेंद्र कुमार पांडेय ने कहा कि पावर कार्पोरेशन प्रबंधन ने 18 सितम्बर को जारी अपने ही आदेशों की अनदेखी की है। छटनी के बाद उपकेंद्रों के लिए कर्मचारियों की नई तैनाती से संबंधित मानक समिति की रिपोर्ट पांच माह बाद भी उपलब्ध नहीं कराई गई है। उन्होंने बताया कि 55 वर्ष की आयु का हवाला देकर कर्मचारियों को हटाना पूरी तरह मनमाना कदम है। उन्होंने आगे कहा कि मीटर रीडरों को प्रति बिल 16 रुपये भुगतान नहीं किया जा रहा है। वहीं, स्मार्ट मीटर लगाए जाने पर उन्हें अन्य कार्यों में समायोजित करने के बजाय हटाया जा रहा है।

महानिदेशक ने एनसीसी निदेशालय का किया दौरा

अमृत विचार, लखनऊ : एनसीसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स ने लखनऊ स्थित उत्तर प्रदेश एनसीसी निदेशालय का दौरा किया। इस दौरान उन्हें निदेशालय के अधीन कार्यरत 11 समूहों और 110 एनसीसी इकाइयों की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई। दौरे के दौरान महानिदेशक ने विभिन्न इकाइयों के कैडेटों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। उप्र एनसीसी निदेशालय के अपर महानिदेशक मेजर जनरल विक्रम कुमार के साथ उन्होंने लखनऊ समूह मुख्यालय में कैडेटों द्वारा प्रस्तुत गार्ड ऑफ ऑनर स्वीकार किया। इसके बाद उन्होंने समूह के नौसैनिक कैडेटों के साथ बोट क्लब का निरीक्षण किया और प्रशिक्षण संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

मृदा कार्ड से सुधरेगी मिट्टी की सेहत

अमृत विचार, लखनऊ : रबी फसलों के लिए खेतों की मिट्टी की उर्वरा शक्ति परीक्षण कराकर बढ़ाई जाएगी। इससे किसान मिट्टी में पोषक तत्वों व अन्य होने वाली कमियों की जानकारी करके उसकी पूर्ति करेंगे। मिट्टी के कुल 4,800 नमूने परीक्षण कराने का लक्ष्य रखा है। इसमें प्रत्येक विकास खंड की छह ग्राम पंचायत चिह्नित की हैं। इन पंचायतों के अंतर्गत कुल 100 नमूने लिए जाएंगे। सहायक निदेशक मृदा परीक्षण/कल्चर लखनऊ मंडल डॉ. मनमोहन लाल ने बताया कि विशेष अभियान के तहत विभाग ने चिनहट विकास खंड में 100 फीसद नमूने ले लिए हैं। इन सभी का परीक्षण करके 15 दिन में रिपोर्ट कार्ड किसानों को वितरित करेंगे। किसान खेतों में डीएपी व एनपीके का अधिक इस्तेमाल करते हैं। इससे मिट्टी को नुकसान पहुंचता है और कीट मित्र मरने से उर्वरा शक्ति कमजोर हो जाती है। ऑर्गेनिक कार्बन व नाइट्रोजन कम है। इससे उपज कम होती है और लागत ज्यादा आती है। सभी किसान मिट्टी का परीक्षण जरूर कराएं।

पहले पशुओं का चारा खाया, अब आए तो गरीबों का राशन खा जाएंगे

बिहार की चुनावी जनसभा में मुख्यमंत्री योगी ने विपक्ष पर कसा तंज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बोले, ठगी की दुकान खोलकर चुनाव के बहाने आपके बीच आए हैं महागठबंधन वाले

बिहार में आयोजित चुनावी सभा में संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में तमाम व्यस्तताओं के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को भी बिहार विधानसभा चुनाव में प्रचार करने पहुंचे। योगी ने वहां भाजपा के विकास कार्यों को गिनाया तो राजद-कांग्रेस गठबंधन पर करारा प्रहार भी किया। मुख्यमंत्री सूचना परिसर लखनऊ से साझा की गई जानकारी के मुताबिक, योगी ने वहां कहा कि कांग्रेस व राजद झूठे वायदे कर रहे हैं, पहले यह पशुओं का चारा खाए, अब अवसर दिया तो गरीबों का राशन खा जाएंगे। योगी ने अपील की कि कांग्रेस-राजद की घोषणा पर विश्वास न करना, क्योंकि जो राम का नहीं, वह हमारे किसी काम का नहीं। जो रामद्रोही है, वह हमारा भी विरोधी है। रामद्रोही रामराज्य नहीं ला सकता, वह जंगलराज ही लाएगा।

योगी के मुताबिक, बिहार में आज एनआईटी, आईआईएम, एम्स, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज आदि की लंबी श्रृंखला है। बिहार का नौजवान दुनिया में फिर से अपनी मेधा की छाप छोड़ रहा है और बिहार के विकास में भी योगदान दे रहा है। 11 वर्ष में मोदी जी ने विकास व विरासत का सम्मान किया है। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार की विकास योजनाओं को भी गिनाया।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2005 के पहले बिहार में अपराध, जातीय संघर्ष, माओवाद, नक्सलवाद था। यूपी-बिहार के नाम पर देश-दुनिया में सम्मान नहीं मिलता था। बिहार में लालू प्रसाद यादव के शासन में 60 से अधिक जातीय नरसंहार, 30 हजार से अधिक अपहरण हुए। व्यापारी, डॉक्टर, इंजीनियर, संभ्रांत व्यक्ति सुरक्षित नहीं थे। बिहार के 30-40 फीसदी लोगों की आबादी गोरखपुर व वाराणसी में है, क्योंकि उस समय जंगलराज था, लेकिन नीतीश बाबू के नेतृत्व में 20 वर्ष में सुशासन की सुदृढ़ नींव रखी गई। बिहार में रोड, रेल, एयर कनेक्टिविटी के साथ अब वाटरवे की कनेक्टिविटी बिहार से होते हुए यूपी को जोड़ रही है। किसानों के उत्पाद हों या बिहार का मखाना, जल मार्ग से दुनिया के बाजारों में पहुंचाया जा रहा है।

जंगलराज फिर नहीं आने देना है : योगी

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कांग्रेस व राजद ने बिहार के नागरिकों के सामने पहचान, बहन-बेटियों, व्यापारियों व उद्यमियों के सामने सुरक्षा का संकट खड़ा किया था तो किसानों को आत्महत्या के लिए मजबूर कर दिया। आज जो लोग घोषणाएं कर रहे हैं, वह लोग महागठबंधन बनाकर ठगी की दुकान खोलकर चुनाव के बहाने आपके बीच आए हैं, फिर से जंगलराज नहीं आने देना है।

गुरु नानक देव के संदेश देश की सामाजिक व्यवस्था की नींव : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 556वें प्रकाश पर्व पर सिख गुरुओं के सम्मान में मुख्यमंत्री ने शीश नवाया

गुरु नानक देव जी महाराज के प्रकाश पर्व पर लखनऊ में आयोजित समारोह के दौरान मुख्यमंत्री योगी को स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र भेंट करते सिख समुदाय के लोग।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को सिख पंथ के संस्थापक एवं प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 556वें प्रकाश पर्व पर राजधानी लखनऊ के डीएवी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने सिख गुरुओं के सम्मान में अपना शीश नवाया और दर्शन किए। समारोह में कमेटी की ओर से मुख्यमंत्री का स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु नानक देव जी भारत के एक उच्च कोटि के आध्यात्मिक महापुरुष थे, जिन्होंने 500 वर्ष पहले समाज के संगठन, समानता और सेवा का जो संदेश दिया, वही आज भारत की सामाजिक व्यवस्था की नींव है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उस काल में जब देश बाबर जैसे विदेशी आक्रांताओं की बर्बरता झेल रहा था, जब मंदिर तोड़े जा रहे थे, आस्था पर प्रहार हो रहे थे, तब भी गुरु नानक देव जी बिना भय, बिना दबाव समाज को मार्गदर्शन दे रहे थे। उन्होंने मिल-बांटकर खाने, गरीबों की मदद करने और एकजुट समाज बनाने का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर समाज में एकता और धर्म की मजबूती का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज जब कुछ क्षेत्रों में धर्मांतरण जैसी गतिविधियां दिखाई देती हैं, तो हमें सिख पंथ की मूल भावना- एकता, संगठन और सेवा को और सशक्त करना होगा।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि हम मजबूत रहेंगे, तो हर कोई हमारी आस्था का सम्मान करेगा। सिख गुरुओं और महापुरुषों का बलिदान हमारे लिए प्रेरणा है। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई दी।

बिहार में भाजपा को 30 सालों की सरकार का हिसाब देना है : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

बिहार में मायावती की एंट्री, चुनावी सभा आज

अमृत विचार, लखनऊ : बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान में अब बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की मुखिया और उप्र. की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की भी एंट्री हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बाद अब मायावती भी बिहार के रण में उतरने जा रही हैं। बसपा प्रमुख गुरुवार को कैमूर जिले के भभुआ में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगी। यह सभा भभुआ हवाई अड्डे के समीप आयोजित की जाएगी, जिसमें पड़ोसी जिलों और आसपास के विधानसभा क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और समर्थकों के पहुंचने की संभावना है। बसपा इस बार बिहार विधानसभा चुनाव अकेले अपने दम पर लड़ रही है और लगभग सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और मायावती के भतीजे आकाश आनंद, राज्यसभा सांसद व राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर रामजी गौतम, तथा अनिल सिंह सहित कई वरिष्ठ नेता लगातार बिहार में प्रचार अभियान में जुटे हुए हैं। बसपा की इस सक्रियता से चुनावी माहौल में नया उत्साह और सियासी हलचल बढ़ गई है। मायावती की भभुआ रैली बसपा के लिए बिहार में नए राजनीतिक समीकरणों की दिशा तय कर सकती है।

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि पूरे बिहार में इंडिया गठबंधन के पक्ष में बदलाव की बयार चल रही है। पूरा देश बिहार की तरफ देख रहा है। बिहार की जनता ने हमेशा देश को संदेश देने का काम किया है। बिहार में सरकार बदलेगी। इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनेंगे। नयी सरकार में नौजवानों को नौकरी और रोजगार मिलेगा।

सपा प्रमुख ने बुधवार को बिहार में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के पक्ष में चार चुनावी जनसभा को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में बिहार की जनता केंद्र की भाजपा सरकार के 10 साल और प्रदेश की एनडीए सरकार के 20 सालों का हिसाब देगी। बिहार में भाजपा को 30 सालों की सरकार का हिसाब देना है। भाजपा ने बिहार को महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और पलायन के अलावा कुछ नहीं दिया है। भाजपा ने बिहार के बजट की लूट की है। बिहार का बजट बिहार के विकास पर खर्च होना चाहिए। बिहार से भाजपा का बंडलराज खत्म करना है।

अखिलेश यादव ने कहा कि बिहार के चुनाव में जनता के बीच तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनने को लेकर उत्साह है। तेजस्वी यादव सामाजिक न्याय के राज की स्थापना करेंगे। सभी को नौकरी और रोजगार मिलेगा, सभी को सम्मान और न्याय मिलेगा। हर घर को 200 यूनिट बिजली मुफ्त देंगे।

श्रमिकों की बेटियों के विवाह पर मिलेंगे 85 हजार रुपये

प्रदेश सरकार ने बढ़ाई कन्या विवाह सहायता राशि, आवेदन प्रक्रिया ऑनलाइन और निशुल्क

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सामान्य विवाह पर 65,000 रुपये, अंतर्जातीय विवाह पर 75,000, सामूहिक विवाह पर 85,000 रुपये तक की सहायता
- आयोजन के लिए मिलेंगे अलग से 15,000 रुपये

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने निर्माण श्रमिकों के हित में बड़ा निर्णय लिया है। राज्य के भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित कन्या विवाह सहायता योजना में आर्थिक सहायता राशि में बढ़ोतरी की गई है। अब सामान्य विवाह के लिए 65 हजार रुपये, अंतर्जातीय विवाह के लिए 75 हजार रुपये और सामूहिक विवाह के लिए 85 हजार रुपये प्रति जोड़े की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके अतिरिक्त 15 हजार रुपये आयोजन के लिए अलग से उपलब्ध कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मानना है कि श्रमिक परिवार समाज की रीढ़ हैं। उनकी बेटियों के विवाह में आर्थिक सहयोग देना सरकार का मानवीय कर्तव्य है। सरकार का प्रयास है कि कोई भी श्रमिक बेटी बिना चिंता के अपने जीवन का नया अध्याय शुरू कर सके। इसी क्रम में सामूहिक विवाह कार्यक्रमों की संपूर्ण व्यवस्था श्रम विभाग एवं बोर्ड द्वारा की जाएगी, ताकि श्रमिक परिवारों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। विवाह आयोजन में सुरक्षा, आवास, परिवहन और भोजन की सभी व्यवस्थाएं विभाग द्वारा सुनिश्चित की जाएंगी।

बोर्ड की सचिव पूजा यादव ने बताया कि भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड का उद्देश्य हर पंजीकृत श्रमिक तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। कन्या विवाह सहायता राशि में वृद्धि से श्रमिक परिवारों को सीधा और ठोस लाभ मिलेगा। वर्तमान में 1.88 करोड़ से अधिक श्रमिक बोर्ड में पंजीकृत हैं।

पंजीकृत श्रमिक मात्र 20 रुपये एकमुश्त पंजीकरण शुल्क और 20 रुपये वार्षिक अंशदान देकर योजनाओं के पात्र बन सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन एवं निःशुल्क है। श्रमिक www.upbocwboard.in वेबसाइट या जन सेवा केंद्रों के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

नर्सिंग कॉलेजों की खाली सीटों पर होगी सीधी भर्ती

अमृत विचार, लखनऊ : नर्सिंग कॉलेजों में जीएनएम पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए कॉलेज प्रशासकों को छूट मिल गयी है। कॉमन इंट्रेंस परीक्षा और काउंसिलिंग के माध्यम से सभी सीटें फुल न होने के बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग ने छूट दी है। उप्र. स्टेट मेडिकल फैकल्टी के रजिस्टार डॉ.अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि जो अथ्यर्थी इंट्रेंस परीक्षा दिए हैं और दाखिला नहीं पाए हैं, उन्हें पुनः मौका मिलेगा। मालूम हो कि प्रदेश में आठ सरकारी और 450 निजी नर्सिंग कॉलेज हैं। इनमें कुल 20648 सीटों में अभी तक 5082 सीटें रिक्त हैं।

आयुष्मान के क्लेम में मरीज व डॉक्टर के फोटो भी लगेंगे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए ई-केवाईसी व बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य

अमृत विचार: राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) द्वारा आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान भारत योजना) को डिजिटली सुदृढ़ बना दिया गया है। अब क्लेम प्रस्तुत करते समय अस्पतालों को मरीज और डॉक्टर की तस्वीरें पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य कर दिया गया है। एनआईएचए (नेशनल इन्फॉर्मेशन हेड क्वार्टर एजेंसी) और एसआईएलए (सिस्टम इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड लॉजिस्टिक एजेन्सी) ने इसे तकनीकी रूप से सशक्त बनाया है। सुरक्षा के उपायों से इन पोर्टल्स में सेंधमारी आसान नहीं होगी।

उप्र. में योजना संचालन की नोडल एजेंसी (स्टेट एजेंसी फॉर कॉम्प्रिहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड) की मुख्य कार्यपालक अधिकारी अर्चना वर्मा ने बुधवार को बताया कि अब आयुष्मान भारत योजना से जुड़े सभी पोर्टलों पर आधार-आधारित ई-केवाईसी को अनिवार्य कर दिया गया है। इससे योजना में किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी को रोकने में मदद मिलेगी। इसके अलावा पोर्टलों पर उपयोगकर्ताओं के पासवर्ड सुरक्षित रखने के अलावा बायोमेट्रिक सत्यापन भी लागू कर दिया गया है। जिससे पोर्टल्स पर दो-स्तर से सत्यापन और डेटा सुरक्षा में वृद्धि होगी। इसके अलावा उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा आर्टिफिशियन इंटेलिजेंस तकनीकी का उपयोग कर अस्पतालों द्वारा प्रस्तुत दावों की पहचान की जाएगी। संदिग्ध कार्ड्स के भौतिक सत्यापन के लिए जिला अधिकारियों को भेजा जाएगा। मुख्य कार्यपालक अधिकारी अर्चना वर्मा ने बताया कि नियमों के सख्त होने से मरीजों को इलाज में गुणवत्ता और प्रामाणिकता मिलेगी।

आयोजन | सरदार पटेल 150वीं जयंती समारोह अभियान के तहत 10 से विधानसभा क्षेत्र स्तर पर शुरू होंगी पदयात्राएं

यात्रा समापन तक साथ रहेंगे भाजपा के 1000 कार्यकर्ता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पार्टी पदाधिकारियों ने तैयारी को लेकर किया वर्चुअल संवाद

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी सरदार पटेल 150वीं जयंती समारोह अभियान के तहत 10 नवंबर से विधानसभा स्तर पर प्रारंभ होने वाली पदयात्राएं प्रत्येक विधानसभा में 8 किलोमीटर की यात्रा तय करते हुए शहर, गली, गांव तक पहुंचेगी। भाजपा के 1000 से अधिक कार्यकर्ता यात्रा प्रारंभ स्थान से लेकर समापन तक साथ रहेंगे। इसके साथ ही विभिन्न सामाजिक संगठन, व्यापारी संगठन, एनजीओ, मजदूर, किसान, अधिवक्ता, शिक्षक, युवा तथा महिलाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले संगठन भी पदयात्रा में साथ चलेंगे।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह के साथ प्रदेश, क्षेत्र एवं जिला टीम के साथ बुधवार को वर्चुअल संवाद किया। सरदार पटेल 150वीं जयंती समारोह अभियान के तहत 10 नवम्बर से विधानसभा स्तर क्षेत्र पर प्रारंभ होने वाली पदयात्राओं की तैयारियों की समीक्षा के साथ प्रभावी कार्यक्रमों की कार्ययोजना पर चर्चा हुई। सुनील बंसल ने कहा कि पद यात्राओं में प्रत्येक 2 किलोमीटर पर पड़ाव रहेगा। इस तरह पूरी यात्रा के दौरान कुल 4 पड़ाव होंगे। प्रथम पड़ाव पर पौधरोपण के कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। द्वितीय पड़ाव पर किसी खिलाड़ी, साहित्यकार, सामाजिक कार्यकर्ता, व्यापारी नेता, अभिनेता, अधिवक्ता जैसे किसी विशिष्ट व्यक्ति का उद्बोधन होगा। जबकि तृतीय पड़ाव पर गायन, नाटक सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से सरदार पटेल के योगदान का मंचन किया जाएगा।

पार्टी नेताओं के साथ वर्चुअल संवाद करते धर्मपाल सिंह, साथ में अन्य।

मतदाता पुनरीक्षण अभियान में मुस्तैदी से जुटें

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने बुधवार को मतदाता पुनरीक्षण अभियान की बैठक को सम्बोधित करते कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता पदाधिकारी तथा जनप्रतिनिधि को अभियान में मुस्तैदी से जुटना है और हर गांव, हर घर, हर व्यक्ति तक पहुंचकर सभी पात्र लोगों का नाम मतदाता सूची में जुड़वाना है। धर्मपाल सिंह बाराबंकी में मंडल अध्यक्षों एवं विधानसभा संयोजको को सम्बोधित कर रहे थे।

न्यूज ब्रीफ

वैन की टक्कर से एक की मौत, तीन गंभीर

रसूलाबाद। रसूलाबाद-बेला रोड पर मलखानपुर भट्ठा के पास वैन चालक ने दो बाइकों को टक्कर मार दी, जिससे चार लोग घायल हो गए। इनमें एक की मौत हो गई, जबकि तीन घायलों को हैलट कानपुर रेफर कर दिया गया। लाल गांव निवासी पिंटू (30) पुत्र छक्कीलाल और पुरुषोत्तम (35) पुत्र मेवालाल एक बाइक पर रसूलाबाद से अपने गांव जा रहे थे, जबकि दूसरी बाइक पर सत्येंद्र (30) पुत्र राघवेंद्र कन्नौज जनपद के उमर्दा क्षेत्र के निकारी पुरवा निवासी गुंजन (30) पुत्र जंगीलाल के साथ अपने गांव सेनपुर उमर्दा जा रहा था। रसूलाबाद-बेला रोड पर मलखानपुर भट्ठा के पास एक वैन चालक ने दोनों बाइकों को टक्कर मार दी, जिससे चारों लोग घायल हो गए। पुलिस घायलों को सीएचसी लाई, जहां डॉ. शैलेंद्र कुमार ने गुंजन को मृत घोषित कर दिया। तीनों घायलों को हैलट रेफर कर दिया।

विधि-विधान के साथ मां तुलसी की पूजा

रसूलाबाद। बुधवार को क्षेत्र में माता तुलसी की विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। सुहागिनों ने तुलसी के वृक्ष को चुनरी, श्रृंगार, पुष्प और फल मिष्ठान का भोग लगाकर पूजा की। कहा जाता है कि तुलसी भगवान विष्णु की प्रिय है और उनके बिना भगवान की पूजा अधूरी रहती है। यह भी कहा जाता है तुलसी का वृक्ष पवित्रता और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है जिस घर में तुलसी होती है, वहां सुख शांति और सकारात्मक बनी रहती है। ज्यादातर घरों में तुलसी का पौधा होता और लोग प्रतिदिन स्नान करने के बाद इसकी पूजा करते हैं। तुलसी को वृंदा का नाम से भी जाना जाता है।

अहम जगहों पर हुई एंटी-सैबोटाज चेकिंग

कानपुर देहात। पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय के निर्देश पर बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा के मद्देनजर जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु एंटी-सैबोटाज चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के अन्तर्गत विभिन्न थाना क्षेत्रों की पुलिस टीम के साथ एन्टी-सैबोटाज चेक टीम द्वारा मंदिरों, घाटों, आश्रमों, सर्राफा बाजार, रेलवे स्टेशन तथा भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर संदिग्ध व्यक्ति एवं वस्तुओं की सघन चेकिंग की गई। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने तथा आम जनता में विश्वास कायम रखने के उद्देश्य से पुलिस बल ने पूरी सतर्कता के साथ चेकिंग की।

खाद के लिए किसान परेशान, सरकार मौन

पुखरायां। समाज वादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष वीरसेन यादव बुधवार को पुखरायां पहुंचे। यहां कार्यकर्ताओं से भेंट की। उनका हाल जाना। इसके बाद पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दुगनी करने का झूठा वादा करने वाली डबल ईंजन की सरकार खाद की पूर्ति नहीं कर पा रही है। किसान सारा दिन खाद के लिए परेशान हैं। डबल इंजन आपस में टकरा रहे हैं। आम जनमानस की समस्याओं से सरकार का कोई लेना-देना नहीं है। अधिकारी बेलगाम है। हिम्मत सिंह यादव, नसरीन अख्तर, कैप्टन रामशंकर प्रजापति, रामराज, बीपी सिंह यादव, अरविंद यादव, रामनिवास यादव, धर्म सिंह यादव आदि लोग मौजूद रहे।

डबल इंट्री हटवाएं नए नाम बढ़वाएं

रसूलाबाद। मतदाता गहन पुनरीक्षण में कार्यकर्ता बीएलओ से संपर्क करें और घर-घर जाकर लोगों से मुलाकात करें। जो मतदाता दूसरे राज्यों में रह रहे हैं, उनसे संपर्क कर नाम जुड़वाने का प्रयास करें। यह बात बुधवार को गोपालपुर में कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्रीय मंत्री देवेंद्र गुप्ता ने कार्यकर्ताओं से कही। क्षेत्रीय भाजपा विधायक पूनम संखवार कहा कि सूची की पड़ताल के साथ फर्जी और दोहरे वोटरों को हटाने के अलावा नए वोटर युवाओं को जोड़ने का काम करें। यहां पूर्व क्षेत्रीय मंत्री अरुण पाल, जिला महा मंत्री चंद्र कुमार शुक्ला बबलू, जिलामंत्री जीतू त्रिपाठी, केपी सिंह, अमित सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेश सिंह, राघव बाजपेयी, जयपाल सिंह, योगेंद्र सिंह, राजेश राजपूत, योगेंद्र पाल, राधेश्याम, नीरज वर्मा आदि रहे।

साइबर क्राइम से बचने के टिप्स दिए

कानपुर देहात। मिशन शक्ति में बुधवार को बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाया गया। महिलाओं, बालिकाओं को हेल्पलाइन नंबर, अधिकारों, योजनाओं और साइबर अपराधों के बारे में जानकारी दी गई। यूपीकॉप ऐप से पुलिस सेवाओं का लाभ उठाने और साइबर अपराधों से सावधान रहने के टिप्स दिए गए। दहेज, घरेलू हिंसा और आईटी एक्ट की जानकारी दी गई।

'सियासी वर्चस्व' की जंग में बढ़ गए टकराव के आसार

हनुमान गुप्ता, कानपुर देहात

- कलेक्ट्रेट में दिशा की बैठक के दौरान 'माननीयों' के बीच झड़प के बाद जिला प्रशासन सन्न
- मारपीट की नौबत आने के बाद भी पुलिस को शांतिभंग का अंदेशा नहीं, अफसरों ने साधी चुप्पी

पूर्व सांसद अनिल शुक्ल वारसी।

सांसद देवेंद्र सिंह भोले।

अमृत विचार: आम लोगों के बीच नोकझोंक होने पर पुलिस शांतिभंग की कार्रवाई करने में देर नहीं लगाती, मगर मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में दिशा की बैठक के दौरान दो 'माननीयों' के बीच झड़प के साथ ही मारपीट की नौबत आने के बाद पुलिस और प्रशासन सन्न है। माननीयों के सत्ता पक्ष से जुड़े होने की वजह से अफसर कोई कार्रवाई करना तो दूर, कुछ बोलने से ही कतरा रहे हैं। अभी तक एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी कर सियासी रुतबा दिखने वाले 'माननीय' अब खुलकर आमने-सामने आ गए हैं, जिससे सियासी वर्चस्व की जंग में टकराव के आसार बढ़ गए हैं।

दिशा की बैठक में मंगलवार को भाजपा सांसद देवेंद्र सिंह भोले और पूर्व सांसद अनिल शुक्ल वारसी के बीच हुई तीखी झड़प और धक्का-मुक्की के साथ मारपीट की नौबत आने पर भले ही बैठक में मौजूद जिले के जिम्मेदार अफसरों ने हालात पर काबू पा लिया, लेकिन यह मामला बुधवार को भी चर्चा का विषय बना रहा। यह मामला दूसरे दिन भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर ट्रेंड करता रहा। एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप के साथ भाषा की मर्यादा और माननीयों के बर्ताव को लेकर लोग चाय-पान की दुकानों पर चटखारे लेकर चर्चा करने में मशगूल रहे।

चर्चा के बीच यह बात भी खूब चली कि अगर आम लोगों के बीच ऐसे हालात बनते तो पुलिस शांतिभंग के अंदेशे की कार्रवाई करने में देर नहीं लगाती, मगर मामला सत्ता पक्ष के 'माननीयों' से जुड़ा होने के कारण न सिर्फ पुलिस सन्न है, बल्कि बैठक में मौजूद रहे जिले के जिम्मेदार अफसर भी चुप्पी साधे हैं। पुलिस ने किसी तरह का कोई कदम नहीं उठाया। पुलिस अफसरों ने फोन पर किसी तरह की कोई बातचीत करना भी मुनासिब नहीं समझा। आमने-सामने की झड़प के बाद अब जिले में सत्ता पक्ष की राजनीति में सीधे टकराव के आसार बढ़ गए हैं।

सूत्रों का कहना है कि प्रशासन सत्ता पक्ष के नेताओं के बीच पैदा हुए तनाव को भांप चुका है। इस नाते अब दिशा की अगली बैठक में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होंगे। यह भी चर्चा है कि अगली बैठक में दोनों पक्ष सुरक्षा के निजी इंतजामों के साथ पहुंचेंगे। दिशा के चेयरमैन होने के नाते सांसद देवेंद्र सिंह भोले ने मंगलवार को ही साफ कर दिया था कि वह भारत सरकार को पत्र लिखेंगे और अगली बैठक में भारत सरकार के प्रतिनिधि को भेजने की सिफारिश करेंगे।

वारसी ने जान का खतरा बताया, एसपी को पत्र

- पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी ने झड़प के बाद अपनी जान का खतरा बताया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह लोग उग्र हुए और मां-बहन की गालियां देते हुए मारने को दौड़े, इससे असुरक्षा महसूस हो रही है। किसी भी समय अटैक हो सकता है और मेरी हत्या की जा सकती है। परिवार को भी नुकसान पहुंचा जा सकता है। उन्होंने एसपी को पत्र देने के साथ डीएम को उसकी कॉपी भेजी है। वारसी ने सुरक्षा की मांग करते हुए कहा है कि यदि उन्हें कुछ होता है तो पत्र में लिखे लोग जिम्मेदार होंगे।

मीडिया पर पाबंदी, मगर सोशल मीडिया चालू

- भीतर की बातें बाहर न आएं, इसलिए दिशा की मीटिंग में मीडिया पर पाबंदी है। कई ऐसे मौके आए, जब मीडिया कर्मी बैठक में पहुंचे तो जिम्मेदारों ने तब तक कार्यवाही शुरू नहीं की, जब तक मीडिया के लोग सभागार से निकल नहीं गए। मंगलवार को भी मीडिया को दूर रखा गया, मगर 'भीतर' वालों ने ही मीडिया का काम कर दिया। दिशा के कुछ सदस्यों ने बवाल को मोबाइल कैमरे में कैद कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिससे सारा मामला सामने आ गया।

भाजपा प्रदेश नेतृत्व ने मांगी पूरी रिपोर्ट

- कलेक्ट्रेट सभागार में सत्ता पक्ष के नेताओं के बीच खुलकर बाहें चढ़ने के बाद भाजपा प्रदेश नेतृत्व ने इस प्रकरण को गंभीरता से लिया है। पार्टी सूत्रों के अनुसार इस प्रकरण से जुड़े वीडियो क्लिप मांगे गए हैं। माना जा रहा है कि रिपोर्ट मिलने के बाद प्रदेश नेतृत्व अनुशासनात्मक कार्रवाई कर सकता है। दूसरी तरफ पार्टी के जिला नेतृत्व ने इस मामले से किनारा कस लिया है। भाजपा जिलाध्यक्ष रेणुका सचान ने इस प्रकरण पर कोई टिप्पणी करने से साफ इंकार किया। उनका कहना है कि वह बैठक में मौजूद नहीं थीं और यह संगठन का कोई विषय नहीं है। संगठन निर्विवाद होकर काम कर रहा है। संगठन में कोई गुट विशेष नहीं है। खास बात यह है कि वर्चस्व की जंग छिपी नहीं है।

कार्तिक पूर्णिमा पर दोस्तों संग नहाने गया छात्र यमुना में डूबा

अमराहट घाट पर हुआ हादसा, नहीं लगा सुराग, बुलाई गई एनडीआरएफ की टीम

बेटे के यमुना नदी में डूबने के बाद बदहवाश मां उमा देवी। अमृत विचार

अर्पित की तलाश के दौरान घाट पर मुस्तैद सीओ प्रिया सिंह। अमृत विचार

संवाददाता, सिकंदरा

अमृत विचार: कार्तिक पूर्णिमा पर गांव के लड़कों के साथ अमराहट घाट पर नहाने गया हाईस्कूल का छात्र यमुना नदी में डूब गया। लोगों ने उसे तलाशने की काफी कोशिश की, मगर देर शाम तक उसका कुछ पता नहीं लगा। सूचना पर एसडीएम, सीओ और तहसीलदार मौके पर पहुंचे। स्थानीय नाविकों ने नाव के सहारे खोजबीन की, लेकिन सफलता नहीं मिली। अब सर्च ऑपरेशन के लिए एनडीआरएफ की टीम बुलाई गई है।

अर्पित कटियार।

सिकंदरा थाना क्षेत्र के बुधेड़ा गांव निवासी विनोद कुमार के बेटे अंशू कटियार ने बताया कि उसका छोटा भाई अर्पित कुमार (17) सिकंदरा के राज कांवेंट इंटर कॉलेज में हाईस्कूल का छात्र है। वह कार्तिक पूर्णिमा पर गांव के लड़कों के साथ अमराहट गांव में यमुना नदी के किनारे लगने वाले कार्तिक पूर्णिमा मेला देखने गया था।

दोपहर करीब 2 बजे नहाने के लिए यमुना नदी में कूद गया और गहरे पानी में चला गया। उसके बाद से उसका पता नहीं है।

बेटे के डूब जाने की खबर पर उसकी मां उमादेवी और परिवार वालों में कोहराम मच गया। हादसे की जानकारी पर पुलिस पहुंची। स्थानीय नाविकों को बुलाकर अर्पित की तलाश कराई गई, मगर कुछ पता नहीं लगा। मौके पर पहुंचीं सीओ प्रिया सिंह परिजनों को ढांढस बंधाती रहीं। एसडीएम प्रदुमन ने बताया कि स्थानीय गोताखोर और नाविकों की सहायता से खोजबीन की जा रही है। एनडीआरएफ की टीम को भी मदद के लिए बुलाया गया है।

कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने यमुना में लगाई आस्था की डुबकी

चौकन्ना रही पुलिस

- बिलासपुर के यमुना नदीं घाट पर लगा श्रद्धालुओं का जमघट
- सिद्धनाथ घाट पर बुड़की का मेला लोगों ने दान कर पुण्य कमाया

संवाददाता, राजपुर

यमुना तट पर सुरक्षा के साथ आस्था की डुबकी लगाते श्रद्धालु। अमृत विचार

अमृत विचार: कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को क्षेत्र के कई स्थानों पर श्रद्धालुओं ने यमुना नदी में आस्था की डुबकी लगाकर पूजा-अर्चना की। दान-पुण्य किया। इस अवसर पर बिलासपुर के श्री सिद्धनाथ आश्रम में बुड़की मेला का आयोजन किया गया।

आश्रम में क्षेत्रीय व बाहरी श्रद्धालुओं ने आकर यमुना नदी में आस्था की डुबकी लगाई। साथ ही भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। दूसरी तरफ, हर साल की तरह इस वर्ष भी पोरवाल ग्रुप ऑफ इंस्टीटयूट के मैनेजर डा. अनिल कुमार पोरवाल ने अपने परिवार के साथ आश्रम मे यज्ञ व भंडारे का आयोजन कराया।

इसी तरह, ब्लॉक क्षेत्र के के बिलासपुर बांगर मे श्री श्री 1008 श्री सिद्धेश्वर महाराज झारखंड के आर्शीवाद के द्धारा यमुना तट स्थित श्री सिद्धनाथ आश्रम में महंत विनोद कुमार पांडेय की देखरेख मे आयोजित बुड़की मेला के अवसर पर भारी संख्या मे श्रद्धालुगणों ने यमुना नदी मे आस्था की डुबकी लगाकर आश्रम मे बने मंदिरो मे पूजा-अर्चना की। श्रद्धालु जनों ने मनोकामना पूर्ण होने की प्रार्थना की। बिलासपुर बांगर के ग्राम प्रधान बृजेश राजपूत ने आश्रम मे आए क्षेत्रीय व बाहरी श्रद्धालुओं के लिए खास इंतजाम किए।

उन्होंने बताया कि श्री सिद्धनाथ आश्रम में श्रद्धालुओं की बड़ी आस्था है। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर यहां पर बुड़की मेला व भजन कीर्तन का आयोजन किया जाता है। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं के रहने व खाने के खास इंतजाम किए गए हैं। इसके अलावा विकास खंड राजपुर के ग्राम पंचायत गुबार गांव के मजरे पिचौरा, बेहमई व खोजारामपुर के यमुना तट पर भारी संख्या में महिलाओ, पुरुष व युवाओ ने आस्था की डुबकी लगाई। सुरक्षा व्यवस्था के चलते यमुना तटों पर पुलिस प्रशासन मौजूद रहा। इस मौके पर बिलासपुर बांगर मे पूर्व प्रधान प्रतिनिधि अशोक कुमार प्रजापति, जय करण सिंह, मोहन, मुकेश, प्रदीप कुमार, सोनू, रोहित पहलवान, मंगल सिंह, अवधेश सिंह, लालू ठेकेदार, धर्मेश पाल, महिपाल, दयाशंकर व पप्पू प्रधान मौजूद रहे।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

विवाहिता का फंदे पर लटकता मिला शव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचार: मंगलपुर थाना क्षेत्र के गढ़िया सिकंदरा गांव में बुधवार सुबह एक महिला का फंदे पर शव लटका मिला। मायके और ननिहाल पक्ष के लोगों ने उत्पीड़न करने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

गढ़िया सिकंदरा निवासी गुलाब सिंह के पुत्र लवकुश उर्फ लोकेंद्र तोमर की शादी इसी वर्ष फरवरी में घाटमपुर के शीतलपुर की शिवानी के साथ हुई थी। बुधवार की सुबह उसकी संदिग्ध हालत में मौत हो गई। परिजन शिवानी को हवासपुर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। टोडरपुर मैनपुरी निवासी भाई आयुष चौहान ने बताया कि उसकी बहन मामा मनोहर सिंह के पास रहकर पली-बढ़ी थी। वहीं से शादी हुई थी। ससुराल के लोग उत्पीड़न करते थे। तहसीलदार राकेश चंद्रा, मंगलपुर इंस्पेक्टर महेश कुमार ने जांच-पड़ताल की।

लाखों की चोरी, पुलिस को यकीन नहीं

संवाददाता, रसूलाबाद

- रसूलाबाद क्षेत्र के गोपालपुर में दो सगे भाइयों के घरों में घुसे चोर

अमृत विचार: गोपालपुर गांव में मंगलवार की रात घर वाले सोते रहे और चोर लाखों का माल ले गए। सुबह पता चला तो घरवालों ने यूपी 112 को सूचना दी। पुलिस में घटना को संदिग्ध मान रही है।

गोपालपुर निवासी राजवीर उर्फ गुड्डू और रविंद्र सगे भाई हैं। मकान की छत एक ही है। मंगलवार की रात दोनों परिवार बरामदे में सो गए। सुबह 5 बजे उठने पर घर का दरवाजा खुला मिला। अंदर अलमारी और बक्सों के ताले टूटे पड़े थे। छत पर जेवरात की डिब्बियां खुली पड़ी मिलीं। राजवीर ने बताया कि उनके यहां से चोर लगभग 350 ग्राम चांदी के जेवरात करधनी, पायल, तोड़िया, चांदी की गुच्छी व सोने के माला, दो अंगूठियां, पेंडल दो हाय व 3500 नकदी ले गए, जबकि रवींद्र ने चांदी की करधनी, दो जोड़ी पायल, गुच्छी, खड़ुवा और सोने की 2 अंगूठी व 2 हाय, बकरा बेच कर रखे गए 20 हजार नकदी ले जाने की बात पुलिस को बताई है।

राजवीर ने बताया कि सुबह 5 बजे जब वे जागे तो चोरी का पता चला। उनकी एक छत का लेंटर पड़ा था, जिसकी शटरिंग में लगी एक बल्ली चोर लेकर पीछे वाली दीवार से लगाकर छत पर चढ़े। उन्होंने यूपी 112 पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके की जांच की। संदेह के आधार पर पड़ोसी के एक रिश्तेदार को पूछताछ के लिए ले गई है। पड़ोसी के यहां मंगलवार को पुत्री की गोदभराई का कार्यक्रम था, जिसमें वह रिश्तेदार आया था। कहिंजरी चौकी इंचार्ज योगेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि मामले की तहरीर मिली है। घटना संदिग्ध प्रतीत होती है। एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

संतान का झांसा देकर महिला के साथ गैंगरेप

संवाददाता, रसूलाबाद

- संतान के लिए इलाज कराने झांसा देकर इटावा ले गया था युवक
- पुलिस पर लगाया आरोपी को पकड़ने और फिर छोड़ देने का आरोप

अमृत विचार: रसूलाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव की निःसंतान महिला को युवक झांसा देकर इटावा ले गया और गैंगरेप किया। महिला का आरोप है कि वीडियो भी बनाया और जेवरात भरा बैग गायब कर दिया। उसने प्रार्थना पत्र दिया है।

पुलिस अधिकारियों को दिए गए पत्र में महिला ने बताया कि वह निःसंतान है। उसका मायका औरैया जिले के सहायल क्षेत्र में है। मायके का एक युवक संतान के लिए इलाज कराने की बात कहकर उसे इटावा ले गया और अपने बहनोई के यहां रखा। वहां कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उसके साथ दोनों ने रेप किया और वीडियो बना लिया। 9 तोला सोने, चांदी के जेवर और रुपये वाला बैग गायब कर दिया। 10 दिन तक उसका शोषण किया। वह उनके चंगुल से निकलकर अपनी बहन की बेटी के पास नोएडा गई और आप बीती बताई। 9 अक्टूबर को बहन के साथ रसूलाबाद थाने में शिकायत की तो पुलिस ने युवक और उसके बहनोई को पकड़कर चार दिन बिठाए रखा, फिर छोड़ दिया। कोई कार्रवाई नहीं की। उसने पुलिस अधिकारियों से कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

महिला के नहीं आने पर युवकों को छोड़ा

- थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि 29 अगस्त को महिला के भाई ने गुमशुदगी दर्ज कराई थी। इसके बाद 17 सितंबर को उसका भाई थाने में लिखकर दे गया था कि उसकी बहन घर आ गई है। यह डीजी में दर्ज है। 20 दिन बाद महिला ने आरोपियों के विरुद्ध गैंगरेप करने, वीडियो बनाने, 9 तोला सोने एवं व चांदी के जेवरात व नकदी गायब करने की शिकायत की। पुलिस ने आरोपी युवकों को पकड़ा। थाने में पूछताछ की गई। महिला थाने नहीं आई। इसके चलते युवकों को यह कहकर छोड़ गया कि बुलाने पर हाजिर होंगे।

जोनल प्रतियोगिता | माती में 27वीं अंतर जनपदीय वॉलीबाल प्रतियोगिता का पुलिस उप महानिरीक्षक ने किया शुभारंभ

शारीरिक-मानसिक विकास के लिए खेलकूद जरूरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

खिलाड़ी से हाथ मिलाते पुलिस उप महानिरीक्षक हरीश चंदर।

प्रतियोगिता में नौ जनपदों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। अमृत विचार

अमृत विचार: माती की रिजर्व पुलिस लाइन में बुधवार को पुलिस की 27वीं अंतर जनपदीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। पुलिस उप महानिरीक्षक हरीश चंदर ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता प्रारंभ कराई। कानपुर जोन के नौ जिलों की टीमें प्रतियोगिता में भाग ले रहीं हैं।

प्रतियोगिता सात नवंबर तक चलेगी। इसमें पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर, कानपुर देहात, इटावा, कन्नौज, औरैया, फतेहगढ़ (फर्रूखाबाद), झाँसी, जालौन और ललितपुर के खिलाड़ी भाग लेंगे। रिजर्व पुलिस लाइन के मैदान पर बुधवार को प्रतियोगिताओं का आगाज हुआ। पुलिस उपमहानिरीक्षक हरीश चंदर द्वारा रिबन कटिंग और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के उपरांत प्रतियोगिता का उद्घाटन किया गया। तीन दिवसीय सात नवंबर को पुरस्कार वितरण के साथ संपन्न होगी। पुलिस उप महानिरीक्षक ने कहा कि यह आयोजन पुलिस बल में खेल भावना, अनुशासन, टीमवर्क एवं शारीरिक दक्षता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को मजबूत करते हैं, अपितु मानसिक दृढ़ता, नेतृत्व क्षमता एवं अनुशासन का भी प्रशिक्षण देते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता के औपचारिक शुभारंभ की घोषणा की। प्रतियोगिता में कानपुर जोन के कुल 9 जनपदों की पुरुष एवं महिला टीमें भाग ले रही हैं। उद्घाटन समारोह में सभी टीमों ने अनुशासित एवं प्रभावशाली मार्च पास्ट प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान प्रदान किए जाएंगे। उद्घाटन समारोह में जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय, अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी लाइन्स, क्षेत्राधिकारी अकबरपुर तथा अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

अमृत विचार
कानपुर, गुरुवार 6 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

महिला ने फांसी लगाकर दी जान

घाटमपुर। सजेती थाना क्षेत्र के अनर्गत अकबरपुर बीरबल गांव में बुधवार सुबह एक महिला ने फांसी लगाकर जान दे दी। जानकारी होने पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अकबरपुर बीरबल निवासी संजय की पत्नी रश्मि ने बुधवार सुबह घर के कमरे में फांसी लगा ली। महिला को फांसी के फंदे पर लटका देख परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी सजेती ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

एबीवीपी ने मनाई देव दीपावली

घाटमपुर। घाटमपुर में कार्तिक पूर्णिमा को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद आनन्देश्वर नगर की डीएवी कॉलेज इकाई ने दीपोत्सव का कार्यक्रम किया। इस मौके पर सैकड़ों दीपक जलाए गए। इस मौके पर कॉलेज के चीफ प्रॉक्टर रजत, इकाई अध्यक्ष विनय पंडित ,नगर मंत्री कृष्णा बाजपेई, कार्तिक त्रिपाठी, गिरीश पांडे, अभिषेक जायसवाल, हर्षित साथ ही कॉलेज प्रॉक्टर समिति एवं इकाई के समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

हमीरपुर। पड़ोसी जनपद महोबा के बरबई गांव निवासी अमित दुबे (25) पुत्र रामशंकर मंगलवार की देर शाम सुमेरपुर आया था। वहां काम निपटा कर घर लौट रहा था, तभी मौदहा कस्बे के पास कानपुर-सागर हाईवे पर तेज रफ्तार वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे अमित की मौके पर मौत हो गई। पुलिस उसे एंबुलेंस से सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

घर में तोड़-फोड़ कर पत्नी को निकाला

हमीरपुर। कस्बे के पठानपुरा में घरेलू विवाद के चलते एक शराबी ने अपने घर में तोड़फोड़ करते हुए पत्नी के साथ गाली गलौज कर उसकी बेरहमी से पिटाई की और धक्के मारकर घर से बाहर निकाल दिया। पीड़िता गायत्री ने बुधवार को कोतवाली में तहरीर देकर पति के विरुद्ध कार्रवाई की गुहार लगाई है।

बाइक से गिरकर युवक घायल

हमीरपुर। गलिहया गांव निवासी चंद्रप्रकाश अपने साथी के साथ बाइक से घर जा रहा था, तभी बसेला गांव के पास चंद्रप्रकाश का अचानक संतुलन बिगड़ गया और वह चलती बाइक से नीचे सड़क पर गिरकर घायल हो गया।

40 किसानों को बांटा प्याज का मुफ्त बीज

हमीरपुर। ब्लाक सभागार में उद्यान विभाग ने 40 किसानों को प्याज का नि:शुल्क बीज मुहैया कराया, जिससे किसानों के चेहरे खिल उठे। एक किसान को 2 किलो बीज दिया गया। जिला उद्यान अधिकारी आशीष कटियार ने कहा कि किसानों की आमदनी दोगुना करने के उद्देश्य से केंद्र एवं राज्य सरकार की योजना के तहत किसानों को यह बीज मुहैया कराया गया है। इस मौके पर भाजपा नेता किशन व्यास, जिला प्रशिक्षण अधिकारी विपिन कुमार मौजूद रहे।

कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई डुबकी

संवाददाता, शिवराजपुर

गंगाघाट पर स्नान करते श्रद्धालु। अमृत विचार

बिठूर में निरीक्षण करते डीसीपी वेस्ट दिनेश त्रिपाठी व अन्य। अमृत विचार

अमृत विचार। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को खेरेश्वर सरैया घाट पर भक्तों का तांता लगा रहा। भोर पहर से ही महिला, पुरुष एवं बच्चों सभी ने हर हर गंगे बम भोले का जयकारा लगाते हुए गंगा में आस्था की डुबकी लगाई व शिव मंदिरों में जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, चंदन, अक्षत, बेलपत्र, भांग, धतूरा, फल, मिष्ठान आदि अर्पित कर मनोकामना पूर्ति के लिए प्रार्थना की। पूजा अर्चना के वाद पंडों पुरोहितों को दान दक्षिणा देकर आशीर्वाद प्राप्त किया ।

पौराणिक मान्यता के अनुसार कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की एकादशी को विष्णु स्वरूप शालिग्राम का विवाह तुलसी माता के साथ हुआ था। इसके बाद कार्तिक पूर्णिमा के दिन तुलसी माता की विदाई हुई थी। इस पर्व पर अत्यधिक भीड़ होने के कारण पुलिस को खासी मशक्कत करनी पड़ी। गंगा रोड, काकूपुर रोड, बिलहन सहित अन्य जगहों पर भी जाम की स्थिति रही। वहीं गंगा घाट खेरेश्वर मंदिर, दूधेश्वर मंदिर अश्वत्थामा मंदिर आदि जगहों पर प्रसाद के रूप में भंडारे चलते रहे।

डीसीपी वेस्ट ने किया बिठूर के घाटों का निरीक्षण, दिशा-निर्देश दिए

- बिठूर। कार्तिक पूर्णिमा के पावन पर्व पर बुधवार को बिठूर के सभी घाटों पर श्रद्धालुओं का रेला उमड़ पड़ा। सुबह से ही गंगा स्नान के लिए दूर-दूर से श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। घाटों पर हर हर गंगे के जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने पहले से ही व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की थी। पुलिस और पीएसी के जवान घाटों और मार्गों पर तैनात रहे। यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने विशेष रूट डायवर्जन लागू किया, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। डीसीपी वेस्ट दिनेश त्रिपाठी स्वयं बिठूर पहुंचे और घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों और जवानों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीसीपी ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान घाटों पर स्थानीय प्रशासन के अधिकारी, नगर पंचायत कर्मी और स्वास्थ्य विभाग की टीमें भी मुस्तैद रहीं। घाटों की साफ-सफाई और चिकित्सा सहायता के लिए अस्थायी कैंप स्थापित किए गए।

कूष्मांडा देवी मंदिर परिसर में हुआ दिवारी नृत्य

घाटमपुर। घाटमपुर में कार्तिक पूर्णिमा को लगने वाले मेले में श्रद्धालु सुबह से ही आने लगे। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कूष्मांडा देवी के दर्शन कर मेले का आनंद लिया। मंदिर परिसर में लगे कार्तिक पूर्णिमा के मेले में दोपहर बाद कई गांवों से दिवारी नृत्य प्रस्तुत करने के लिए टोलियां आईं। इनमें भदरस ग्राम पंचायत से आई टीम ने अपना जलवा दिखाया। वहीं, जहांगीराबाद, सर्दे गोपालपुर, बेंदा और गुच्चूपुर गांवों से भी दिवारी नृत्य की टीमें मंदिर परिसर में आईं। खिलाड़ियों ने दिवारी नृत्य कला का प्रदर्शन कर दर्शकों की वाह-वाही लूटी। वहीं मेले में पालिका प्रशासन के साथ-साथ पुलिस प्रशासन भी मुस्तैद रहा। लोग देर रात तक मेले में रहे और खरीदारी करते रहे ।घाटमपुर क्षेत्र के रेवना नहर कोठी में भी मेले का आयोजन किया गया। यहां पर भी क्षेत्रीय लोगों ने पहुंचकर मेले में खरीदारी की एवं आकाशीय झूले का आनंद लिया। क्षेत्र के गिरसी नहर कोठी में भी मेले का आयोजन किया गया। यहां पर भी क्षेत्रीय लोगों ने जमकर खरीदारी की।

कूष्मांडा देवी मंदिर परिसर में दिवारी नृत्य करते श्रद्धालु। अमृत विचार

धान की खराब फसल देखकर बिगड़ी महिला की हालत, मौत

ककवन थाना क्षेत्र के लोधन पुरवा गांव का मामला

संवाददाता, बिल्हौर

महिला किसान की मौत के बाद घर के बाहर लगी भीड़। अमृत विचार

अमृत विचार। ककवन थाना क्षेत्र के लोधन पुरवा गांव में संदिग्ध हालात में एक महिला किसान की मौत हो गई। मौत के बाद परिजन गमजदा है। परिजनों का कहना है कि फसल की बर्बादी देखकर उनकी मौत हो गई है।

लोधन पुरवा गांव निवासी आरोहण राजपूत की पत्नी माधुरी राजपूत (40) खेती किसानी का काम करती थीं। 3 दिन पूर्व बारिश के बाद जब वह धान की फसल देखने गईं उसके बाद खेत पर ही उनकी हालत बिगड़ गई। घर लौटते लौटते उनकी स्थिति बेहद गंभीर हो गई। परिजन बिल्हौर के एक निजी अस्पताल ले गए। यहां से उन्हें कानपुर के लिए रेफर कर दिया गया। कानपुर में उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। पारिवार के लोगों ने बताया कि खेत पर खराब हुई धान की फसल देखने के बाद अचानक से ब्लड प्रेशर गिरने के बाद पेट में दर्द होने लगा। कुछ देर बाद हालत बिगड़ने लगी। परिजनों का कहना है कि धान की खराब हुई फसल को देख महिला की हालत बिगड़ गई। हालांकि प्रशासन की ओर से इस बात की पुष्टि नहीं की गई। मामले में उप एसडीएम संजीव दीक्षित ने कहा कि फसल खराब हुई है लेकिन तय मानक के अनुसार खराब न होने के चलते मुआवजा नहीं दिया जा सकता है लेकिन व्यक्तिगत रूप से किस को यदि समस्या है तो मौके पर लेखपाल को भेज कर परिवार की स्थिति के आधार पर सहायता दिलाए जाने का प्रयास किया जाएगा।

परिजनों की आर्थिक स्थिति खराब, मदद करे सरकार : विनय यादव

- बिल्हौर - घटना की जानकारी होने पर समाजवादी पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव ने पारिवारिकजनों से भेंट की। कहा, परिवार में महिला कृषक ही परिवार का भरण पोषण करती थी। जबकि उनके पति ऑटो ड्राइवर हैं। बड़े परिवार में दोनों कामकाजी थे लेकिन धान की खराब हुई फसल के चलते महिला की हालत बेहद नाजुक हो गई और उसकी मौत हो गई। ऐसे में सरकार को आगे आकर महिला की मदद करनी चाहिए। लोधन पुरवा गांव में लगभग दो दर्जन से अधिक ऐसे किसान हैं जिनकी फसल पूरी तरह से बर्बाद हो गई है। सपा किसानों की मदद के लिए प्रशासन से अपील करती है। इसके साथ ही यदि परिवार की मदद नहीं की जाएगी तो सपा के तमाम कार्यकर्ता किसानों के लिए आंदोलन करेंगे।

ककवन में धान की फसल को भारी नुकसान

बिल्हौर। ककवन विकासखंड क्षेत्र में बीते दिनों हुई तेज बारिश के बाद धान की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। ब्लॉक के उठ्ठा ,औरोताहारपुर ,ककवन ,कसिंगवा ,बछना ,कुरेह आदि गांगों में धान की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है लेकिन प्रशासन की ओर से किसानों को अभी तक कोई राहत नहीं दी गई है। विकासखंड क्षेत्र के लोधन पुरवा गांव में भारी संख्या में धान की फसल को नुकसान पहुंचा है। खेत में पानी भर जाने से धान की फसल सड़ने भी लगी है।

शासन की मानें तो 33 फीसदी फसल के नुकसान के बाद ही सरकार आपदा घोषित करती है ऐसे में व्यक्तिगत किसानों को फसल बीमा से ही थोड़ी बहुत उम्मीद है। हालांकि शासन की ओर से स्पष्ट किया गया है किसान की खराब हुई फसल में जो भी सहयोग हो सकेगा वह बीमा कंपनी के द्वारा किया जाएगा। आपदा ना घोषित होने के चलते किसानों को प्रशासन की ओर से उम्मीद नहीं मिल सकेगी।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

'आज भी कई गांव, बस्तियां ऐसी जहां बिजली का अभाव'

संवाददाता, बिल्हौर

- मिश्रिख सांसद ने अधिकारियों के साथ बैठक की

अमृत विचार। मिश्रिख सांसद अशोक रावत ने बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र के गांवों को विकसित बनाए जाने के लिए दो दिनों से अलग-अलग विभाग के अधिकारियों के साथ मैराथन बैठक की।

बुधवार को विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिश्रिख सांसद अशोक रावत ने बैठक की। इसमें कहा गया कि बिल्हौर विधानसभा के अंतर्गत आने वाले कई ऐसे गांव हैं जो आज भी विद्युत लाइनों से महरूम हैं। इसके साथ ही तमाम कस्बों में ऐसी बस्तियां भी हैं जहां पर अभी विद्युत लाइन नहीं पहुंची है। इन सभी की सूची बनाकर 10 नवंबर तक संसद की ओर से विद्युत विभाग के अधिकारियों को सौंप दी जाएगी। इसके अतिरिक्त मंगलवार को सांसद द्वारा पीडब्ल्यूडी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विधानसभा क्षेत्र की सभी डामर सड़कों की मरम्मत के साथ निर्माण पर भी विशेष रूप से चर्चा की गई। ग्रामीणों को किसी प्रकार की आवाजाही में दिक्कत ना हो इसके लिए भी पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गए। सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की कहा, ऐसा इंतजाम करें कि खेतों तक नहर का पानी पहुंचे।

अधिकारियों के साथ बैठक करते सांसद अशोक रावत। अमृत विचार

अनियंत्रित बाइक पीछे से बस में घुसी, मामा-भांजे की मौत

संवाददाता, बकेवर (इटावा)

अमृत विचार। बकेवर थाना क्षेत्र के बिजौली गांव के पास हाईवे पर मंगलवार की रात एक बाइक अनियंत्रित होकर पीछे से रोडवेज बस में घुस गई। हादसे में बाइक पर सवार मामा व भांजे की मौत हो गई। बताया जाता है कि भांजा मामा के साथ बहन की शादी के कार्ड बांट कर लौट रहा था। हादसे की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को उपचार के लिए अस्पताल ले गई। मामा को डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया जबकि भांजे की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बकेवर थाना क्षेत्र के गांव नगला बनी निवासी शिव शंकर पुत्र रामानंद अपनी बाइक से भांजे सर्वेश कुमार पुत्र राम नरेश निवासी फिरोजापुर असलना पुर कानपुर देहात के साथ सैंफई क्षेत्र में शादी के कार्ड बांटने के लिए मंगलवार को गए थे। जब वह रात करीब साढे. नौ बजे कार्ड बांटकर वापस घर लौट रहे थे। उनकी बाइक हाईवे पर गांव बिजौली के पास पहुंची तभी बाइक अनियंत्रित होकर आगे चल रही रोडवेज की बस में पीछे से घुस गई। हादसे में बाइक सवार मामा भांजा गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को 50 शैया अस्पताल बकेवर ले गए। जहां डाक्टरों ने मामा शिवशंकर पुत्र रामानंद निवासी नगलाबनी थाना बकेवर को मृत घोषित कर दिया। जबकि सर्वेश कुमार पुत्र रामनरेश निवासी फिरोजापुर असलनापुर जनपद कानपुर देहात को प्राथमिक उपचार देने के बाद हालत गम्भीर होने पर जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया। जहां उपचार के दौरान सर्वेश की भी मौत हो गई।

घर में घुसकर जेवर नकदी ले गए चोर

कुरारा (हमीरपुर)। थाना क्षेत्र के टोडरपुर गांव में चोर एक मकान में घुसकर साढे तीन लाख के जेवरात व डेढ़ लाख रुपये की नगदी लेकर रफूचक्कर हो गए। कुरारा थाना क्षेत्र के टोडरपुर गांव निवासी दयाशंकर पुत्र रामाअवतार ने थाने में दी तहरीर में बताया कि मंगलवार की रात करीब 11 बजे चोर दरवाजे पर लगी टीनसेट से चढ़कर घर के अंदर घुस गए और गृहस्थी वाले घर का ताला तोड़कर बक्सा में रखे गहने व नदगी ले गए। बताया कि बक्से में 3:30 लाख के सोने चांदी के जेवरात और डेढ़ लाख की नकदी लड़की की शादी के लिए रखी थी। बक्से में रखा सामान फैला पड़ा मिला। जब सुबह देखा तो दरवाजा खुला पड़ा था।

गैस सिलेंडर में रिसाव से पिता-पुत्री झुलसे

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

आग से झुलसे पिता-पुत्री सीएचसी में भर्ती कराए गए। अमृत विचार

अमृत विचार। घर में खाना बनाते समय गैस सिलेंडर में रिसाव से आग लग गई, जिससे गृहस्थी का सारा सामान जलकर खाक हो गया। वहीं आग की चपेट में आए पिता पुत्री भी झुलस गए। बिवांर थाना क्षेत्र के ग्राम ऊपरी निवासी राकेश शर्मा पुत्र लक्ष्मी के घर में उस समय आग लग गई जब उनकी लड़की घर में गैस सिलिंडर से खाना बना रही थी। तभी रिसाव होने से आग लग गई, और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। जिस कारण घर में रखा गृहस्थी सहित इलेक्ट्रॉनिक सामान इनवर्टर, फ्रिज, गैस चूल्हा सहित लाखों रुपये का सामान स्वाहा हो गया। वही आग बुझाने के प्रयास में राकेश शर्मा और उनकी पुत्री अनुराधा बुरी तरह से झुलस गए।

जंगली मवेशी के शिकार में धरे गए

कुरारा। क्षेत्र के पारा गांव के जंगल में बुधवार को जल्ला निवासी शिवचरन पुत्र बद्दू, कामता पुत्र चुनुबाद जंगली जानवरों का शिकार करने गए।

उन्होंने जानवरों का शिकार कर कुल्हाड़ी से टुकड़े कर साइकिल में बोरी में भरकर निकले। जैसे ही जंगल से निकले तभी मौके पर पहुंचे वन विभाग के रेंजर दिग्विजय नाथ पांडेय, वन दरोगा रोहित सिंह, संजय कुमार, पुष्पेंद्र कुमार वन संरक्षण ने शक होने पर बोरी खुलवाकर देखा तो किसी वन जीव का मांस मिला। वन विभाग की टीम ने आरोपियों को सुपुर्द कर उनके खिलाफ वन जीव संरक्षण अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई है।

युवक को लाठियों से पीटा, चौकी इंचार्ज सहित 3 को किया निलंबित

संवाददाता सौरिख

मंगलवार देर शाम थाने में पीड़ित युवक के साथ मौजूद विधायक कैलाश राजपूत।

अमृत विचार। चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक युवक को लाठियों से बुरी तरह से पीट दिया। प्रकरण में क्षेत्राधिकारी छिबरामऊ की रिपोर्ट पर प्रथमदृष्टया दोषी पाते हुए पुलिस अधीक्षक ने चौकी इंचार्ज समेत तीन को निलंबित कर दिया।

खड़नी चौकी पुलिस चौकी इंचार्ज अंकित यादव, कांस्टेबल अरविंद यादव, कांस्टेबल विशाल मिश्रा, मंगलवार शाम करीब 5:30 बजे निचली गंग नहर पुल पर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान गांव गूडा नगला निवासी कैलाश सिंह राजपूत पुत्र सुरेश चंद मोटरसाइकिल से खड़नी बाजार करने के बाद गांव वापस जा रहा था। पुलिस टीम ने युवक को बाइक रोकने के लिए इशारा किया। जब तक वह ब्रेक लगाता बाइक थोड़ा आगे निकल गई। बाइक रुकते ही चौकी इंचार्ज और दोनों कांस्टेबल गालियां देते हुए उस पर टूट पड़े। पूछने पर जब उसने अपना नाम कैलाश सिंह राजपूत बताया तो उन्होंने समझा कि विधायक का नाम लेकर रौब जमा रहा है। इस पर पुलिस कर्मियों ने ताना मारा, 'तू नेतागीरी करता है' और फिर जमकर धुनाई कर दी जिससे युवक को तमाम चोटें आ गईं। पीड़ित ने गांव पहुंचकर मामले की जानकारी फोन से क्षेत्रीय विधायक कैलाश राजपूत को दी। विधायक ने मामले को देखते हुए पीड़ित को थाने पहुंचने को कहा और स्वयं भी थाने पहुंच गए। थाने में प्रभारी निरीक्षक जयंती प्रसाद गंगवार के सामने पीड़ित युवक के कपड़े उतरवाकर उसकी पीठ को दिखाया गया जिस पर चोट के कई निशान थे। मामले की गंभीरता देखते हुए विधायक ने पुलिस अधीक्षक कन्नौज विनोद कुमार को को फोन पर जानकारी देकर कार्रवाई को कहा।

ढाईघाट पर पशु मेला शुरू, आठ दिन चलेगा

फर्रुखाबाद। शमशाबाद ब्लॉक क्षेत्र के ढाई घाट पर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर पशु मेला शुरू हो गया है। यह मेला आठ दिनों तक चलेगा। इसमें राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से व्यापारी अपने पशुओं के साथ पहुंचे। बड़ी संख्या में खरीदार भी आ रहे हैं।

ढाई घाट पर लगने वाला यह कार्तिक पशु मेला कई वर्षों पुराना है। यह गंगा पुल के दूसरी ओर, शाहजहांपुर की तरफ आयोजित होता है। इसे क्षेत्र के सबसे बड़े पशु मेलों में से एक माना जाता है। दूर-दराज से आए पशु व्यापारी बताते हैं कि उन्हें यहां से कोई भी जानवर वापस नहीं ले जाना पड़ता, सभी बिक जाते हैं। अब तक मेले में लगभग 2000 जानवर आ चुके हैं। मथुरा जनपद से आए व्यापारी सन्नू कुरैशी ने बताया कि वह अपने तीन अन्य साथियों के साथ करीब 50 जानवर लेकर आए हैं।

कार्यक्रम करौली शंकर महादेव ने भक्तों को दी मंत्र दीक्षा

पंच महाभूत शुद्धि हवन से पूर्णिमा महोत्सव शुरू

संवाददाता, हरिद्वार

सामूहिक हवन करते श्रद्धालु व ध्यान साधना करते करौली शंकर महादेव।

अमृत विचार

अमृत विचार। हरिद्वार के रायवाला स्थित मिश्री मठ में 8 नवंबर तक चलने वाले पंच दिवसीय पूर्णिमा एवं देवभूमि रजत उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। पंचदिवसीय पूर्णिमा महोत्सव के दूसरे दिन भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। इस दौरान करौली शंकर महादेव के जयकारों से वातावरण गूंज उठा।

बुधवार को विशेष रूप से प्रातः काल बाबा जी एवं माताजी और माता महाकाली की आरती की गई। तत्पश्चात भजन एवं ध्यान साधना का कार्यक्रम आयोजित किया गया। दोपहर में एक साथ 5,000 से अधिक भक्तों ने पंच महाभूत शुद्धि का सामूहिक हवन किया। करौली शंकर महादेव ने कहा कि हिंदू ग्रंथों के अनुसार यह पूरा ब्रह्मांड पांच तत्वों से मिलकर बना है। अग्नि, जल, वायु, पृथ्वी और आकाश और यहीं तत्व हमारे शरीर का निर्माण करते हैं। इस अवसर पर हवन करके भक्तों की पंच महाभूत शुद्धि करायी गयी जो कि मंत्र दीक्षा लेने के लिए अनिवार्य है । जिससे भक्तों के तन - मन की शुद्धि हो सके और वो भक्ति मार्ग में आगे बढ़ सकें । हवन के पश्चात ही भक्त दीक्षा ले सकते हैं। गुरुवार को तंत्र क्रिया योग के साधकों का महासम्मेलन एवं देवभूमि रजत उत्सव मनाया जायेगा , जिसमें उत्तराखण्ड संघर्ष समिति के लोगों का सम्मान भी किया जाएगा। इस पावन अवसर पर पांच दिनों में देश-विदेश से भारी संख्या में साधक भाग लेंगे। साथ ही देश के कई बड़े संत जैसे कि राष्ट्रीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्री महंत स्वामी रवींद्र पुरी जी, अखिल भारतीय हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि जी महाराज , कई अखाड़ों और संप्रदायों के संत और महामंडलेश्वर भी कार्यक्रम में सम्मलित होंगे।

- 5,000 से अधिक भक्तों ने किया सामूहिक हवन

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर, गुरुवार 6 नवंबर 2025

सुविचार

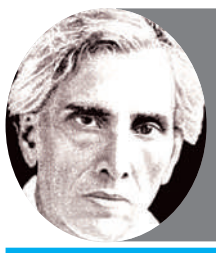

ख़ातिरदारी जैसी चीज़ में मिठास ज़रूर है, पर उसका ढकोसला करने में न तो मिठास है और न स्वाद।

- शरतचंद्र

कानपुर के प्रमुख समाचार

- कांशीराम चौराहा चमकेगा, केडीए ग्रींस में बढ़ेगी सुरक्षा- II
- किसान मेले में मशरूम के चिप्स, भूसी और गोबर के दीये- III
- कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान, पूजा-ध्यान और दीपदान- IV

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर

9889538233, 7880306999

11 लोगों से भरा ऑटो पलटा, दो की मौत

सिंहपुर रोड स्थित नवशीलधाम के पास सुबह चार बजे हुआ हादसा, नाले में 20 मिनट तक पड़े रहे घायल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कल्याणपुर में सिंहपुर रोड स्थित नवशीलधाम के पास श्रद्धालुओं से भरा ई-ऑटो अनियंत्रित होकर नाले में पलट गया। ई-ऑटो में चालक और 10 सवारी सवार थीं, जिसमें ऑटो के नीचे दबकर दो की मौत हो गई, जबकि नौ श्रद्धालु घायल हो गए। कार्तिक पूर्णिमा पर बिठूर घाट गंगा स्नान करने जा रहे श्रद्धालुओं से भरी ऑटो पलटने की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने घायलों को हैलट में भर्ती कराया। चालक को छोड़कर बाकी श्रद्धालु कानपुर देहात के रहने वाले हैं। घायलों में अधिकांश किशोर हैं। भोर पहर हादसा होने के कारण श्रद्धालुओं को मदद मिलने में भी देरी हुई।

मूलरूप से कानपुर देहात के रहने वाले नाते-रिश्तेदार समेत 10 लोग बुधवार भोर पहर एक ही ई-ऑटो में बैठकर कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान करने बिठूर घाट जा रहे थे। सुबह करीब चार बजे बिठूर तिराहा से सिंहपुर रोड पर नवशीलधाम के पास ऑटो अनियंत्रित होकर नाले में पलट गया। चीख-पुकार मचने पर राहगीर बचाने दौड़े और हादसे की खबर पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ऑटो में फंसे श्रद्धालुओं को निकालकर हैलट भिजवाया। जहां डॉक्टरों ने दो को मृत बता दिया, जबकि घायल चालक सहित नौ लोगों का इलाज शुरू हुआ। मृतकों की पहचान कानपुर देहात के गजनेर मुक्तापुर गांव निवासी भागीरथ की 35 वर्षीय पत्नी संतादेवी व मंगलपुर के भूरे का पुरवा निवासी 20 वर्षीय सुधीर कुमार के रूप में हुई। जबकि घायलों में रूरा मंगलपुर का ऑटो चालक 22 वर्षीय शैलेंद्र, 40 वर्षीय कस्तूरी, 17 वर्षीय प्रशांत, 15 वर्षीय संध्या व प्रवेशिका, 14 वर्षीय रघुवीर, 11 वर्षीय हिंमांशु व नंदनी, नौ वर्षीय मोहित हैं। घायलों ने बताया कि ऑटो जहां अनियंत्रित होकर पलटा वहां सड़क किनारे खुला नाला था। ऑटो घिसटते हुए नाले में जा गिरा, जिसके नीचे सवारियां फंस गई। करीब 20 मिनट बाद वहां से निकले राहगीरों ने चीख-पुकार सुनकर मदद के लिए आगे आए।

ऑटो चकनाचूर हो गया। अमृत विचार

इसी खुले नाले में गिरा ऑटो। अमृत विचार

संतादेवी। (फाइल फोटो)

सुधीर कुमार। (फाइल फोटो)

ट्रक की रोशनी से अनियंत्रित हुआ ऑटो

हैलट में भर्ती घायल प्रशांत ने बताया कि ऑटो खचाखच भरा था। नवशीलधाम के पास सामने से आए ट्रक की रोशनी पड़ने से चालक ने ऑटो से नियंत्रण खो दिया। इसी बीच सामने से कई और वाहन आ गए। जिनसे बचने के चक्कर में चालक घबरा गया। उसके हाथ से स्टेयरिंग छूट गई और ऑटो सड़क किनारे पलट गया। घिसटकर नाले में जा गिरा।

> ट्रक की रोशनी सीधी ऑटो चालक पर पड़ने से उसने वाहन से नियंत्रण खो दिया। जिससे अनियंत्रित ऑटो पलटने से दो जाने गईं। घायलों को समय से इलाज से मिलने से उनकी हालत में सुधार है। चालक ने लापरवाही बरती है। क्षमता से ज्यादा सवारियों को लेकर जा रहा था।
>
> रंजीत सिंह, एसीपी कल्याणपुर

संता देवी के परिवार के छह लोग घायल

- मुक्तापुर निवासी भागीरथ ने बताया कि वह पनकी गैस प्लांट में नौकरी करते हैं और पत्नी संतादेवी व पांच बच्चों के साथ पनकी के सुंदरनगर में किराये पर रहते हैं। भागीरथ के अनुसार उनकी साथ कस्तूरी, साली के बच्चे रघुवीर व हिमांशु भी गंगा स्नान के लिए उनके घर आए थे। इसलिए पत्नी तीन बच्चों नंदनी, संध्या व मोहित को लेकर गंगा स्नान करने निकली थीं। जिसमें संता की मौके पर ही मौत हो गई, बाकी सभी घायल हैं। दो बच्चे शीतल व दर्पण घर पर थे।

सीएसए विवि की बदलेगी सूरत, कमियां दूर होंगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- राज्यपाल की टीम ने किया विश्वविद्यालय का दौरा बनाया रोडमैप

अमृत विचार। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की सूरत बदलने वाली है। विश्वविद्यालय में व्याप्त खामियों को दूर किया जाएगा। बुधवार को विश्वविद्यालय की व्यवस्थाओं को सुधारने के लिए प्रदेश की राज्यपाल की टीम विश्वविद्यालय पहुंची। कुलाधिपति की टीम की ओर से समीक्षा बैठक भी की गई। इस बैठक में 3 अक्टूबर की हुई बैठक के कार्यो की समीक्षा की गई।

राज्यपाल व विश्वविद्यालय की कुलाधिपति के निर्देश पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव सुधीर एम बोबडे विश्वविद्यालय पहुंचे। इस दौरान राज्यपाल की टीम ने विश्वविद्यालय का निरीक्षण कर समस्याएं को समझा। इसके बाद हुई बैठक में 20 से अधिक विषयों पर चर्चा हुई। बैठक में मंडलायुक्त व विश्वविद्यालय के कुलपति के. विजयेंद्र पांडियन भी मौजूद रहे। हॉस्टल की समस्याओं के जल्द समाधान पर योजना के लिए जिम्मेदारी अधिकारियों को दी गई। जिम्मेदारी के साथ ही उन्हें तय समय सीमा पर कार्य पूरा करने के निर्देश भी दिए गए। इसके अलावा विश्वविद्यालय की साफ-सफाई व शोध की गुणवत्ता बेहतर किए जाने पर भी चर्चा हुई। इस चर्चा में कई आंकड़े भी प्रस्तुत किए गए। विश्वविद्यालय में पूर्व में छात्रों की ओर से अव्यवस्थाओं पर की गई शिकायतों की प्रगति भी जानी गई। तय हुआ कि बैठक में दिए गए निर्देशों को अधिकारी व डीन तय समय सीमा के भीतर पूरा कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

दीक्षांत समारोह में निर्देश दिए थे

- सीएसए विवि में हाल ही में हुए दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति व प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उनकी टीम की ओर से लगातार विश्वविद्यालय में निरीक्षण करने का निर्देश दिया था। ऐन दीक्षांत समारोह के दिन भी उनकी टीम की ओर से विश्वविद्यालय की व्यवस्थाओं को परखा था। उसी दिन हुए निरीक्षण में टीम की ओर से हॉस्टल में तमाम खामियां सामने आई थीं। गंदे टॉयलेट की भी रिपोर्ट तुरंत ही टीम की ओर से कुलाधिपति को सौंपी गई थी। इस रिपोर्ट का खुलासा राज्यपाल ने मंच से ही कर दिया था। राज्यपाल ने मंच से ही विश्वविद्यालय में व्याप्त खामियों पर नाराजगी जताई थी। इसके बाद कुछ दिन पहले सीएसए के कुलपति ने इस्तीफा दे दिया था।

सिटी ब्रीफ

सांसद-विधायक खेल स्पर्धा का शुभारंभ आज

कानपुर। सांसद-विधायक खेल स्पर्धा का शुभारंभ गुरुवार को होगा। जिला युवा कल्याण अधिकारी आरती जायसवाल ने बताया कि खेल प्रतियोगिताएं कबड्डी, कुश्ती, वॉलीबॉल, फुटबॉल, जूडो, बैडमिंटन, भारोत्तोलन, एथलेटिक्स, रस्साकसी, खो-खो और शतरंज प्रतियोगिता 6 से 8 नवंबर तक विभिन्न विद्यालयों और खेल स्थलों पर आयोजित होंगी। शुभारंभ डॉ. चिरंजी लाल राष्ट्रीय इंटर कॉलेज, किदवई नगर में गरुवार को 12 बजे होगा।

सर्किट हाउस में जनसुनवाई आज

कानपुर। जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास सिंह ने बताया कि राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. अनीता गुप्ता महिलाओं से जुड़े उत्पीड़न के मामलों में त्वरित न्याय के लिए गुरुवार 6 नवंबर को प्रात: 11 बजे सर्किट हाउस में सुनवाई करेंगी। महिला उत्पीड़न, दहेज उत्पीड़न, पुलिस उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, बलात्कार, कन्या भ्रूण हत्या, यौन उत्पीड़न, दहेज हत्या, मानव तस्करी, बाल विवाह और एसिड अटैक जैसे मामलों की सुनवाई करेंगी। पीड़ित महिलाओं सभी दस्तावेज के साथ जनसुनवाई में आ सकती हैं।

कार सवारों ने युवती को अगवा करने का किया प्रयास

कल्याणपुर संवाददाता। पनकी में घर का सामान लेने के लिए दुकान गई युवती को कार सवारों ने अगवा करने का प्रयास किया। शोर मचाकर किसी तरह उसने जान बचाई। पीड़ित की मां की तहरीर पर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। शताब्दी नगर निवासी महिला के अनुसार सोमवार रात उनकी बेटी पास में स्थित दुकान से सामान लेकर घर लौट रही थी। तभी रास्ते में कार सवार कुछ लोगों ने बेटी को पकड़ने का प्रयास किया। बेटी के फोन करने पर जब वह पति के साथ मौके पर पहुंची, तो वहां बेटी डरी व रोती हुई मिली। इसी दौरान दो गड़ियों से वह दोबारा पहुंचे आरोपियों ने उनके साथ भी गाली-गलौज की। कंट्रोल रूम की सूचना पर पहुंची पुलिस मौके से दो लोगों को पड़कर थाने ले आई। पनकी थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी युवती का मौसा है। आपसी विवाद में आरोपी की पत्नी युवती के घर पर ही रह रही है। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हुआ है। रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी का शांति भंग में चालान किया गया है।

2.52 करोड़ की ठगी में तीन साइबर शातिरों को भेजा जेल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- क्रिप्टो करेंसी में निवेश का झांसा देकर सेवानिवृत्त बैंककर्मी से की थी ठगी

अमृत विचार। साइबर क्राइम पुलिस ने क्रिप्टो करेंसी में निवेश का झांसा देकर सेवानिवृत बैंककर्मी से 2.52 करोड़ की ठगी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। आरोपियों के पास से एटीएम कार्ड, लैपटॉप समेत अन्य सामान बरामद हुआ है। पुलिस ने पीड़ित को 28 लाख रुपये भी वापस कराए हैं।

डीसीपी क्राइम अतुल कुमार श्रीवास्तव ने साइबर ठगी का खुलासा करते हुए बुधवार को बताया कि नवाबंगज के सिग्नेचर सिटी निवासी सेवानिवृत्त बैंककर्मी अनिल कुमार से बीती जुलाई में ठगों ने क्रिप्टो करेंसी में निवेश कर मुनाफा कमाने का झांसा देकर करीब 2.52 करोड़ रुपये 13 बैंक खातों में ट्रांसफर करा लिए थे। रुपये प्राप्त होने के बाद आरोपियों ने अपने फोन बंद कर लिए। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने साइबर सेल थाने में 11 सितंबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। साइबर क्राइम पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम राजस्थान के जोधपुर बासनी विनायकनगर निवासी राम निवास, राम दिनेश व महेंद्र बताया। डीसीपी ने बताया कि राम निवास लोंगों को खाता खुलाने का काम करता था, राम दिनेश पैस जमा करवाता था, जबकि महेंद्र क्रिप्टों करेंसी में रुपये निवेश कराता था। पुलिस ने पीड़ित को 28 लाख रुपये वापस कराए हैं। थाना प्रभारी साइबर सेल सतीश चंद्र यादव ने बताया कि तीनों आरोपियों को जेल भेजा गया है। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

डॉक्टर का मोबाइल हैक कर हड़पे 45 हजार

- **कानपुर।** कल्याणपुर में एक शातिर ने डॉक्टर का मोबाइल हैक कर उनके परिचित से व्हाट्सएप से पैसों की मांग की। मदद के तौर पर परिचित ने 45 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। ठगी का पता चलने पर पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की है। विकासनगर निवासी डॉ. एनएस राजपूत के अनुसार बुधवार दोपहर किसी शातिर ने उनका मोबाइल हैक कर लिया। जिसके बाद हैकर ने व्हाट्सएप के जरिए उनके परिचितों से जरूरत पड़ने के नाम पर रुपये ट्रांसफर करने की बात कही। जिसपर उनके एक परिचित ने शातिर को 45 हजार की रकम ट्रांसफर कर दिए। मोबाइल हैक का पता चलने प पीड़ित ने मामले की शिकायत साइबर सेल व कल्याणपुर थाने में की है। पुलिस के अनुसार रिपोर्ट दर्जकर कार्रवाई की जा रही है।

अधिकारी पर लगाया एक लाख रिश्वत मांगने का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

कल्याणपुर संवाददाता। कल्याणपुर में ट्रांसपोर्ट संचालक ने राज्य कर विभाग के अधिकारी व उनकी टीम पर माल लेकर मिर्जापुर जा रहे ट्रक को रोककर उसे छोड़ने के नाम पर एक लाख रुपये रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है। रकम न देने पर तीन बार ट्रक का भौतिक सत्यापन किए जाने का आरोप लगाते हुए कल्याणपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

किदवई नगर एच ब्लॉक निवासी वैभव सिंह राठौड़ ट्रांसपोर्टर है। वैभव के मुताबिक 29 अक्टूबर को उनके ट्रांसपोर्ट का एक ट्रक कई व्यापारियों का माल लेकर मिर्जापुर जा रहा था। जिससे राज्य कर विभाग के सहायक आयुक्त योगेंद्र कुमार ने अपनी टीम के साथ छिवली नदी पुल पर रोक लिया। कागज पूरे होने पर टीम प्रतिबंधित पन्नी लोड होने की बात कह कर गाड़ी को अपने कार्यालय लेकर आ गई। गत 31 अक्टूबर को माल लदी गाड़ी का भौतिक सत्यापन करने के दौरान टीम ने एक लाख रुपये रिश्वत देने पर गाड़ी छोड़ने की बात कही। रकम न देने पर राज्य कर अधिकारी के करिंदों ने फोन व उनके कार्यालय आकर रुपए देकर गाड़ी छुड़वा लेने की बात कही। साथ ही दबाव बनाने के लिए तीन बार गाड़ी का भौतिक सत्यापन भी कराया गया। गत तीन नवंबर को उन्होंने मामले की शिकायत प्रमुख राज्य कर अधिकारी से की। जिसके बाद उनकी गाड़ी तुरंत छोड़ दी गई। साथ ही मामले को बैठकर निपटाए जाने की बात कही जाने लगी। एसीपी कल्याणपुर ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

देव दीपावली

कार्तिक पूर्णिमा देव दीपावली पर गंगा घाटों के किनारे मेले सा नजारा रहा। सुबह गंगा स्नान के बाद शाम को हजारों लोग दीपदान करने उमड़े। गंगा आरती भी हुई।

एनएच पर वॉल पेंटिंग में धांधली का आरोप, जांच शुरू

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- रामादेवी से भौंती तक हाईवे के दोनों ओर पेंटिंग का मामला

अमृत विचार। नेशनल हाईवे पर वॉल पेंटिंग के मामले में धांधली का आरोप लगाया गया है। नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने जांच के आदेश दिए हैं। क्षेत्र के पार्षदों का आरोप है कि बिना नेशनल हाईवे अथॉरिटी की अनुमति और उन्हें बताए नगर निगम की ओर से जोन-2 और 5 के तहत रामादेवी से भौंती तक हाईवे के दोनों ओर वॉल पेंटिंग की जा रही है।

वार्ड 72 के पार्षद पति गुंजन लाल शर्मा ने बताया कि नौरैयाखेड़ा क्षेत्र में हाईवे पर पेंटिंग करते मैंने भी देखा है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के पार्षद को पता नहीं है और हाईवे पर पेंटिंग की जा रही है। अगर बताया होता तो नियमानुसार पेंटिंग खड़े होकर कराई जाती ताकि कोई गड़बड़ न हो सके। वार्ड 37 अशोक नगर के पार्षद पवन गुप्ता ने बताया कि पता चला है कि नेशनल हाईवे पर नगर निगम ने 17 6 बी के तहत पेंटिंग की है। यह कार्य इतना जरूरी कैसे हो गया।

उन्होंने कहा कि अभी मेरे वार्ड में सड़क धंस गई थी। आकस्मिक कार्य करने के लिए अधिकारियों से कहते रहे लेकिन नहीं कराया गया। शिकायत के बाद नगर आयुक्त ने मामले में जांच के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि जांच में जो दोषी पाया जायेगा उस पर कार्रवाई होगी।

बाप रे बाप! दो होर्डिंग्स का जुर्माना 10 लाख रुपया, व्यापारी परेशान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- अवैध रूप से चकेरी क्षेत्र में होर्डिंग्स लगाने पर नगर निगम ने की है कार्रवाई
- ज्वैलर्स का कहना, जीएसटी कम करने पर आभार की लगाई थी एक होर्डिंग

अमृत विचार। एक ज्वैलर्स को दुकान के बाहर होर्डिंग्स लगाना मंहगा पड़ गया। दो होर्डिंग्स लगाने के बदले नगर निगम ने ज्वैलर्स पर 10 लाख का जुर्माना लगाया है। व्यापारी ने एक वीडियो बनाकर आरोप लगाया कि नगर निगम कानपुर विज्ञापन विभाग ने दो होर्डिंग लगाए जाने के लिए 10 लाख का जुर्माना लगा दिया है। व्यापारी का कहना है कि दीपापली के समय जीएसटी में कमी को लेकर सरकार का आभार करने के लिए भी एक होर्डिंग लगाई थी।

चकेरी अहिरवां क्षेत्र के अंतर्गत राजा मार्केट में आदर्श नगर व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष महेश वर्मा की ज्वैलर्स की दुकान है। बुधवार को महेश वर्मा ने नगर निगम विज्ञापन विभाग के द्वारा भेजे गए नोटिस का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में जारी किया। जिसमें उन्होंने कहा की दो होर्डिंग लगाए जाने का 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाना समझ में नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा कि मैंने किसी ऐसी जगह होर्डिंग नहीं लगाई जिससे यातायात बाधित हो। बल्कि एक होर्डिंग तो दीपावली के समय सरकार के द्वारा जीएसटी में कमी किए जाने को लेकर आभार व्यक्त करने की लगाई थी। हालांकि उसे तीन दिन में ही हटा लिया था। लेकिन जुर्माने की इतनी भारी भरकम राशि देखकर तो मैं दंग रह गया। ऐसा लगता है कि नगर निगम व्यापारियों का उत्पीड़न करना चाहता है।

अब उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि आखिर वह 10 लाख का जुर्माना कैसे भर पाएंगे। बता दें कि कुछ दिन पहले ही महेश वर्मा ने एक ऐसे कस्टमर से सोने की चेन बनाने का ऑर्डर लिया था जो एक लाख रुपये से ज्यादा के सिक्के लेकर पहुंचा था। इसके बाद से ही वह चर्चा में आ गए थे। उन्होंने बताया कि महापौर को मामले की जानकारी दी है।

अपनी बात बताते ज्वैलर्स महेश वर्मा।

राजनीति | जिला कार्यकारिणी ने विरोध में प्रस्ताव पारित कर राष्ट्रीय अध्यक्ष को दी जानकारी

अंटू मिश्रा की इंट्री की चर्चा पर उबले सपाई, लामबंदी

शैलेश अवस्थी, कानपुर

अमृत विचार। अरसे से राजनीतिक वनवास झेल रहे पूर्व मंत्री अनंत मिश्रा अंटू के समाजवादी पार्टी में शामिल होने की चर्चा क्या चली कि पार्टी की स्थानीय राजनीति बेहद गरमा गई। हालांकि, अंटू ने इसे महज अफवाह बताया है। आनन-फानन ग्रामीण जिला इकाई की बैठक बुलाकर प्रस्ताव पारित किया गया कि अंटू को किसी कीमत पर पार्टी में शामिल न किया जाए। पूरी रिपोर्ट सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को भेज दी गई है।

उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत से बसपा सरकार बनी और इसी के साथ अंटू कद्दावर नेता बनकर उभरे थे। जलवा यह कि चुनाव हारने के बावजूद उन्हें स्वास्थ्य मंत्री बनाया गया था। फिर वह फरुर्खाबाद से चुनाव लड़े और जीते भी। बाद में सरकार गई और इसी के साथ अंटू का भी राजनीतिक वनवास शुरू हो गया। घोर संकट तब आया, जब उन पर घोटाले के आरोप लगे। फिर वह शांत होकर बैठ गए और राजनीति से दूरी बना ली। पिछले साल मार्च में अंटू फिर चर्चा में आए, जब उनके भाजपा में शामिल होने की खबर चली, वह पार्टी दफ्तर भी पहुंच गए लेकिन भगवा पट्टा पहनने से पहले दिल्ली से कोई फोन आया और उनकी जॉइनिंग रद्द हो गई। अब उनके सपा में शामिल होने की चर्चा चली तो पार्टी की स्थानीय इकाई में बहुत बेचैनी बढ़ गई। दरअसल बिठूर क्षेत्र से मुनींद्र शुक्ला सपा से विधायक रह चुके हैं और चौबेपुर से हार चुके हैं। उनकी फिर बिठूर से दावेदारी है। उन्हें भनक लगी कि अंटू सपा में इंट्री कर बिठूर से चुनाव लड़ना चाहते हैं तो उन्होंने विरोध में मोर्चा खोल दिया। सपा हाईकमान को बताया कि अंटू एनआरएचएम घोटाले के आरोपी हैं, उन्हें शामिल करना पार्टी के लिए उचित नहीं।

मुनींद्र शुक्ला।

अंटू मिश्रा।

- सपाइयों ने कहा कि अगर उन्हें पार्टी में शामिल किया तो होगा बड़ा नुकसान
- बिठूर सीट पर मुनींद्र शुक्ला हैं प्रबल दावेदार और इसी क्षेत्र पर अंटू मिश्रा की नजर बताई जा रही

राजनीति के तगड़े खिलाड़ी हैं अंटू

- छात्रसंघ से निकले अंटू पहले राष्ट्रीय छात्र संगठन, युवक कांग्रेस, युवजन सभा, भाजपा और फिर बसपा में रहे। वह सपा टिकट पर जनरलगंज, भाजपा टिकट पर आर्यनगर और बसपा टिकट पर सरसौल से विधानसभा का चुनाव लड़े पर सफल नहीं हुए। फिर बसपा में फरुर्खाबाद से लड़े और जीत कर मंत्री बने।

सपा में शामिल होने की बात अफवाह

- पूर्व मंत्री अंटू मिश्रा ने बताया कि मेरी सपा में शामिल होने की कोई मंशा नहीं है। न तो इस बारे में विचार किया और न ही किसी से संपर्क किया है। उन्हें नहीं पता कि सपा की स्थानीय इकाई ने क्या प्रस्ताव पास किया और किसे भिजवाया है।

प्रस्ताव पास हुआ कि अंटू की इंट्री न हो

- सपा के ग्रामीण जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक मुनींद शुक्ला का कहना है कि अंटू ने सपा में इंट्री की कोशिश की थी, लेकिन पार्टी की स्थानीय इकाई ने इसके विरोध में प्रस्ताव पास कर राष्ट्रीय अध्यक्ष को भिजवा दिया है। इसी के साथ उनके प्रयास पर पानी फिर गया।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

सिटी ब्रीफ

एकलौते बेटे ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कानपुर। गोविंदनगर में युवक ने मंगलवार देर रात फांसी लगाकर जान दे दी। सुबह परिजन कमरे में पहुंचे तो शव फंदे से लटका देख फफक पड़े। परिजनों के अनुसार आत्महत्या की वजह स्पष्ट नहीं है। गुजैनी निवासी रूपराम इलेक्ट्रीशियन का काम करते हैं। उनका 25 वर्षीय एकलौता बेटा भी पिता के साथ वहीं काम करता था। रूपराम ने बताया बुधवार सुबह देर तक जब बेटा सोकर नहीं उठा तो उसकी छोटी बहन कमरे में गई, जहां भाई का शव पंखे के कुंडे से लटका पाया। उसकी चीख सुनकर परिजन पहुंचे और घटना की जानकारी पुलिस को दी। पिता के अनुसार बेटा के आत्महत्या करने की वजह स्पष्ट नहीं है। हालांकि वह शराब का लती था। नशे के कारण जरा-जरा सी बात पर नाराज होकर कलह करता था। देर रात भी नशे में होने के कारण बिना खाना खाए ही सो गया था।

पुरानी रंजिश में युवक को लाठी-डंडों से पीटा

कानपुर। कैंट के मैकूपुरवा लालकुर्ती निवासी अमित उर्फ रिंकू के अनुसार बीते 21 अक्टूबर की रात में 10 बजे पुरानी रंजिश के चलते इलाके के रहने वाले बबलू, सनी, वीरेंद्र, रतनू ने उससे गाली-गलौज की। विरोध करने पर सभी ने मिलकर लाठी-डंडों से मारापीटा। जिससे उसे चोटें आई हैं। थाना प्रभारी अरविंद कुमार राय ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज की है।

कांशीराम चौराहा चमकेगा, ग्रीन, ड्रीम्स में सुरक्षा

तीन करोड़ रुपये की लागत से मार्ग प्रकाश का कार्य कराया जाएगा, मुख्य फ्लैट योजना में तैनात किए जाएंगे सुरक्षा गार्ड

अभिषेक वर्मा, कानपुर

अमृत विचार। शताब्दी नगर और मैनावती मार्ग पर फ्लैट योजना में केडीए लाइटिंग व्यवस्था दुरुस्त करने जा रहा है। रात होते ही यहां सड़कों पर अंधेरा छा जाता है। केडीए अपनी चार योजनाओं में तीन करोड़ रुपये से मार्ग प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त करेगा इसके लिए टेंडर निकाल दिए गए हैं। वहीं, केडीए ग्रीन और केडीए ड्रीम्स योजना में बने फ्लैट में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी। यहां मुख्य द्वारा पर सुरक्षा गार्डों की तैनाती होगी। इस पर 1.60 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

शताब्दी नगर स्थित कांशीराम तिराहे से कैम्ब्रिज चौराहा होते हुए गंभीरपुर चौराहे तक लगी लाइटें बंद रहती हैं। इससे रात होते ही यहां अंधेरा हो जाता है। यहां सड़क के दोनों ओर फ्लैट योजना है। जहां धीरे-धीरे जनसंख्या बढ़ रही है। कांशीराम तिराहे के पास भी अंधेरा रहता है।

इसको लेकर इस पूरे मार्ग पर 80.47 लाख रुपये से मार्ग प्रकाश व्यवस्था का कार्य होगा। इसी तरह महावीर नगर विस्तार के प्रमुख मार्गों एवं आंतरिक सड़कों पर, जवाहरपुर सेक्टर-2 से 14 तक के प्रमुख मार्गों पर खराब स्ट्रीट लाइटों को केडीए 1.37 करोड़ रुपये से ठीक करने जा रहा है।

इसके साथ ही हाइवेसिटी पाकेट-एफ में नवविकसित भूखंडों तक लाइट पहुंचाने के लिए बाहरी इलेक्ट्रीसिटी का कार्य होगा। यहां करीब 48.13 लाख रुपये से कार्य होगा। इसी तरह सजारी स्थित 15 एमएलडी आईपीएस के लिए 11 केवी लाइन और 100 केवीए ट्रांसफार्मर की स्थापना भी 15.16 लाख रुपये से होगी। केडीए उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल ने बताया कि 17 नवंबर को निविदा डाली जाएगी। तकनीकि बिड उसी दिन शाम 4 बजे खुलेगी। इसके बाद ही वित्तीय बिड खोली जाएगी।

मैनावती मार्ग पर केडीए ग्रीन योजना के फ्लैट। अमृत विचार

कांशीराम तिराहे से कैम्ब्रिज चौराहा आने वाली सड़क सुधरेगी। अमृत विचार

1.60 करोड़ रुपये से बढ़ेगी सुरक्षा

03 करोड़ रुपये से दुरुस्त होगी लाइटिंग

07 योजनाओं में कार्य के लिए टेंडर

केडीए ग्रीन और ड्रीम्स में नहीं है सुरक्षा

- केडीए की स्मार्ट फ्लैट योजना केडीए ग्रींस और केडीए ड्रीम्स में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ेगी। अभी योजना में बने फ्लैट में सुरक्षा व्यवस्था नहीं है। अभी कोई भी अंदर चला जाता है। इससे अपराध होने की संभावना बढ़ती है। साथ ही आबादी में असुरक्षा का भावना रहती है। इस समस्या को दूर करने के लिए यहां तीन वर्षों के लिए मुख्य द्वारा पर सुरक्षा गार्डों की तैनाती होगी। इसपर करीब 1.60 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

द यूपी मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन का चुनाव अमान्य

कानपुर। द यूपी मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के 21 सितंबर को कराए गए चुनाव को डिप्टी रजिस्ट्रार ने अमान्य घोषित कर दिया है। बताया गया कि 16 सितंबर को एक आदेश जारी कर इसे रोका था। इसके बाद यूपी मोटर ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के कालातीत पदाधिकारियों व चुनाव अधिकारी ने डिप्टी रजिस्ट्रार के आदेश की अनदेखी करते हुए 31 प्रत्याशी चुनाव में उतार कर 21 सितंबर को चुनाव संपन्न कराया। जिसकी कार्यवाही 6 अक्टूबर को डिप्टी रजिस्ट्रार के कार्यालय में प्रेषित की गई। जिसपर डिप्टी रजिस्ट्रार ने चुनाव अधिकारी कैलाश चंद्र शर्मा को एक पत्र 13 अक्टूबर को जारी करते हुए आदेश किया है। जिसमें डिप्टी रजिस्ट्रार ने सभी चुनावी कार्यवाही को निरर्थक, विधिशून्य व अवैधानिक कहा है। कार्यालय प्रपत्रों में प्रेषित करने योग्य नहीं बताया है। इसके अलावा किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से कार्यवाही वापस ले जाने का आदेश किया है। इसके अलावा कालातीत महामंत्री मनीष कटारिया को 16 सितंबर के आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने का आदेश जारी किया है। पूरे मामले पर महामंत्री मनीष कटारिया ने कहा कि जारी हुए पत्र के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पहले प्रधान जी ने निपटाया, अब प्रधान जी को निपटाने में जुटे

जमीर सिद्दीकी, कानपुर

- ग्राम समाज की जमीन, परती पर कब्जा कराने वाले सक्रिय

अमृत विचार। ग्राम पंचायत चुनाव जैसे जैसे करीब आ रहा है, ग्राम प्रधानों के लिए मुसीबत बढ़ती जा रही है। जिन्हें अपने प्रधानी में प्रधानजी ने अपना निशाना बनाया था, अब वह चुनाव करीब आते ही प्रधानजी को निपटाने में जुट गए हैं।

जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, जिला राज पंचायत अधिकारी समेत विभिन्न अधिकारियों के पास ग्राम प्रधानों की शिकायतें आना शुरु हो गयी हैं। किसी ने ग्राम समाज की जमीन पर कब्जा किया था तो किसी परती भूमि को ही हथिया लिया था, प्रधान जी ने ऐसे लोगों से जमीन खाली करा दी अब ऐसे लोग प्रधान के विरोधी गुट से मिलकर चुनाव में हराने की रणनीति बनाने में जुटे हैं। जिलाधिकारी से लेकर जिला पंचायत राज अधिकारी तक के पास शिकायतें आ रही हैं। वर्तमान में शिकायतों का अंबार लगा है।थ विरोधी गुट बस यही चाहते हैं कि प्रधानजी ने जो घोटाले किये हैं, उनकी जांच कराई जाएं ताकि जांच के माध्यम से उन्हें निपटाया जा सके। कहीं हैंडपंप का घोटाला तो कहीं खड़ंजा बिछवाने में गड़बड़ी, कहीं नाली की गुणवत्ता पर प्रश्न खड़े किये जा रहे हैं।

ऐसे ही ककवन के एक प्रधान जी जिला पंचायत राज अधिकारी मनोज कुमार के पास पहंचे और उन्हें बताया कि ग्राम प्रधानों के खिलाफ बहुत शिकायतें आ रही हैं लेकिन बहुत संभलकर ऐसे मामलों की जांच हो रही है क्योंकि चुनावी रंजिश में भी शिकायतें आ रही हैं। बताते चलें कि ग्राम पंचायत का चुनाव जल्द ही होने वाला है।

एरिगेशन के चैनल की दीवार ढही, हड़कंप

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जाजमऊ क्षेत्र स्थित एरिगेशन के चैनल की दीवार बुधवार को अचानक गिर गई। इससे हड़कंप मच गया। प्रशासन एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर पहुंचे। स्थानीय नागरिकों द्वारा जानकारी दी गई कि दीवार लगभग 50 वर्ष पहले निर्मित की गई थी, जो अत्यधिक जर्जर अवस्था में थी। दीवार के गिरने से आसपास के क्षेत्र में यातायात अस्थायी रूप से बाधित हो गया तथा जल प्रवाह भी प्रभावित हुआ। घटना की जानकारी पर नगर निगम मुख्य अभियंता एसएफए जैदी, अधिशासी अभियंता, अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों की संयुक्त टीम द्वारा स्थल का निरीक्षण कर स्थिति का आकलन किया। कार्रवाई करते हुए चैनल का जल प्रवाह डाइवर्जन कर दीवार की मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण कार्य शुरू कराया। स्थल से बड़ी मात्रा में मलबा हटवाया गया। मुख्य अभियंता ने संबंधित विभागों को सतर्क रहने एवं कार्य की निरंतर मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए हैं। नगर निगम ने नागरिकों से कार्यस्थल के आसपास अनावश्यक रूप से न ठहरने एवं यातायात व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन को सहयोग करने की अपील की।

मलबा हटाते नगर निगम के कर्मचारी। अमृत विचार

प्लॉट दिलाने का झांसा देकर हड़पे 5.78 लाख

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- दो आरोपियों ने तीन लोगों से किया फ्राड, रिपोर्ट

अमृत विचार। चकेरी में प्लॉट दिलाने के नाम पर दो युवकों ने तीन लोगों से 5,78,500 लाख रुपये हड़प लिए। पैसे मांगने पर धमकी दी। थाने में सुनवाई नहीं होने पर पीड़ितों ने पुलिस कमिश्नर से शिकायत की। चकेरी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की।

बाबूपुरवा के टीपीनगर निवासी गीता देवी के अनुसार सनिगवां अन्ना चौराहा निवासी राकेश यादव ने 17 अगस्त 2023-24 के बीच में प्लॉट दिलाने के नाम पर उनसे 1,31,500 रुपये लिए थे। पीड़िता ने जब रजिस्ट्री कराने के लिए कहा तो वह टरकाने लगा। फोन मिलाने पर खुद को दबंग बताते हुए गाली-गलौज की। कहा, कि प्लाट को भूल जाओ नहीं तो झूठे मुकदमे में फंसा कर जेल भिजवा दूंगा। इतना ही नहीं पीड़िता राकेश के ऑफिस गई तो वहां पर भी कर्मचारियों ने सही जवाब नहीं दिया। इसी तरह टीपीनगर की रहने वाली सुनीता से 2,03,500 रुपये और रमन कुमार से 2,43,500 रुपये धोखाधड़ी कर आरोपी ने हड़प लिया। पीड़िता के अनुसार अहिरवां में आरोपी पारस यादव व राकेश कुमार ने प्लॉट दिलाने का झांसा दिया। रजिस्ट्री कराने के बाद जब प्लॉट पर कब्जा लेने गए तो वहां पर आरोपियों ने दाखिल खारिज करने की बात कही। इस पर पीड़िता ने दाखिल खारिज का पैसा राकेश यादव को दे दिया। इसके बाद भी दाखिल खारिज नहीं मिला। थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर मामले में जांच की जा रही है।

नीलाम किए 46 औद्योगिक भूखंड

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कुल 50 भूखंडों का आवंटन ई नीलामी के माध्यम से हुआ

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) आयोजित ई-नीलामी में औद्योगिक निवेश को नई गति प्रदान की है। प्राधिकरण ने 50 भूखंडों की नीलामी की है।

यूपीसीडा द्वारा आयोजित इस ई-नीलामी में 12 औद्योगिक क्षेत्रों के 50 भूखंड (लगभग 30.5 एकड़ भूमि) की सफल नीलामी हुई। इनमें 46 भूखंड औद्योगिक इकाइयों की स्थापना, तीन हाउसिंग प्रोजेक्ट्स और 1 होटल निर्माण हेतु आवंटित किया गया। नीलामी में भोगांव (मैनपुरी), एमजी रोड (हापुड़), बेगराजपुर (मुजफ्फरनगर), ट्रांस गंगा सिटी (उन्नाव), उरई (जालौन), उतेलवा (अमेठी) सहित विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों के भूखंड शामिल थे। इस ई नीलामी। में नामी कंपनियों के साथ कई स्थानीय उद्यमियों ने भी भाग लिया, जिससे प्रदेश में हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार अवसर सृजित होने की संभावना है। इस नीलामी में 6 महिला निवेशकों ने सफलतापूर्वक भाग लिया जो उत्तर प्रदेश में नारी उद्यमिता और आर्थिक सशक्तिकरण का प्रतीक है। प्राधिकरण की पारदर्शी एवं डिजिटल प्रक्रियाएं महिला निवेशकों के लिए उद्योग स्थापना को और अधिक सरल और विश्वसनीय बना रही हैं। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री विजय किरण आनंद ने बताया कि हमारा उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में संतुलित औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना है। इस ई-नीलामी में प्राप्त निवेश प्रस्ताव यूपीसीडा की पारदर्शी नीतियों और त्वरित स्वीकृति प्रक्रिया पर निवेशकों के बढ़ते विश्वास का प्रमाण हैं।

थानों का औचक निरीक्षण किया

कानपुर। मंगलवार देर रात पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने थानों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) आशुतोष कुमार तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) विनोद कुमार सिंह भी उपस्थित रहे।

पुलिस आयुक्त ने थाना स्वरूप नगर, थाना काकादेव, थाना नजीराबाद व थाना कर्नलगंज का निरीक्षण कर साफ-सफाई, अभिलेखों के रख-रखाव, मालखाना, साइबर व महिला हेल्प डेस्कमें सुधार को कहा।

फेसबुक फ्रेंड ने नशीला पदार्थ पिला किया दुष्कर्म

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- बच्चों को मारने व अश्लील वीडियो वायरल करने की दी धमकी
- पीड़िता की शिकायत पर रिपोर्ट हुई दर्ज, आरोपी की तलाश शुरू

अमृत विचार। चकेरी में फेसबुक फ्रेंड बनकर युवक ने महिला को नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म किया। महिला का अश्लील वीडियो वायरल करने को धमकाया और बच्चों को जान से मारने की धमकी दी। धमकाकर लगातार दुष्कर्म करता रहा। परेशान होकर पीड़िता ने परिजनों को आपबीती बताई और पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है।

रामादेवी की रहने वाली महिला के अनुसार मूलरूप से उन्नाव के सफीपुर का रहने वाला निर्मल कुमार मौजूदा समय में बर्रा विश्व बैंक में रहता है। उससे मई 2021 में फेसबुक के जरिए उसकी दोस्ती हुई थी। उनके बीच बातचीत होने पर आरोपी निर्मल उसके घर आने लगा। धीरे-धीरे उसकी उसके पति से भी दोस्ती हो गई। युवक के इरादे वह भांप नहीं पाई और एक दिन उसने नशीला पदार्थ पिलाकर उससे दुष्कर्म किया और उसका अश्लील वीडियो भी बना लिया। जब उसने विरोध जताया तो बच्चों को मारने की धमकी दी। उसने पुलिस से शिकायत करने की जिद की तो आरोपी ने उसका अश्लील वीडियो दिखाया और उसे वायरल करने की धमकी दी। उसके बाद से लगातार उसका वीडियो दिखाकर उससे दुष्कर्म करता रहा। जब उसने मामले की शिकायत आरोपी के परिजनों महेश नारायण व गीता देवी से किया तो सभी ने उसको धमकाना शुरू कर दिया।

इस दौरान आरोपी ने उसका अश्लील वीडियो सोशल मीडिया में वायरल कर दिया। उसके रिश्तेदारों को भी व्हाट्सएप पर उसका वीडियो भेजा। इस पर उसने परिजनों को आपबीती बताई और चकेरी थाने में शिकायत की। थाना प्रभारी चकेरी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि पीड़ित महिला की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

दागी खाकी | दिल्ली, राजस्थान और नोएडा में संपत्ति की तलाश

दूसरे प्रदेशों में भी खरीदी प्रापर्टी निलंबित सीओ ने

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सीओ ऋषिकांत को शासन ने सस्पेंड कर दिया है। इसके बाद पूर्व सीओ ऋषिकांत पर एसआईटी शिकंजा कस दिया है। अब तक यूपी के तमाम शहरों में ऋषिकांत की 100 करोड़ से ज्यादा की बेनामी संपत्ति की जानकारी के बाद एसआईटी को यूपी के बाहर की तमाम बेनामी संपत्ति की सूचना मिली है।

दिल्ली, नोएडा और राजस्थान में भी संपत्ति की जानकारी की जा रही है। पुलिस सूत्रों की माने तो कुछ दिन पहले दिवंगत हुए सिपाही से सीओ बने एक पुलिस कर्मी से ऋषिकांत के गहरे नाते थे। दारोगा ऋषिकांत और सिपाही दिवंगत ने कानपुर में अखिलेश दुबे के साथ मिलकर तमाम प्रापर्टी बनाई। पुलिस सूत्र बताते हैं कि एक समय में कानपुर के एनकाउंटर स्पेशलिस्ट कहे जाने वाले ऋषिकांत ने कई शातिर अपराधियों को जिंदा छोड़ने के नाम पर मोटी रकम ली थी।

अपने ही इनफार्मर से विवाद के बाद चर्चित हो गए ऋषिकांत

- रायपुरवा थानाक्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर मनोहर शुक्ला जिसे ऋषिकांत श्री प्रकाश शुक्ला का रिश्तेदार बताते हैं। एक समय में ऋषिकांत का इनफार्मर था। ऋषिकांत की वजह से शहर में तैनात एक चर्चित आईपीएस अधिकारी (जो इस समय रिटायर हो चुके हैं) मनोहर शुक्ला को अपने पास न सिर्फ बिठाने लगे थे बल्कि इसकी सूचना पर ही डी-टू गैंग के तमाम मेंबर्स की जानकारी भी हासिल करते थे। ऋषिकांत के मुताबिक मनोहर शार्प क्रिमिनल है। पुलिस विभाग को दी गई जानकारी के मुताबिक चार करोड़ रुपये की किसी प्रापर्टी को लेकर मनोहर शुक्ला और ऋषिकांत के बीच काफी समय से ठनी हुई चल रही थी। हालांकि मनोहर की पत्नी के निधन के दौरान ऋषिकांत ने कुछ रकम मनोहर को भिजवाई थी।

ऋषिकांत और इनफार्मर के थे फैमिली रिलेशन

- 2000 के पहले दशक में शहर में तैनात एक और अधिकारी के मनोहर से पारिवारिक रिश्ते हो गए थे। जिसकी वजह से वह पूरे जिले में पुलिस कर्मियों के ट्रांसफर पोस्टिंग का ठेका भी लेता था। ऋषिकांत का यही मुंहलगा इनफार्मर अब उसके लिए गले की फांस बना हुआ है। ऑपरेशन महाकाल शुरू होते ही पुलिस से दूर भाग रहा मनोहर शुक्ला लखनऊ के एक बड़े सपा नेता के संपर्क में आया और एक बड़े अधिकारी के पास पहुंच गया। सपा नेता से पूरी यारी निभाते हुए इन अधिकारी ने मनोहर का साथ देने का वादा कर दिया, इस वादे के निभाया भी गया और मनोहर को ऋषिकांत के विरोधी खेमे से जोड़ दिया गया। पुलिस को देखकर दूर भागने वाला मनोहर अब एक बार फिर पुलिस का खास बन गया। हालांकि मनोहर ने कई लोगों ऋषिकांत और अखिलेश के खिलाफ तहरीर दिलाने की कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिल पाई।

विद्यार्थी मार्केट में सिलेंडर से आग, पति-पत्नी झुलसे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गोविंद नगर स्थित विद्यार्थी मार्केट में लीकेज गैस सिलेंडर से घर में आग लग गई। आग की लपटों में घिरने से पति पत्नी बुरी तरह झुलस गए जिन्हें इलाज के लिए हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। घटना की जानकारी होने पर दमकल के जवानों ने आग पर काबू पाया।

विद्यार्थी मार्केट में व्यापारी नेता विवेक शाह अपनी पत्नी तृप्ति और तीन बेटों विपुल, सार्थक और प्रणव के साथ रहते हैं। विपुल एवं प्रणव पहली मंजिल और तृप्ति एवं सार्थक ग्राउंड फ्लोर पर रहते हैं। बुधवार सुबह तृप्ति शाह खाना बना रही थीं। तभी लीकेज सिलेंडर से आग लग गई। एक दूसरे को बचाने में पति पत्नी बुरी तरह झुलस गये जिन्हें पीपीएम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। किचन की आग से पूरे घर में धुआं भर गया।

क्षेत्रीय लोगों ने बोरिंग के पानी से आग पर काबू पाने की कोशिश की लेकिन नाकाम रहे तो फायर स्टेशन को सूचना दी। मौके पर पहुंचे दमकल के जवानों ने आग पर काबू पाया। घटना की जानकारी मिलते ही गोविंद नगर थाना की पुलिस भी मौके पर पहुंची।

सड़क हादसे में बीफार्मा छात्र की मौत, साथी हुआ घायल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- नारामऊ के पास देर रात हुआ हादसा
- कन्नौज के ठठिया जड़ेरा गांव निवासी था छात्र

अमृत विचार। कानपुर-अलीगढ़ हाईवे पर मंगलवार देर रात तेज गति वाहन ने स्कूटी सवार बीफार्मा छात्र और उसके साथी को जोरदार टक्कर मार दी। दोनों छात्रों को गंभीर अवस्था में मंधना स्थित रामा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां एक की मौत हो गई।

कन्नौज के ठठिया जड़ेरा गांव निवासी उमेश राजपूत का 22 वर्षीय एकलौता बेटा विकास मंधना स्थित महाराणा प्रताप ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन से बीफार्मा अंतिम वर्ष का छात्र था। परिवार में मां गीता और छोटी बहन रागिनी है। परिजनों ने बताया कि मंगलवार रात विकास अपने साथी दीपक राजपूत के साथ काम से कल्याणपुर आया था। दोनों स्कूटी से कालेज से लौट रहे थे। नारामऊ के पास तेज गति वाहन ने स्कूटी में टक्कर मार दी। जिससे दोनों छात्र उछलकर सड़क किनारे जा गिरे। राहगीरों ने पुलिस को सूचना देकर उन्हें मंधना स्थित रामा अस्पताल में भर्ती कराया। जहां विकास को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बिठूर थाना प्रभारी प्रेमचंद नारायण ने बताया कि सीसीटीवी खंगाले जा रहे है। वाहन के बारे में पता लगाया जा रहा है।

हादसे में युवक की मौत

- रेलबाजार में सीओडी पुल के पास अज्ञात वाहन ने मंगलवार खाड़ेपुर निवासी 46 वर्षीय पवन सविता को टक्कर मार दी। राहगीरों की सूचना पर उन्हें उर्सला में भर्ती कराया गया, जहां देर रात उनकी मौत हो गई। चचेरे भाई विकास ने बताया कि पवन रूमा स्थित एक फैक्ट्री में काम करते थे। नशे के लती थे और कई दिनों तक घर नहीं गए थे। परिवार में पत्नी व तीन बच्चे हैं। पुलिस के अनुसार तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

सिटी ब्रीफ

छात्र का मोबाइल छीन कर भागे बाइक सवार

कल्याणपुर। मूलरूप से कन्नौज के इंदरगढ़ मढ़पुरा निवासी साहिल सिंह शारदानगर में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। बीते दो नवंबर की रात वह फोन पर बात करते हुए लाइब्रेरी से घर लौट रहे थे, तभी कमलेश्वरम गेस्ट हाउस रोड पर पीछे से आए बाइक सवार दो युवक झपट्टा मारकर उनका मोबाइल छीन ले गए। रिपोर्ट दर्ज कराई है।

घर में घुसकर प्रधान को पीटा

कल्याणपुर। चौबेपुर के गोगूमऊ निवासी विकास कटियार गांव के प्रधान है। जो वर्तमान में इंदिरा नगर के दयानंद विहार में बच्चों व भतीजे के साथ रह रहे हैं। विकास के मुताबिक भतीजा धैर्य कल्याणपुर डीपीसी से 12वीं का छात्र है। धैर्य का मोबाइल उसके दोस्त पत्रकारपुरम निवासी वैभव से टूट गया था। जिस पर दोनों बच्चों ने अपना मोबाइल आपस में बदल लिया था। गत एक नवंबर की देर रात वैभव के पिता अभिषेक सिंह अपने दो अन्य साथियों के साथ उनके घर आकर उनके भतीजे का मोबाइल देकर अपने बेटे का मोबाइल ले लिया। अभिषेक सिंह ने गाली गलौज की। विकास के विरोध करने पर उन्हें बेरहमी से पीटकर भाग निकले।

कौमी एकता धाम में श्रद्धांजलि सभा

कानपुर। कौमी एकता धाम की ओर से भन्नानापुरवा में वरिष्ठ समाजसेवी हाजी शफीक साबरी उर्फ झक्की की मौत पर शोक सभा करके उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। पंडित राजू वाजपेयी, निर्मल मिश्रा, नाजिम हिंदुस्तानी, जमीर जायसी, फिरोज मलिक, हाजी जमील किदवई, नूरैनी फैजाबादी, अब्दुल कलाम, मुकेश श्रीवास्तव आदि थे।

मैनावती मार्ग पर दो मगरमच्छ निकले

कानपुर। मैनावती मार्ग स्थित आम्रपाली विहार सोसाइटी में बुधवार रात 2 मगरमच्छ निकलने से हड़कंप मच गया। सोसाइटी में रहने वाले लोगों में दहशत फैल गई। लोगों ने बताया कि झाड़ियों से अचानक दो मगरमच्छ निकले और सड़क किनारे तक आ गए। राहगीरों ने शोर मचाया तो लोगों को इसका पता चला।

किसान मेले में मशरूम के चिप्स, भूसी के दीये

सीएसए में किसानों की आय बढ़ाने वाले उत्पादों का प्रदर्शन

- किसानों को आय दोगुनी करने के सुझाए उपाय, नए कृषि उत्पादों से भी कराया परिचय

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर में दो दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला व कृषि उद्योग प्रदर्शनी की बुधवार को शुरुआत हुई। मेले में युवाओं ने किसानों को नए कृषि उत्पादों जैसे मशरूम के चिप्स, भूसी गोबर के दीये से परिचय कराकर उनकी आय बढ़ाने के विकल्प सुझाए। इस दौरान उन्हें मिलेट्स जैसे उत्पादों के बिक्री मॉडल भी समझाया गया। मेले में किसानों ने नए बीज, कृषि यंत्र सहित अन्य जानकारियां लीं। विशेषज्ञों ने किसानों को तकनीकी सलाह भी दी।

मेले की शुरुआत मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने की। इस दौरान मंडलायुक्त व विश्वविद्यालय के कुलपति के. विजयेंद्र पांडियन भी मौजूद रहे। उन्होंने मेले में लगे सभी स्टालों का भ्रमण किया। मेले में दूसरे जनपदों से आए कृषकों को संबोधित किया। इसके पूर्व उन्होंने प्रदेश के 10 प्रगतिशील कृषकों को भी सम्मानित किया। डॉ संजय सिंह ने कहा कि सीएसए का हरित क्रांति में बड़ा योगदान है। विश्वविद्यालय द्वारा सरसों की वरुणा प्रजाति सहित अन्य फसलों की नई प्रजातियां विकसित की गई हैं, जो जलवायु अनुकूल भी हैं। उन्होंने मक्का व आलू की खेती भी विशेष बल दिया। विशिष्ट अतिथि आईसीएआर अटारी कानपुर के निदेशक डॉ शांतनु कुमार दुबे ने कहा कि किसान कृषक मेलों के माध्यम से नई तकनीक सीख कर अपनी आय बढ़ा सकते हैं।

इस दौरान प्रसार निदेशालय द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। निदेशक प्रसार डॉ आरके यादव, डॉ वीके कनौजिया, डॉ. अरविंद कुमार, डॉ. सीएल मौर्य, डॉ. विनोद प्रकाश, डॉ भूपेंद्र सिंह, डॉ. पीके राठी,कृषक समिति के अध्यक्ष बाबू सिंह, महिला कृषक समिति की अध्यक्ष डॉ विजय रत्ना तोमर सहित अन्य मौजूद रहे।

हाइड्रोवेंट सिस्टम दिखाया। अमृत विचार

हाइड्रोवेंट सिस्टम में तीन फसल

- मेले में एक छात्र अंशू कुमार वर्मा की ओर से बनाए गए हाइड्रोवेंट सिस्टम को सभी की सराहना मिली। इस सिस्टम की खासियत है कि इसमें छोटी सी जगह पर तीन फसल उगाई जा सकती है। इनमें धनिया, मेथी व एक पत्तेदार फसल शामिल है। सिस्टम के तहत घर में ठंडी हवा भी पहुंचाई जा सकती है। यह कूलर किचन गार्डेन का शौक रखने वालों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा।

गोबर व भूसी के दीये

- किसान मेले में छात्रों ने किसानों को कूड़े से लाभ कमाने के तरीके भी बताए। आयुषि मिश्रा, सिद्धार्थ मिश्रा व दिशा सचान ने बताया कि उन लोगों ने ऐसे प्रोडक्ट को किसानों के सामने प्रदर्शित किया है जो कृषि के कूड़े से बने हैं। इनमें गोबर के दीये, भूसी, गोबर व फूल की धूपबत्ती से उत्पाद शामिल हैं। इन उत्पादों से किसान अपनी आय बढ़ा सकते हैं।

दीयों की जानकारी देते एक्सपर्ट। अमृत विचार

किसान मेले में उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। अमृत विचार

फूलों व भूसी के रंग

किसानों के खराब हो चुके फूल और भूसी से बने रंगों का भी प्रदर्शन मेले में किया गया। यह उत्पाद उन किसानों के लिए है जो कृषि की खराब हो चुकी सामग्रियों से भी आय कर सकते हैं। डॉ. रितु पाण्डेय, डॉ. अंकित यादव, प्रियांशी राज, साक्षी गंगवार व दिव्यांशी सिंह के प्रयासों से बने यह रंग हरश्रृंगार, चने की भूसी व मूंगफली से बने हुए हैं। बताया गया कि विदेशी बाजार में इन ऑग्रेनिक रंगों की अच्छी मांग है।

प्रोटीन पाउडर दिखाते अधिकारी। अमृत विचार

मशरूम के चिप्स व प्रोटीन पाउडर

सीएसए विवि के छात्रों की टीम ओर से मेले में मशरूम से बने उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। इन उत्पादों में मशरूम से बने प्रोटीन पाउडर, अचार, पापड़, चॉकलेट सहित 6 उत्पाद का प्रदर्शन किया गया। टीम में शामिल छात्र यश भारद्वाज, अंकिता वर्मा, तान्या त्रिपाठी, दिव्यांजलि, अंबर सिंह, सिद्धार्थ वर्मा व अनिकेत सिंह ने बताया कि मशरूम की बिक्री के बजाय यदि उसके उत्पाद का कारोबार भी किसान खेती के साथ करें तो आय 23 फीसदी बढ़ जाती है।

कृषि उपकरणों के मॉडल सजाए गए। अमृत विचार

व्यापार करने का तरीका

मेले में युवाओं की ओर से किसानों को मिलेट्स के उत्पादों का बिक्री मॉडल बताया। एमबीए के छात्रों ने किसानों को बताया कि यदि वे मिलेट्स के साथ ही उससे बने उत्पादों का भी कारोबार करते हैं तो 2 फीसदी लाभ के बजाय 25 फीसदी लाभ हासिल होता है। अभिनव सिंह, आशुतोष कौशिक, गौरव पाण्डेय, अंशिका मिश्रा व सुभ्रांश शुक्ला ने बताया कि मॉडल के जरिए उन लोगों ने 3 सौ से अधिक किसानों को जागरूक किया।

पारस अस्पताल में लगा हेल्थ चेकअप कैंप

कार्यालय संवाददाता,कानपुर

जांच करते डॉक्टर। अमृत विचार

अमृत विचार। पारस हेल्थ ने 6 नवंबर तक मुफ्त सांस और फेफड़ों की बीमारियों से संबंधित कैंप का आयोजन किया है। डॉ. शिवम दीक्षित ने बताया कि हम खराब होती वायु गुणवत्ता और श्वसन मरीजों, की बढ़ती संख्या के बीच एक साफ लिंक देख रहे हैं। कई केसों में हल्की सांस फूलना या सुबह की खांसी जैसे लक्षणों को नज़रअंदाज कर दिया जाता है। इस पहल के माध्यम से हम लोगों को यह एहसास दिलाना चाहते हैं कि शुरुआती जांच से जीवन भर के नुकसान को रोका जा सकता है। पारस हेल्थ कानपुर कैंप के दौरान मुफ्त ओपीडी कंसल्टेजन भी ऑफर कर रहा है, साथ ही ब्रोंकोस्कोपी, पल्मोनरी फंक्शन टेस्टिंग (पीएफटी), एचआरसीटी चेस्ट, टोटल सीरम, सीबीसी और चेस्ट एक्स-रे सहित डिस्काउंट पर टेस्ट भी उपलब्ध करा रहा है।

यू०पी० प्रोजेक्ट्स कॉरपोरेशन लि०
कार्यालय परियोजना प्रबन्धक, निर्माण इकाई–10, कानपुर (केन्द्रीय भण्डार)
(उ०प्र० सरकार का उपक्रम)
उद्योग कुंज रोड नियर हलुआखाड़ा (रजवाहा)
नौरैया खेड़ा (नहर कोठी), दादा नगर, कानपुर–208022
CIN : U15209UP1976SGC004285

पत्रांक:–1992/पी.सी.एल./पी.एम.–10/कानपुर दिनांक: 04.11.2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

Proposed Construction of Extra Class Room in Campus of P.V. Inter College Prempur at Prempur District-Kannauj (U.P.) हेतु इस कार्यालय की ई–निविदा सूचना सं0–16/PM-10/UPPCL/2025-26 दिनांक 04.11.2025 द्वारा ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा http://etender.up.nic.in की वेबसाइट पर दिनांक 07.11.2025 से दिनांक 14.11.2025 के अपराह्न 03:00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड की जा सकती है। ई–निविदा से सम्बन्धित अन्य विवरण, नियम एवं शर्तें कारपोरेशन की वेबसाइट www.upprojects.org पर दिनांक 07.11.2025 से देखी जा सकती है।
(सत्य प्रिय)
परियोजना प्रबन्धक,
निर्माण इकाई–10, कानपुर

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मैंने अपना नाम AHMAD ZAFAR से बदल कर MOHAMMAD ZAFAR रख लिया है अब भविष्य में मुझे MOHAMMAD ZAFAR के नाम से जाना वा पहचाना जाए। S/O- MOHAMMAD AHMAD Resident:- MAHDIPUR ALHANMAU PO ALIABAD BARABANKI 225401

सूचना
मैं मो0 वैश खान पुत्र मो0 नईम खान निवासी ग्राम–खैरातपुर, परगना–जगदीशपुर, तहसील मुसाफिरखाना जनपद–अमेठी (उ0प्र0) 227809 मेरे पासपोर्ट जिसका नं0–G5954710 है। उक्त पासपोर्ट पर मेरा नाम MOHAMMAD VAISH KHAN व पिता का नाम MOHAMMAD NAIM KHAN दर्ज है, जो कि गलत है। जबकि आधारकार्ड नं0–613880557606 पर मेरा नाम MOHD WAISH KHAN व पिता का नाम MOHD NAIM KHAN दर्ज है, जो कि सत्य व वास्तविक है, तथा इसी नाम से हम जाने व पहचाने जाते है।

सूचना
मैने अपना नाम SURBIND से बदलकर SURBIND KUMAR NISHAD रख लिया है। आज से मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0- INDAR R/0- VILL AND POST- NANDAURI, UTRAULA, DIST- BALRAMPUR-271604 (U.P.)

सूचना
इन्द्रसेन यादव पुत्र राम नाथ यादव निवासी ग्राम लोकेपुर पोस्ट कूरेभार थाना कूरेभार तहसील सदर जिला सुलतानपुर। मै ARMY MEDICAL CORPS में नायक के पद पर कार्यरत हूँ मेरे हाईस्कूल अंकपत्र में मेरा नाम INDRSEN YADAV अंकित था जिस कारण मेरे सर्विस बुक में मेरा नाम INDRSEN YADAV अंकित है जबकि हाईस्कूल में अपना नाम संशोधित करवा लिया इसके तहत मेरा नाम आधार कार्ड नं0–307229868020 व हाईस्कूल की मार्कशीट (अनुक्रमांक 1946907 उत्तीर्ण वर्ष 2009) में मेरा नाम INDRASEN YADAV अंकित है जो कि सही एवं सत्य है। INDRSEN YADAV व INDRASEN YADAV दोनो नाम एक ही व्यक्ति के है। अतः मेरे सर्विस बुक में मेरा नाम INDRSEN YADAV के स्थान INDRASEN YADAV अंकित किया जाय।

सूचना
मुझे अपने पुत्र शब्बीर याकूब ए शेख की जन्मतिथि 01–01–1975 के पंजीकरण तथा जन्म प्रमाण पत्र बनवाने की जरूरत है। मैं इसीलिए इसका प्रकाशन करवा रहा हूं। मुजीबुल्ला पुत्र आकूब मोहल्ला, रफीनगर, उतरौला जनपद बलरामपुर

सूचना
सूचित किया जाता है कि मैं **दारेन पुत्र आबिद खान निवासी ग्राम निंदूरा, थाना कटरा बाजार, तहसील करनैलगंज, जनपद गोंडा** अपने नाम को बदलकर फैज खान रखना चाहता हूँ। आगे से सभी सरकारी अभिलेखों, दस्तावेजों एवं लेन–देन में मेरा नाम फैज खान ही मान्य होगा। दिनांक–05/10/2025, स्थान– गोंडा, दारेन (अब फैज खान)

सूचना
सूचित हो कि मैंने अपने पुत्र रविकरण, अरविंद कुमार और मनोज कुमार के गलत आचरण के चलते अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। इनके द्वारा किए गये लेनदेन संबंधी कार्यों के वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा इनसे कोई वास्ता नहीं रहा। **गंगादीन पुत्र सुंदर लाल निवासी- सिकंदरपुरा, दातागढ़ी राठ (हमीरपुर) उप्र**

युवाओं की स्किल निखारने के लिए खुलेगा प्रशिक्षण केंद्र

- संस्थान में विदेश मे नौकरी के लिए आवेदन करने वालों मिलेगा प्रशिक्षण
- सेवायोजन कार्यालय में भूमि हुई चिन्हित, अगले वर्ष से होगा शुरू

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। विदेशी में नौकरी का सपना देखने वाले युवाओं को अब शहर में ही प्रशिक्षण भी हासिल हो सकेगा। यह प्रशिक्षण उनके स्किल को निखारने के लिए होगा। खास बात यह है कि इस प्रशिक्षण के दौरान युवाओं को उस देश की भाषा, संस्कृति और श्रम कानूनों की भी जानकारी दी जाएगी। माना जा रहा है कि इस प्रशिक्षण केंद्र के खुलने के बाद शहर से विदेश जाने वाले युवाओं को कठिनाई का सामना नहीं करना होगा।

यह प्रशिक्षण केंद्र सेवायोजन कार्यालय के परिसर में बनेगा। संस्थान परिसर में इसके लिए 16 हजार स्क्वायर फिट भूमि को नेशनल डेवलपमेंट स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया चिन्हित किया है। इस प्रशिक्षण केंद्र में युवाओं को उनकी स्किल सुधारने के लिए विशेषज्ञ प्रशिक्षण देने आएंगे। फिलहाल यह प्रशिक्षण कमला नगर स्थित एक प्राइवेट केंद्र में दिया जाएगा। प्राइवेट केंद्र में 3 नवंबर से प्रशिक्षण की शुरुआत होगी। सेवायोजन केंद्र में ट्रेनिंग सेंटर बनने के बाद सभी प्रशिक्षण नए ट्रेनिंग सेंटर में दिए जाने शुरू होंगें। माना जा रहा है कि अगले वर्ष तक यह नया प्रशिक्षण केंद्र बनकर तैयार हो जाएगा। सहायक निदेशक सेवायोजन उज्जवल कुमार सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण केंद्र के लिए नेशनल डेवलपमेंट स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया की ओर से भूमि को चिन्हित कर लिया गया है। इस प्रशिक्षण केंद्र के बनने के बाद देश व विदेश में नौकरी का सपना देखने वाले युवाओं को प्रशिक्षण के लिए भटकना नहीं होगा। इस केंद्र में ऐसे युवा जो पहले से ही किसी न किसी स्किल का प्रशिक्षण हासिल कर चुके हैं उन्हें और अधिक निखारा जाएगा। खासतौर पर विदेश जाने वाले युवाओं को उस देश की मांग व उनके नए उत्पादों को बनाने के तरीकों व नियमों की भी जानकारी दी जाएगी।

इसके अलावा प्रशिक्षण केंद्र में विदेशी विशेषज्ञ भी अपने यहां पर आने वाले देश के युवाओं को वहां की स्थितियों के बारे में प्रशिक्षित करेंगे।

आएगी इजरायल की टीम

- सेवायोजन विभाग की ओर से फिलहाल विशेष प्रशिक्षण के लिए कमला नगर स्थित एक निजी संस्थान में व्यवस्था की गई है। यहां पर इजरायल जाने वाले युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। इस प्रशिक्षण के दौरान इजरायल की टीम भी केंद्र में प्रशिक्षण हासिल करने वाले युवाओं की गुणवत्ता परखने आ सकती है।

कार्यशाला में जयपुरिया स्कूल के छात्र–छात्राएं शामिल हुए। अमृत विचार

ब्राण्ड की सफलता उसकी गुणवत्ता पर निर्भर

कानपुर। सिविल लाइंस स्थित कार्यालय में बरासिया एडवरटाइजिंग ने ब्राण्ड प्रमोशन, मार्केटिंग डिजिटल मार्केटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बिजनेस प्रमोशन, फाइनेंस व वेल्थ मैनेजमेंट विषयों पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमे सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल के करीब 40 छात्र–छात्राएं शामिल हुए। बिजनेस कोच अजय सिंह ने कहा कि आप स्वयं की उन्नति किये बिना अपने व्यवसाय को उन्नति के मार्ग पर नहीं ले जा सकते हैं। प्रतिस्पर्धा का सही आकलन करना अत्यंत आवश्यक है और उसके अनुसार आप को स्वयं ढालना होगा। एआई एक्सपर्ट मनु गोयल ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विषय में चर्चा की। मोहनी चाय के निदेशक दिनेश अग्रवाल ने कहा कि किसी भी ब्राण्ड की सफलता उसकी गुणवत्ता पर निर्भर करती है। बरासिया एडवरटाइजिंग के युवा उद्यमी भरत बरासिया ने कहा कि विश्व तेजी से डिजिटल युग की ओर बढ़ रहा है और भारत भी इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस दौरान बरासिया एडवरटाइजिंग की निदेशक नीतू बरासिया, दिनेश अग्रवाल, अवोक इंडिया के डायरेक्टर प्रवीन द्विवेदी, भरत बरासिया, प्रवीन द्विवेदी आदि रहे।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

एसआईआर

घनी आबादी में बीएलओ ने फार्म भरने का काम शुरू किया

बीएलओ ने दस्तक दी, बीएलए अगले सप्ताह से जुटेंगे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। एसआईआर के लिए बीएलओ ने घर घर दस्तक देना शुरू कर दिया है। राजनीतिक दलों ने बीएलए को तैयार करना शुरू कर दिया है। बीएलए अगले सप्ताह से घर घर जाकर कागजात एकत्र करेंगे। बुधवार को चमनगंज समेत कई क्षेत्रों में बीएलओ पहुंचे और मतदाताओं की पूरी जानकारी एकत्र की।

शहर में 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक एसआईआर (मतदाता सूची शुद्धिकरण) का काम शुरू हो चुका है। कांग्रेस, सपा, भाजपा ने अपने जिलाध्यक्षों को बीएलए वन का नाम दिया है और उन्हें ही बीएलए चयनित करने के लिए अधिकृत किया है। सियासी पार्टियों में विशेषकर कांग्रेस वोट चोरी नहीं होने देंगे का नारा दे रही है। धरना प्रदर्शन, पद यात्रा कर रही है और अपनी टीम तैयार कर रही है जो घर घर जाकर कागजात एकत्र करने का काम करेगी।

जमीअत उलमा ने कहा, सपोर्ट करें

जमीअत उलमा के प्रदेश महासचिव मौलाना अब्दुल्ला कासमी ने मुसलमानों से गुजारिश की है कि एसआईआर के कार्य में बीएलओ को सर्पोट करें ताकि मतदाता सूची का शुद्धिकरण हो सके। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर कार्य किया जा रहा है, अपने दस्तावेज देकर मतदाता सूची में अपना नाम जरुर दुरुस्त कराएं। उन्होंने कहा है कि जब बीएलओ आपके घर जाएं तो उन्हें मजबूत कागजात के साथ पूरा ब्यौरा दें ताकि आपका पंजीयन हो सके।

एसआईआर का ऐसे चलेगा अभियान

- घर–घर सत्यापन 04 नवम्बर, 2025 से 04 दिसम्बर, 2025 तक कार्य चलेगा।
- मतदान केंद्रों का आवश्यक पुनर्गठन 04 दिसम्बर, 2025 तक पूरा हो जाएगा।
- प्रारूप मतदाता सूची 09 दिसम्बर, 2025 को प्रकाशित की जाएगी।
- दावे और आपत्तियां 09 दिसम्बर, 2025 से 08 जनवरी, 2026 तक दे सकते हैं।
- आपत्तियों का निस्तारण 09 दिसम्बर, 2025 से 31 जनवरी, 2026 तक किया जाएगा।
- अंतिम मतदाता सूची 07 फरवरी, 2026 को प्रकाशित होगी।
- 01 जनवरी, 2026 को जिनकी आयु 18 वर्ष हो चुकी है, ऐसे युवा मतदाता बनें।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road,
Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- Faculty of Nursing M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- Faculty of Dental Sciences (All Specilities)
- Humanities and Journalism English
- Faculty of Pharmacy
- Faculty of Management
- Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit university website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार 6 नवंबर 2025

सिटी ब्रीफ

दो खिलाड़ियों का चयन

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के डिपार्टमेंट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स के दो एमपीएड खिलाड़ियों का चयन उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग सीज़न-2 में हुआ है। दोनों खिलाड़ियों में फर्रुखाबाद के हरिओम का चयन गाज़ियाबाद टीम में हुआ है। इसी तरह नोएडा में आयोजित नीलामी में हरिओम की बोली 40 हजार रुपये लगी। हरिओम लंबे समय से कबड्डी में सक्रिय हैं और विश्वविद्यालय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते आए हैं। इसी तरह विनय तेवाठिया को अलीगढ़ टाइगर्स टीम ने 5,90,000 की बोली के साथ चुना गया है।

पाल्हेपुर में सुंदरकांड के बाद किया हवन

पाल्हेपुर। प्राचीन बूढ़ा माता मंदिर पाल्हेपुर में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने हवन में आहुति देकर मंगलमय जीवन की कामना की। सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिर परिसर में उमड़ पड़ी। भक्तों ने बूढ़ा माता के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में आचार्य पंडित निर्मल शास्त्री जी के निर्देशन में विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना संपन्न हुई। इस अवसर पर कमलेश पाण्डेय, नीरज पाण्डेय, संजय सिंह, जितेंद्र मिश्रा, कुशाग्र पाण्डेय, पीयूष पाण्डेय, विवेक सिंह उपस्थित रहे।

जनरल स्टोर की छत काटकर चोरी

कल्याणपुर। कल्याणपुर कला निवासी शैलेंद्र कुमार पांडेय गुरुदेव चौकी के समीप ही जनरल स्टोर की दुकान किए हैं। मंगलवार देर रात छत पर पड़ी लोहे की चादर काटकर दुकान के अंदर चोर दाखिल हुए और दो हजार रुपये व लगभग 25 हजार का माल पार कर ले गए। सुबह दुकान पहुंचे तो चोरी का पता चला। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले और जांच शुरू की है।

मंदिरों में भारी भीड़ उमड़ी। अमृत विचार

सरसैया घाट पर जिलाधिकारी भी पहुंचे। अमृत विचार

गंगा में दीपदान किया। अमृत विचार

कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान, पूजा-ध्यान और दीपदान

सुबह हजारों भक्तों ने गंगा स्नान कर पुण्य की डुबकी लगाई, शाम को दीपदान किया

देव दीपावली

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कार्तिक पूर्णिमा पर्व पर बुधवार सुबह हजारों भक्तों ने गंगा स्नान कर पुण्य की डुबकी लगाई। घरों मंदिरों में दिनभर हवन-पूजन हुए। शाम को गंगा घाटों में दीपदान कर देवदीपावली मनाई गी। इस दौरान गंगा की धारा में हजारों दीपक एक साथ प्रज्वलित कर भक्तों ने माहौल को भव्य किया। दीपों की रंगोली सभी के आकर्षण का केंद्र रही। गंगा आरती के दौरान हजारों भक्तों ने जयकारे लगाए।

शहर के गंगा घाटों पर तड़के से स्नान को भक्त उमड़े। भक्तों ने गंगा में डुबकी लगाकर पुण्य की कामना की। सरसैया घाट, भगवतदास घाट, अटल घाट, परमट घाट व सिद्धनाथ घाट पर भक्तों ने स्नान कर पूजन किया। पूजन के बाद गंगा भक्तों ने मंदिरों का रुख किया। आनंदेश्वर मंदिर, सिद्धनाथ मंदिर, वनखंडेश्वर मंदिर में खास भीड़ रही। गोविंद नगर स्थित दुर्गा मंदिर, तपेश्वरी मंदिर, जंगली देवी मंदिर सहित अन्य मंदिरों में भक्तों ने दीप जलाकर देवदीपावली मनाई। जीटी रोड स्थित बगिया वाले हनुमान मंदिर में भी मान्यता के दीपक प्रज्वलित किए गए। परमट घाट व सरसैया घाट पर विशेष आयोजन हुए। परमट घाट पर भक्तों की ओर से महादेव के दर्शन कर दीपदान किया गया। दीपदान से शाम को गंगा धारा रौशन हो उठी। इसी तरह सरसैया घाट पर भी विभिन्न समितियों की ओर से गंगा आरती व दीपदान हुआ।

ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर हुए आयोजन में भक्तों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। गंगा आरती के बाद धारा में दीपदान से गंगा धारा टिमटिमा उठी। इसी तरह अटल घाट में भी भक्तों की ओर से देव दीपावली मनाई गई। भक्तों की ओर से यहां पर जलधारा में दीपक दान किया गया। सिद्धनाथ घाट पर संतों की ओर से गंगा आरती की गई। पतित पावनी मां गंगा को चुनरी उढ़ाकर मान्यता पूरी करने की प्रार्थना की गई। आरती से पूर्व मां गंगा का अभिषेक भी किया गया। गंगा आरती में भक्तों की ओर से फूलों की माला से जलधारा का श्रृंगार भी किया गया। देर रात तक गंगा घाटों में रौनक रही।

हजारों भक्तों ने जयकारे लगाए। अमृत विचार

सीएसजेएमयू में भी आयोजन

- छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय परिसर में कार्तिक पूर्णिमा के दिन देव दीपावली का धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक, आयुर्वेदाचार्या डॉ वंदना पाठक, प्रति कुलपति प्रो .सुधीर कुमार अवस्थी ने बच्चों के साथ मिलकर अमृत सरोवर के किनारे दीपक भी जलाये। इस दौरान डॉ. प्रवीण भाई पटेल, डॉ. सर्वेशमणि त्रिपाठी, डॉ सोनी गुप्ता, डॉ दिवाकर अवस्थी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

भगदड़ जैसे हालात

- देवदीपावली पर परमट घाट के समक्ष टैफ्को नाले के बगल में भगदड़ जैसे हालात पैदा हुए। गंगा आरती के बाद भक्त जब वापसी करने लगे तो भीड़ अचानक बढ़ने पर यह स्थिति बनी। भीड़ अधिक होने के चलते महिलाओं व बच्चों में नाले में गिरने और दबने के डर से चीख पुकार मची। इस दौरान पुलिस प्रशासन की ओर से स्थिति को संभाला गया।

युवतियों ने रंगोली बनाई। अमृत विचार

ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर सजे घाट

कानपुर। गंगा देव दीपावली समिति ने सरसैया घाट व अन्य घाटों पर ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर उत्सव मनाया। हजारों दीपों की आभा से गंगा के 24 घाट जगमगा उठे। सरसैया घाट पर एक दीप वीरों के नाम के तहत दिव्य सजावट की गई। कार्यक्रम में डॉ. बिंदु सिंह के साथ कानपुर विश्वविद्यालय की छात्राएं माही शर्मा, सुष्मिता, नैना चौबे, राशी सिंह, शैलजा सोनी, और कृति सिंह ने रंगोलियां बनाकर वीर शहीदों के प्रति अपना सम्मान प्रकट किया। समिति के महामंत्री प्रवीण कुमार शुक्ला, उपाध्यक्ष आशीष पांडे, मनीष त्रिपाठी, गौरव गुप्ता, सौरभ पाल, संतोष चौधरी, नरेंद्र यादव, अमित अग्रवाल, सर्वोत्तम तिवारी, तरुण दिवाकर, मनीष मिश्रा, आशुतोष ओमर, दिनेश भावनानी आदि उपस्थित रहे।

विवाह उत्सव मनाया गया

धूनी ध्यान केंद्र की ओर से बुधवार को प्रभु शालिग्राम व तुलसी का विवाह उत्सव वैदिक विधान से किया गया। इस दौरान महिला भक्तों की ओर से मंगल गीत भी गाए गए। धार्मिक आयोजन के दौरान आचार्यों की ओर से 108 विष्णु सहस्त्रनाम व लक्ष्मी सहस्त्रनाम का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में कमल पुष्प व गुलाब से तुलसी जी का शृंगार किया गया। धूनी ध्यान केंद्र के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. आचार्य अमरेश मिश्रा व कोषाध्यक्ष डॉ. सुनीता मिश्रा ने विधि विधान से पूजन किया। कार्यक्रम में ज्योतिषविद् केए दुबे पद्मेश, स्वामी ज्ञान चैतन्य, सुशील प्रवीण बृहस्त देव, रामास्वामी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

सीएसजेएमयू में दो हफ्ते तक चलेगी कार्यशाला

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में दो सप्ताह तक चलने वाली फिजियोथेरेपी कार्यशाला की शुरुआत हुई।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता डा योगश मन्धयान विभागाध्यक्ष फिजियोथिरैपी अपोलोमेडिक्स हास्पिटल लखनऊ ने 'मुलीगन टेक्नीक' विषय पर विचार व्यक्त किए। कहा कि न्यूजीलैण्ड में विकसित इस तकनीक में बिना दर्द के जोड़ों के जाम को खोला जाता है। विभिन्न तरह के दर्द से निजात पाने के लिये इस पद्धति का उपयोग किया जाता है। संस्थान के निदेशक डा मुनीश रस्तोगी ने कहा कि मुलिगन टेक्नीक का उपयोग सीखकर विद्यार्थी जरूरतमंदों को अत्याधुनिक उपचार सुविधायें प्रदान करने में सक्षम होंगे तथा इस पद्धति का प्रयोग कर विद्यार्थी अपनी कौशलता को बढ़ावा दे सकते हैं।

- फिजियोथेरेपी कार्यशाला में दी गई जानकारी

होम्योपैथिक धर्मार्थ शिविर लगाया

शिविर में मरीजों को देखते डॉ. हेमंत मोहन, डॉ. आरती मोहन। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव के अवसर पर आरोग्यधाम एवं विश्व हिंदू महासंघ के संयुक्त तत्वावधान में निशुल्क होम्योपैथिक धर्मार्थ शिविर लगाया गया। शिविर में मरीजों की भीड़ उमड़ी। कुल 1150 मरीज देखे गए। होम्योपैथी कैंप का शुभारंभ हरविंदर सिंह लार्ड, सुखविंदर सिंह लाडी ने संस्थापिका आरोग्यम पुष्पा मोहन एवं उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन कोषाध्यक्ष सचिन शुक्ला के साथ किया। सिख सभा ने डॉक्टर हेमंत मोहन, डॉ आरती मोहन, सोम शर्मा को कैंप लगाने के लिए शुभकामनाएं देने के साथ सिरोपा भेंट किया। डॉ हेमंत मोहन, डॉ आरती मोहन, डॉ. संतोष तिवारी, डॉ. विनीत द्विवेदी, डॉ. श्यामली गुप्ता डॉ. पंकज पांडे ने मरीज देखे। डॉक्टरों ने बताया कि बदलते मौसम में शरीर की प्रतिरोधक क्षमता एवं असाध्य रोग ऑन से छुटकारा पाना है तो होम्योपैथिक दवाएं अपनानी चाहिए। कैंप में महंत जितेंद्र दास, गुरविंदर सिंह छाबड़ा, अजीत छाबड़ा, गुरजीत कौर, शुभम शर्मा, शिवम खन्ना, अमित मिश्रा, उमा शर्मा थे।

वारे गुरु | श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर लाखों लोगों ने लंगर छका, शबद कीर्तन से संगत निहाल

सतगुरु नानक प्रगटिया, मिटी धुंध जग चानन होया...शबद गूंजा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर भक्ति, श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाया गया। लाखों लोगों ने लंगर छका, रागी जत्थों ने शबद कीर्तन से संगत को निहाल किया। सतगुरु नानक प्रगटिया मिटी धुंध जग चानन होया, जे कर सूरज निकलया तारे छपे अंधेर पलोया, धन नानक गुरु नानक आया , कल तारण गुरु नानक आया, आदि शबद गाये।

श्री गुरु सिंह सभा द्वारा श्री गुरु नानक देव जी महाराज का तीन दिवसीय प्रकाश पर्व मनाया गया जिसमें बुधवार को तीसरे अंतिम दिन मोतीझील ग्राउंड पर गुरु पर्व के मुख्य समारोह का आरम्भ प्रातः 3.30 बजे श्री सुखमनी साहिब के पाठ से हुई। तत्पश्चात आनन्द साहिब एवं अमृत वेले की अरदास सम्पन्न हुई। प्रातः काल से ही लंबी लंबी कतार में श्रद्धालु श्री गुरु ग्रन्थ साहिब जी के समक्ष माथा टेक कर श्रद्धा समर्पित कर रहे थे। मोतीझील के विशाल पंडाल में भव्य आसन पर विराजमान श्री गुरु ग्रन्थ साहिब के समक्ष शीश नवाने के साथ साथ संगत गुरुवाणी कीर्तन एवं गुरुवाणी विचार से निहाल हुई।

शबद गायन पर वाहेगुरु वाहेगुरु गूंजता रहा : गुरु नानक संगीत जत्था ने नितनेम किया तो बीबी इंदर कौर, गुरु गोबिंद सिंह स्टडी सर्किल, भाई सुरिंदर सिंह भाई मोहन सिंह, प्रेमी जत्था, भाई नरिंदर सिंह जी, भाई हरविंदर सिंह एवं भूपिंदर सिंह गुरदासपुरी हजूरी रागी जत्था गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर चौक, भाई सज्जन सिंह हजूरी रागी जत्था गुरुद्वारा लाजपत नगर ने आसा दी वार का कीर्तन गायन किया। श्री दरबार साहिब अमृतसर के हजूरी रागी भाई जसकरन सिंह पटियाला वाले ने शबद कीर्तन किया। ज्ञानी डा. मनप्रीत सिंह दिल्ली वालों ने विचार रखे। श्री दरबार साहिब अमृतसर के हजूरी रागी भाई सतनाम सिंह कोहाड़का ने गायन कर संगत को निहाल किया।

गुरुद्वारा नवाबगंज में आरती, फूलों की बरखा: श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा नवाबगंज में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। सायं 7 बजे आरती, फूलों की बरखा की गई। अरदास के अलावा गुरु का अटूट लंगर भी हुआ। रागी जत्थों ने शबद से संगत को निहाल किया। गुरुद्वारा के प्रधान सरदार मान सिंह बग्गा ने संगत की सेवा की।

कांग्रेसजनों ने मनाया प्रकाश पर्व: कानपुर महानगर कांग्रेस द्वारा तिलक हाल में श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर अरदास एवं पाठ किया गया। महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि गुरुनानक देव जी की करुणा, प्रेम, सौहार्द और 'सरबत दा भला की शिक्षाएं सभी के लिए सदैव मार्गदर्शक रहेंगी। संयोजक कर्मवीर सिंह, अमनदीप सिंह लवी और जसप्रीत सिंह रहे जबकि संचालन संचालन शंकर दत्त मिश्रा ने किया।

रागी जत्थों ने शबद सुनाए। अमृत विचार

हजारों संगत ने माथा टेका। अमृत विचार

मोतीझील में गुरु का अटूट लंगर हुआ। अमृत विचार

डीएम, पुलिस कमिश्नर को गुरु घर सम्मान

- जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह, पुलिस आयुक्त रघुवीर लाल, शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय पाठक, डीसीपी एलआईयू महेश कुमार, विधायक क्रमश: नीलिमा कटियार, नसीम सोलंकी, अमिताभ बाजपेयी, रेडक्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन डॉ उमेश पालीवाल, डॉ. संजय कपूर, सरदार हरजीत सिंह कालरा, पनकी धाम के महंत महाराज जितेन्द्र दास, गुरिन्दर पाल सिंह, पास्टर जितेन्द्र सिंह, धनी राव बौद्ध, सिराज भाई आदि को श्री गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष हरविंदर सिंह लॉर्ड एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुखविंदर सिंह भल्ला लाडी ने गुरु घर सम्मान से सम्मानित किया। इस मौके पर ज्ञानी मदन सिंह, मोहन सिंह झास, सुरजीत सिंह लॉर्ड, हरमिंदर सिंह लोंगोवाल, मीतू सागरी, करमजीत सिंह, दया सिंह गांधी, सुरिंदर सिंह चावला कालू, गुरदेव सिंह सलूजा, मनमीत सिंह राजू, जसबीर सिंह सलूजा, अमनजोत सिंह रौनक, गगन ढींगरा, राजू खंडूजा एवं राजेंद्र सिंह नीटा आदि थे।

कार्तिक पूर्णिमा पर भक्तों ने गंगा में लगाई आस्था की डुबकी

संवाददाता शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार: कार्तिक पूणिमा के मौके पर हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई भोर पहर से शुरू हुआ स्नान देर शाम तक चलता रहा, दूर-दराज से चलकर आने वाले श्रद्धालुओं का दिन भर तांता लगा रहा स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने तट पर बैठे पंडों को दान-दक्षिणा दी। इसके अलावा तमाम श्रद्धालुओ ने गंगा तट पर भगवान सत्यनारायण की कथा का श्रवण किया। शाम तक गंगा स्नान के लिए लोगों के आने का सिलसिला जारी रहा।

कार्तिक पूर्णिमा स्नान के लिए बुधवार भोर पहर तीन बजे से लोग घरों से निकल पडे।। नगर के अलावा कानपुर, उन्नाव, बांगरमऊ, लखनऊ, बाराबंकी, अचलगंज, बीघापुर, मौरांवा, पुरवा, असोहा, नवाबगंज समेत तमाम स्थानों से स्नानार्थियों के आने का सिलसिला सुबह से शुरू हो गया था। स्नान के बाद श्रद्धालुओ ने तट पर बैठे पंडो को दान दक्षिण देकर पुण्य लाभ कमाया। स्नान के बाद तमाम श्रद्धालुओं ने तट पर भगवान सत्यनारायण की कथा कर श्रवण किया गया। इसके बाद लोगों ने तट पर लगे मेले का जमकर आनन्द उठाया। मेले में चौपाहिया व टैक्टर ट्राली को रोकने के लिए नगर के प्रमुख स्थानों पर पुलिस ने बेरीकेंडिग करवा दी थी। दोपहिया वाहन तट तक पहुंचे। जिसमें तमाम लोगों को वाहन खडे. कर पैदल गंगातट तक जाना पडा, गंगातट तथा राजमार्ग कस्बों में तिल रखने की जगह नही बची, छोटे बडे झूले, सर्कस, नाटक तथा मेले में लगी हर प्रकार की दुकानें सभी के आकर्षण का केन्द्र रही। गंगाघाट क्षेत्र के अधिकांश घरो व मन्दिरों में कार्तिक पूर्णिमा के दिन बडे ही धूमधाम से तुलसी की विदाई की गई। बुधवार को महिलाओं ने मन्दिरों व घरों में तुलसी की विदाई के लिए सारी तैयारियां की। जिसके बाद विभिन्न प्रकार के पकवान पूड़ियों और कुचइयों तथा बेसन के लडडू व नाना प्रकार के पकवान और मिष्ठान बनाकर तुलसी कें पौधे को वस्त्रादि पहनाकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर पकवान व वस्त्र आदि के साथ सोलह श्रगांर का सामान समर्पित किया। उनसे सुख और समृद्धि की मनोकामना की। कार्तिक पूर्णिमा के दिन तुलसी की धूमधाम से विदाई हुई।

मेले के दौरान ये अधिकारी रहे मौजूद: कार्तिक मेले के दौरान मेले में कोई अप्रिय घटना न घटे, इसको लेकर एसडीएम सदर क्षितिज द्विवेदी, सीओ सिटी दीपक यादक, सिकंदरपुर कर्ण की नायब तहसीलदार अनुपमा सिंह, कानूनगो शिवशरण बाजपेई, अब्दुल शफीक, पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे, ईओ मुकेश मिश्रा, इंस्पेक्टर अजय कुमार सिंह, लेखपाल प्रशांत अवस्थी, मनोज यादव, पंकज मिश्रा, अशोक सैनी व अन्य अधिकारी मेले का जायजा लेते रहे। वहीं कैमरे से श्रद्धालुओं पर नजर रखी गई। इसके साथ ही गंगा रेलवे स्टेशन पर जीआरपी और आरपीएफ ने आने जाने वाले संदिग्ध यात्रियों के बैग चेक किये।

स्नान के दौरान सांप निकलने से मचा हड़कंप: बुधवार सुबह आनंद घाट पर कार्तिक पूर्णिमा स्नान के दौरान अचानक एक सांप निकल आने से श्रद्धालुओं में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने तुरंत स्नान रोक दिया। करीब 45 मिनट तक हड़कंप की स्थिति रही। बाद में नाविकों ने डंडे की मदद से सांप को सुरक्षित रूप से घाट से दूर किया।

कांग्रेस नेत्री ने कराया खिचड़ी भोज: बांगरमऊ: कांग्रेस नेत्री आरती बाजपेयी की ओर से गंगातट पर शिविर लगाकर खिचड़ी भोज आयोजित किया गया। नगर स्थित सुभाष इंटर कालेज के पूर्व शिक्षक स्व. रमाकांत शुक्ला के पुत्र व समाजसेवी संजीव शुक्ला ने परिजनों के साथ गंगातट पर श्रद्धालुओं को खिचड़ी भोज कराया। सपा नेता आलोक त्रिपाठी द्वारा भी गंगातट पर शिविर लगाकर श्रद्धालुओं को खिचड़ी भोज कराया।

कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़। अमृत विचार

मेले का जायजा लेते एसडीएम और सीओ सिटी। अमृत विचार

विशातखाने से खरीदारी करतीं महिलाएं। अमृत विचार

चाट, चाउमीन और जलेबी का लिया लुत्फ

कार्तिक पूर्णिमा पर गंगातट पर विभिन्न प्रकार की दुकानें लगी थी। जहां स्नान के बाद दूर दराज से आये लोगों ने मेले में चाट चाउमीन का लुत्फ लिया। इसके साथ ही अन्य खाने पीने के सामान खरीदे। मेले में इस बार हर उम्र के लोगों को ध्यान में रखते हुए झूले लगे हुए थे। जहां बच्चों से लेकर बड़ो तक ने झूलों का आनंद लिया। इसके साथ ही गंगा रेती पर बच्चों ने ऊंट की सवारी की।

बांगरमऊ में भी उमड़ी आस्था

बांगरमऊ, अमृत विचार : नानामऊ गंगातट पर हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। स्नान के बाद पुरोहित को दान देकर आशीर्वाद लिया। मेले में शांति व्यवस्था हेतु तहसील व पुलिस प्रशासन द्वारा कोतवाली भी स्थापित की गई क्षेत्र के ग्राम गहरपुरवा के निकट आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे स्थित गंगा नदी पुल के पास भी बड़ी संख्या में लोगों ने स्नान किया। नानामऊ गंगातट पर बीती मंगलवार शाम से बुधवार तक स्नानार्थियों का आवागमन जारी रहा। श्रद्धालु परिवार के साथ निजी साधन व ट्रैक्टर-ट्रालियों से नानामऊ गंगातट पहुंचे। नगर व क्षेत्र के कई संभ्रांत परिवारों द्वारा रावटी व तंबू आदि लगाकर शिविर लगाया गया। कार्तिक पूर्णिमा पर क्षेत्र के अलावा हरदोई के मल्लावां, कासिमपुर, कुरसठ, संडीला व माधौगंज व लखनऊ के मलिहाबाद व काकोरी से भी महिलाएं, बच्चे व पुरुष श्रद्धालु स्थान के लिये पहुंचे। मेले में जहां बच्चों ने खिलौने व मिष्ठान खरीदा, वहीं महिलाओं ने सौंदर्य प्रसाधन का सामान खरीदा।

फतेहपुर चौरासी क्षेत्र में भी उमड़ी भक्तों की भारी भीड़

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव : फतेहपुर चौरासी क्षेत्र में गुरुवार को कार्तिक पूर्णिमा पर क्षेत्र के दबौली, हिंदूपुर, जाजामऊ एहतमाली, बहलवा, राजेपुर आदि गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं ने श्रद्धा की डुबकी लगाकर पुण्य कमाया। वहीं, क्षेत्र के दबौली सरैया आदि घाटों पर लगे मेले का भी लोगों ने खूब आनंद लिया। मेलों में जहां बच्चों की पहली पसंद गुब्बारा और खिलौने रहे वहीं लोगों ने चाट व जलेबी का भी खूब लुत्फ लिया। महिलाओं ने गृहस्थी में उपयोगी चीजों की भी खरीदारी की। साथ ही कस्बा व ग्रामीण क्षेत्रों में धूमधाम से देव दीपावली भी मनाई गई। कार्तिक पूर्णिमा पर क्षेत्र के सभी घाटों पर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा ताकि कोई अप्रिय घटना न हो सके।

परियर गंगा तट पर स्नान करते भक्त। अमृत विचार

परियर गंगातट पर भक्तों ने किया स्नान

परियर, अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा पर बुधवार को गंगातट पर श्रद्धालुओं ने ब्रह्ममुहूर्त में आस्था की डुबकी लगाई। स्नान के बाद मां गंगा की आरती व पूजन करने के बाद तीर्थ पुरोहितों को दान दक्षिणा दी। इस बीच गंगातट पर घाट हर हर गंगे, हर हर महादेव के उद्घोष से गुंजायमान रहे। श्रद्धालुओं के जत्थे मंगलवार शाम से ही गंगातट किनारे रावटी व टेंट लगाकर रुके थे। जिन्होंने रात भर भजन कीर्तन करने के बाद सुबह ब्रह्ममुहूर्त में स्नान किया। श्रद्धालुओं ने वापस जाते समय बाबा बलखंडेश्वर मंदिर, जानकीकुंड आश्रम के मंदिरों में जलाभिषेक किया व मेले में घर गृहस्थी का सामान की खरीदारी भी की। मेले में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सरोसी की टीम द्वारा स्वास्थ केंप लगाकर दो सैकड़ा लोगों को दवाएं दी गईं। इस मौके पर मेला नोडल अतिरिक्त मजिस्ट्रेट आनंद नायक, सदर तहसीलदार सुरभि गौतम, सीओ सफीपुर सोनम सिंह, थानाध्यक्ष एसएन त्रिपाठी, मेला प्रभारी निरीक्षक श्याम नारायण सिंह, चौकी प्रभारी अनिल राजपूत, राजस्व निरीक्षक मो. अनीस, लेखपाल प्रदीप कमल, दीपचंद, शैलेन्द्र, मनोज आदि मौजूद रहे।

फोरलेन पर भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु। अमृत विचार

कार्तिक पूर्णिमा पर जगह-जगह लगे भंडारे

शुक्लागंज, उन्नाव : कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को पूरे नगर में धार्मिक उल्लास का माहौल रहा। राजधानी मार्ग सहित विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों की ओर से भंडारे आयोजित किए गए, जिनमें पूड़ी-सब्जी, खिचड़ी और कढ़ी-चावल का प्रसाद वितरित किया गया। राजधानी मार्ग स्थित शिव शक्ति गैस की ओर से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जो सुबह से लेकर शाम तक अनवरत चलता रहा। इस दौरान सदर विधायक पंकज गुप्ता समेत प्रमोद त्रिवेदी, धीरेन्द्र शुक्ला, केडी त्रिवेदी, आशुतोष शुक्ला, श्रीकांत त्रिवेदी, श्रीकांत पांडे, विकास मिश्रा, पप्पू त्रिवेदी, सोनू त्रिवेदी, प्रशांत त्रिवेदी और अखिलेश त्रिवेदी ने भंडारे में सहभागिता की। वहीं निषाद मार्केट के पास अमरनाथ सेवा मंडल की ओर से भी विशाल भंडारा आयोजित किया गया, जहां गंगास्नान कर लौटते श्रद्धालुओं और मेले में आने-जाने वाले लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

जान जोखिम में डालकर रेललाइन पार करते श्रद्धालु। अमृत विचार

ट्रेनों में उमड़ी भीड़, चढ़ने के लिए हुई धक्का-मुक्की

शुक्लागंज, उन्नाव : बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा स्नान के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ गंगाघाट रेलवे स्टेशन पर उमड़ पड़ी। सुबह से ही श्रद्धालु गंगास्नान के लिए ट्रेनों से बड़ी संख्या में पहुंचे। कानपुर-लखनऊ रूट पर ट्रेनों की संख्या सीमित होने और केवल सुबह-शाम पैसेंजर ट्रेनों के संचालन के कारण स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गई। गंगाघाट स्टेशन पर पैसेंजर ट्रेन के पहुंचते ही श्रद्धालु ट्रेन में चढ़ने के लिए धक्का-मुक्की करने लगे। स्थिति ऐसी हो गई कि प्लेटफार्म पर पैर रखने तक की जगह नहीं बची। भीड़ के दबाव में कई यात्री प्लेटफार्म से गिरते-गिरते बचे। वहीं कुछ लोगों ने जोखिम उठाकर ट्रैक पार किया और सीधे गंगातट व मेले की ओर बढ़ गए। लगातार आती-जाती ट्रेनों के बीच श्रद्धालुओं के ट्रैक पर उतरने से हादसे की आशंका बनी रही। दोपहर में मगरवारा स्टेशन पर अंडरपास निर्माण के कारण ब्लॉक लिए जाने से अप लाइन की कई ट्रेनें प्रभावित रहीं, जिससे यात्रियों को और अधिक परेशानी झेलनी पड़ी। रेलवे प्रशासन ने व्यवस्था बनाए रखने के लिए कर्मचारियों को प्लेटफार्म पर लगाया, लेकिन श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ के आगे इंतजाम नाकाफी साबित हुए। कुल मिलाकर, कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर भीड़ ने रेलवे स्टेशन की व्यवस्था चरमराकर रख दी।

खोया-पाया कैंप में मौजूद पदाधिकारी। अमृत विचार

श्रद्धालुओं की सहायता के लिए लगाया खोया-पाया कैंप

शुक्लागंज, उन्नाव : कार्तिक पूर्णिमा स्नान पर्व पर समाजिक संगठनों की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बालूघाट मोड़ के पास खोया-पाया कैंप लगाया गया। कैंप में गंगा स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की मदद हेतु लगातार घोषणाएं की जाती रहीं और मेले में बिछड़े लोगों को उनके परिजनों से मिलवाया गया। इसके साथ ही ब्रह्मसभा शुक्लागंज, भारत विकास परिषद, श्री रामनाम लेखन महायज्ञ समिति, मां गंगा सेवा समिति और रोटरी क्लब गंगाघाट के संयुक्त तत्वावधान में संचालित किया गया। स्वयंसेवकों ने श्रद्धालुओं को सावधानी बरतने, बच्चों पर नजर रखने और गंगा तट पर भीड़ से सतर्क रहने की अपील की। रोटरी क्लब गंगाघाट के अध्यक्ष अवनीश शुक्ला, के अलावा ब्रम्ह सभा के कैंप में विधायक पंकज गुप्ता, संरक्षक आशुतोष शुक्ला, अध्यक्ष अंजनीकांत मिश्र, सचिव अनुज तिवारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओमप्रकाश मिश्र, विश्वनाथ दुबे, उपाध्यक्ष राजीव मिश्र, अंजनी अग्निहोत्री, अमित पांडे, लालाराम शुक्ला, श्रीप्रकाश मिश्र, हरिओम पांडे, सत्यकुमार उपाध्याय, शिवशरण अग्निहोत्री और अंकुर शुक्ला सहित अन्य सदस्य सक्रिय रूप से मौजूद रहे।

सड़क हादसे में तीन सगे भाइयों की गई जान

उन्नाव, अमृत विचार: कार्तिक पूर्णिमा पर बक्सर में गंगा स्नान कर चंद्रिका माता का दर्शन करने निकले एक बाइक सवार तीन सगे भाइयों की लोडर की टक्कर से मौत हो गई। हादसा बिहार थाना क्षेत्र के उन्नाव-लालगंज हाईवे मोड़ पर हुआ।

अरुण

सचिन

छोटू फाइल फोटो

बता दें कि मौरावां थानाक्षेत्र के अकोहरी गांव के बखतखेड़ा गांव निवासी अरुण कुमार (32) पुत्र स्व. रघुनाथ, छोटे भाइयों सचिन (26) व छोटू (22) के साथ एक बाइक से कार्तिक पूर्णिमा पर बारासगवर थानाक्षेत्र के बक्सर घाट पर स्नान कर चंद्रिका माता के दर्शन करने मंगलवार देररात घर से निकला था। साथ में अलग-अलग बाईकों से गांव व आसपास के अन्य लोग भी थे। रात करीब 12 बजे सभी बिहार-बक्सर मार्ग पर गढ़ी गांव के पास उन्नाव-लालगंज हाईवे मोड़ पर पहुंचे थे कि तभी खाद लादकर जा रहा तेज रफ्तार लोडर ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। इसमें अरुण की लगभग आधी गर्दन कट गई, वहीं सचिन व छोटू को भी सिर व चेहरे में गंभीर चोटें आ गईं। टक्कर के बाद अनियंत्रित लोडर सड़क किनारे खंती में जाकर पलट गया। तभी पीछे से आए पड़ोसी गांव लच्छीखेड़ा निवासी रोहित ने पीआरवी को जानकारी दी। बिहार एसओ राहुल सिंह ने तीनों को सुमेरपुर पीएचसी पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने सचिन व छोटू को मृत घोषित कर दिया। वहीं अरुण की गर्दन में गहरा जख्म व गंभीर हालत देख उसे जिला अस्पताल भेजा। जहां से उसे कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर किया गया। हैलट में भी अरुण की हालत में सुधार न हुआ तो डॉक्टर ने लखनऊ ले जाने की सलाह दी। लखनऊ ले जाते समय रास्ते में उसकी भी मौत हो गई। तीन सगे भाईयों की मौत की सूचना घर पहुंचते ही परिजन बेहाल हो गए। बड़े भाई अर्जुन ने बताया कि वह पांच भाई एक बहन थे। जिसमें सबसे बड़े अर्जुन, दुर्जन, बहन लक्ष्मी, अरुण, सचिन व छोटू थे। पिता की काफी पहले मौत हो गई थी। उनके पास एक बीघा जमीन थी। मां गंगावती ने खेतों व अर्जुन ने मजदूरी कर छोटे भाई बहनों की परवरिश की। अब सभी भाई ईंट-भट्ठों में ठेके पर काम करते थे। पांचों भाइयों की मेहनत से अब आर्थिक स्थित ठीक होने लगी थी। सीओ मधुपनाथ मिश्रा ने बताया कि लोडर की टक्कर से तीन भाईयों की मौत हुई है। शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपा गया है।

देव दीपावली: बड़े हनुमान मंदिर में हुआ दीप दान

उन्नाव, अमृत विचार: नगर के प्राचीन बड़े हनुमान मंदिर व शिव मंदिर में देव दीपावली पर गोपाल बाजपेई व राजेंद्र नाथ शुक्ला द्वारा दीप दान का आयोजन किया गया। जिसमें 1100 दीपों से मंदिर प्रांगण को सजाया गया व महारती के बाद प्रसाद बांटा गया। इसमें नर सेवा नारायण सेवा के संस्थापक व भाजपा नेता विमल द्विवेदी, शिवम बाजपेई, रवी बाजपेई, आचार्य कृष्णा तिवारी, सतोष मिश्रा, मुकुंद बाजपेई, दिलीप बाजपेई, राकेश राजपूत, दीपू मिश्रा, अभिषेक तिवारी, हिन्दू जागरण मंच के जिला संयोजक अजय त्रिवेदी, राकेश राजपूत आदि ने दीप दान किया।

11 हजार दीपों से जगमगाया बलखंडेश्वर मंदिर: परियर, अमृत विचार: देव दीवावली पर मंगलवार शाम बाबा बलखंडेश्वर मंदिर का भव्य श्रृंगार कर परिसर में श्रद्धालुओं ने 11 हजार दीप जलाकर आरती व पूजन किया। इसके बाद लोगों ने मंदिर परिसर में आतिशबाजी की। जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। डीजे पर देशभक्ति व भक्तिगीतों पर श्रद्धालु भी खूब थिरके। देव दीपावली पर मंगलवार शाम को बाबा बलखंडेश्वर मंदिर मे दीपोत्सव का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। जिसमें गांव क्षेत्र के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में दीपक जलाकर पूजा आरती करने के बाद आसमान में हो रही आतिशबाजी का आनंद लिया।

दीप दान के दौरान मौजूद लोग। अमृत विचार

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते सदर विधायक पंकज गुप्ता व अन्य। अमृत विचार

विजडम वॉरियर्स बनीं चैंपियन

उन्नाव, अमृत विचार : बंथर स्थित एवरेस्ट क्रिकेट मैदान में टीचर्स प्रीमियर लीग क्रिकेट स्पर्धा का फाइनल मुकाबला खेला गया जिसमें विजडम वॉरियर्स ने थंडर टाइटंस को हरा खिताब अपने नाम किया। फाइनल थंडर टाइटंस व विजडम वॉरियर्स के बीच हुआ। विजडम वॉरियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 161 रन का लक्ष्य रखा। पीछा करने उतरी थंडर टाइटंस की टीम शुरुआत में ही लड़खड़ा गई और 9 ओवर में 67 रन बनाकर ही मैच से बाहर हो गई। इस जीत के साथ ही बीईओ मनींद्र कुमार के नेतृत्व वाली विजडम वॉरियर्स टीम विजेता बन गई। पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार दिए गए। नवीन अवस्थी ने ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए मैन ऑफ़ द सीरीज का खिताब जीता। साथ ही, उन्होंने सर्वाधिक विकेट लेकर पर्पल कैप भी अपने नाम की। वहीं, सर्वाधिक रन बनाने का पुरस्कार अनवर अब्बास को मिला, जिन्हें ऑरेंज कैप से सम्मानित किया गया।

गुरुनानक देव का मनाया प्रकाश पर्व

उन्नाव, अमृत विचार: शहर के हाकिम टोला स्थित गुरुद्वारा में बुधवार को गुरुनानक देव जी का 556वां प्रकाश पर्व धूमधाम से मनाया गया। रागी जत्थों ने गुरुवाणी कीर्तन कर संगत को निहाल किया। इससे पहले मुख्य ग्रंथी ज्ञानी बलविंदर सिंह ने सात दिवसीय गुरुग्रंथ साहिब के पाठ का समापन किया। उन्होंने सभी गुरुनानक देव जी के बताए रास्ते पर चलने की बात कही। उन्होंने लोगों को हमेशा सत्य के मार्ग पर चलने का रास्ता दिखाया था। व्यक्ति को हमेशा विनम्र भाव से जीवन जीना चाहिए। बताया कि अहंकार मनुष्य का सबसे बड़ा दुश्मन है। इसके बाद कानपुर से आया रागी भाई भूपिंदर सिंह उन्नाव के शुभम सिंह ने कीर्तन के माध्यम से प्रकाश उत्सव पर गुरुद्वारा में शबद कीर्तन किया।

शबद-कीर्तन के बाद देर शाम तक चला लंगर: उन्नाव: शबद कीर्तन में प्रथम गुरु की महिमा का बखान किया गया। इसके बाद शुरू हुए लंगर में सभी ने एक साथ पंगत में बैठकर प्रसाद लिया और सेवा की। लंगर देरशाम तक चलता रहा। इस दौरान सदर विधायक पंकज गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, सांसद प्रतिनिधि अमितेश सिंह नन्दू, ललित, विवेक तिवारी, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि भानू मिश्रा, मनीष अग्रवाल, सुरेद्र वर्मा व सुमित गुप्ता आदि मौजूद रहे।

गुरुद्वारा में माथा टेकतीं महिलाएं। अमृत विचार

जिले के पहले शिक्षक स्काई डाइवर बने प्रत्यूष

उन्नाव, अमृत विचार : उन्नाव के मूल निवासी व कासगंज जिले में बेसिक शिक्षा विभाग में तैनात सहायक अध्यापक प्रत्यूष मिश्रा ने "स्काई हाई इंडिया" के संयोजन में 10 हजार फीट की ऊंचाई से सफल स्काई डाइविंग कर जिले को गौरवान्वित किया है। 5 नवंबर को नरनौल (हरियाणा) में उन्नाव जिले के मोती नगर निवासी व डीसीए महामंत्री पीके मिश्रा के पुत्र प्रत्यूष मिश्रा ने बेलारूस के यूहेनी के निर्देशन में छलांग लगाकर जिले के पहले शिक्षक स्काई डाइवर बनने का गौरव प्राप्त किया। प्रत्यूष ने बताया कि स्काई डाइविंग से पूर्व वे वैली ऑफ फ्लॉवर्स, हेमकुंड साहिब, खीरगंगा, गिदारा बुग्याल व हर की दून जैसे कठिन व ऊंचाई वाले ट्रैक सफलतापूर्वक पूरा कर चुके हैं। उनकी इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार, विद्यार्थियों व क्षेत्रवासियों ने हर्ष जताते हुए बधाई दी।

रील बनाते समय गंगा में गिरा किशोर, बचाया गया

शुक्लागंज, उन्नाव : कार्तिक पूर्णिमा स्नान ड्यूटी में तैनात पीएसी जवानों की तत्परता से बुधवार तड़के एक किशोर की जान बच गई। जानकारी के अनुसार, रात करीब 2:45 बजे नवीन गंगा पुल से एक युवक के नदी में कूदने की सूचना पर 32वीं वाहिनी पीएसी लखनऊ की टीम ने तत्काल रेस्क्यू अभियान चलाया। आरक्षी नारायण मौर्य के हमराह आरक्षी सुधीर कुमार राय, बबलू, मिथुन कुमार और पीयूष मिश्रा ने तत्परता दिखाते हुए किशोर को सकुशल नदी से बाहर निकाला। पूछताछ में युवक की पहचान मोहम्मद अयान (17) पुत्र मोहम्मद सफीक, निवासी बेगमगंज, कानपुर नगर के रूप में हुई। बताया गया कि वह दोस्तों के साथ पुल पर रील बना रहा था, तभी पैर फिसलने से नदी में गिर गया। रेस्क्यू के बाद पीएसी टीम ने युवक को सुरक्षित गंगाघाट पुलिस के सुपुर्द किया।

न्यूज ब्रीफ

विधायक ने किया गंगा आरती का आयोजन

बांगरमऊ, अमृत विचार : विधायक श्रीकांत कटियार ने नानामऊ गंगातट पर बीती मंगलवार शाम मां गंगा की आरती का सामूहिक आयोजन किया। सर्वप्रथम पवित्र गंगातट पर चौक पूरित की गई। फिर आचार्य रामदेव शास्त्री द्वारा वेद मंत्रोच्चार के साथ मां गंगा का पूजन-अर्चन कर आरती उतारी गई। सामूहिक आरती कार्यक्रम में विधायक की पत्नी विभा कटियार, नीरज गुप्ता, अंशुल कटियार, शुभम कटियार, जयपाल सिंह पटेल व ज्ञानेंद्र तिवारी आदि श्रद्धालु शामिल हुए।

सपा नेता ने लगाया भंडारा, उमड़े लोग

बांगरमऊ, अमृत विचार : सपा नेता इमरान सिद्दीकी ने कार्तिक पूर्णिमा पर नानामऊ गंगा मेले में स्नानार्थियों के लिए विशाल भंडारा आयोजित कर सामाजिक सौहार्द की अनूठी मिशाल पेश की। भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने पूड़ी सब्जी का प्रसाद ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि उनका भंडारा आयोजित करने का प्रमुख उद्देश्य समाज में गंगा-जमुनी तहज़ीब की परंपरा को आगे बढ़ाना है।

सुरक्षा को लेकर तैनात रहा पुलिस प्रशासन

बांगरमऊ, अमृत विचार : तहसील प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं को मूलभूत सुविधाएं दिलाने के लिए एक दर्जन राजस्व कर्मियों को तैनात किया गया। मेले में शांति व्यवस्था व सुरक्षा हेतु पुलिस प्रशासन द्वारा अस्थाई कोतवाली बनाई गई। जहां से राजस्व कर्मचारी, सीओ संतोष सिंह व प्रभारी निरीक्षक चंद्रकांत सिंह के नेतृत्व में पुलिस कर्मी शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए मेले में गस्त करते रहे। साथ ही सीएचसी अधीक्षक डॉ. मुकेश कुमार के नेतृत्व में मेले के दौरान चिकित्सा शिविर भी लगाया गया। इसमें सैकड़ों मरीजों को नि:शुल्क दवाएं दी गईं।

गंगा तट पर खिचड़ी मेला आज

शुक्लागंज, उन्नाव : कार्तिक पूर्णिमा के ठीक दूसरे दिन गंगातट पर नगर व आस पास के अलावा कानपुर के लोग अपने परिवारों के साथ सुबह सात बजे से ही गंगा तट पर गंगा स्नान करने के बाद परिवार के साथ गंगा की रेती में खिचड़ी पकाकर परिवार के साथ पिकनिक मनाते हैं। पिकनिक मनाने के लिये नगर व आस पास ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा उन्नाव कानपुर से लोग परिवार के साथ पहुंचते हैं और खिचड़ी पकाते हैं। जिसको लेकर गंगा रेती में भारी भीड़ रहती है। वहीं पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था के कड़े बंदोबस्त किये हैं।

महिला की मौत पर परिजनों का हंगामा

उन्नाव, अमृत विचार : पुरवा कोतवाली क्षेत्र के सोहनखेड़ा निवासी लक्ष्मी (38) को बीती मंगलवार देररात पेट दर्द व उल्टी की शिकायत पर परिजन जिला अस्पताल लाए थे। जहां इमरजेंसी वार्ड में भर्ती करने के बाद स्टाफ ने परिजनों को बाहर भेज दिया। पति सुरेंद्र का आरोप है कि इलाज के नाम पर कर्मचारियों ने पैसे मांगे और इंजेक्शन लगाने के बाद लक्ष्मी की हालत अचानक बिगड़ गई। उसने बताया कि बिना जांच के इंजेक्शन लगाया गया और जब उन्होंने आपत्ति जताई तो उन्हें वार्ड से बाहर कर दिया गया। कुछ देर बाद डॉक्टरों ने पत्नी की मौत की सूचना दी। परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगा हंगामा किया। पति सुरेंद्र ने स्वास्थ्य अफसरों से शिकायत करने की बात कही है। वहीं सीएमएस डॉ. राजीव गुप्ता ने बताया कि ऐसा कोई मामला नहीं है। न ही किसी ने उनसे शिकायत की है।

करंट की चपेट में आने से कारीगर की मौत

शुक्लागंज, उन्नाव : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के निहालखेड़ा गांव में बीती मंगलवार रात निर्माणाधीन मकान में मशीन से पत्थर की घिसाई कर रहा अधेड़ करंट की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, आजाद मार्ग स्थित कैलाश विहार निवासी ओमप्रकाश के निर्माणाधीन मकान में निहालखेड़ा निवासी रामदयाल (50) पत्थर की घिसाई कर रहा था। तभी मशीन में अचानक करंट उतर आया जिसकी चपेट में वह आ गया और वहीं गिर पड़ा। आवाज सुन पहुंचे साथियों ने उसे बचाने की कोशिश की लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी पर बुधवार सुबह जाजमऊ चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल कर शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक रामदयाल के परिवार में चार बच्चे हैं। सबसे बड़ा बेटा राज (21), दूसरा अमन (20), तीसरा आर्यन (16) और बेटी सानिया (17)। अचानक पिता की मौत से सभी बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है।

अमृत विचार

गुरुवार, 6 नवंबर 2025

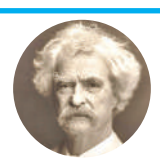

भले ही आप कपड़े पहनने में लापरवाह हैं, पर अपनी आत्मा को दुरुस्त रखिए।
—मार्क ट्वेन, अमेरिकी लेखक

रेलवे पर सवाल

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर की रेल दुर्घटना ने यह सवाल फिर से उठाया है कि भारतीय रेल की सुरक्षा-संरक्षा प्रणाली क्यों चूक रही है! जांच के प्रारंभिक संकेत मानव त्रुटि या सिग्नलिंग की खामी बता रहे हैं, पर असली दोषी का पता तब चलेगा जब ब्लैक बॉक्स, सिग्नल लॉग, ड्राइवर की ड्यूटी रिकॉर्ड, ट्रैक सर्किट और नियंत्रण-कक्ष के डेटा की बारीकी से तकनीकी जांच के बाद रेल सुरक्षा आयुक्त की रिपोर्ट आएगी। इससे तय होगा कि हादसे में मानवीय भूल का हाथ था या तकनीकी प्रणाली की विफलता। यदि रेलवे द्वारा आधुनिक तकनीक और उच्चस्तरीय सिग्नलिंग सिस्टम के दावे के बाद भी आमने-सामने की टक्कर हो रही है, तो बेशक हमारी सुरक्षा संस्कृति ही दोषपूर्ण है। रेलवे में सिग्नलिंग इंटरलॉकिंग की किंचित नाकामी ट्रेन को गलत ट्रैक पर भेज सकती है। सिग्नल सिस्टम में खामी का मतलब है कि ट्रैक सर्किट, इंटरलॉकिंग प्रणाली ने ठीक से काम नहीं किया। ये ठीक से काम करें, इसके लिए हार्डवेयर सुधार के साथ 'रियल टाइम रिमोट मॉनिटरिंग' जैसी व्यवस्थाएं लागू करना जरूरी हैं। हालांकि लोको पायलट की थकान, संचार की कमी या समय-संवेदनशील निर्णयों में विलंब से भी दुर्घटनाएं होती हैं। दोषी पाए जाने वाले कर्मचारियों पर विभागीय कार्रवाई का प्रावधान है। निलंबन, बर्खास्तगी, दंडात्मक अभियोजन तक, लेकिन सच्चाई यह है कि अधिकांश जांच रिपोर्टें बरसों-बरस फाइलों में पड़ी रहती हैं। रेल सुरक्षा आयुक्त की अनुशंसाओं पर कार्रवाई का प्रतिशत अत्यंत अल्प है। भारतीय रेलवे की ऑडिट रिपोर्टें बताती हैं कि बड़ी संख्या में दुर्घटनाओं में मानव-त्रुटि मुख्य कारण होने के बावजूद जवाबदेही तय करने की प्रक्रिया धीमी और बेहद अपारदर्शी है। इसीलिए दोषियों और कारणों की पहचान के बावजूद सुधार तत्परता से लागू नहीं होते।

हर बड़े हादसे के बाद उच्चस्तरीय समितियां बनती हैं, नई घोषणाएं होती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर बदलाव, सुधार की रफ्तार बेहद धीमी रहती है। रेल मंत्रालय ने वर्षों पहले एंटी कोलिजन डिवाइस 'कवच' लगाने की योजना बनाई थी, ताकी इस तरह आमने-सामने की टक्कर न हो। अब तक यह कुछ हजार किलोमीटर रूट और सीमित संख्या में लोकोमोटिव तक ही सीमित है। बजटीय सीमाएं, तकनीकी संगतता और विशाल नेटवर्क इसके विस्तार में बाधा हैं, किंतु जान-माल की सुरक्षा के आगे प्राथमिकता स्पष्ट होनी चाहिए। हर चालित ट्रेन में 'कवच' या इसी तरह की स्वचालित सुरक्षा प्रणाली अनिवार्य हो। रेलवे में गाड़ी का पटरी से उतरना, सिग्नल फेल होना, लोकोमोटिव फाल्ट छोटी दुर्घटनाएं रोज घटती हैं, पर ये मीडिया में नहीं आतीं। न इन पर प्रशासनिक दबाव बनता है। छोटी लापरवाहियों पर उपेक्षा की यही प्रवृत्ति आगे चल कर बड़े हादसे का रूप ले लेती है।

जरूरी है कि रेल मंत्रालय हर छोटे हादसे की रिपोर्टिंग और त्वरित विश्लेषण के बाद जिम्मेदारी तय करने की व्यवस्था विकसित करे। लालखदान की रेल त्रासदी चेतावनी है कि भारतीय रेल में तकनीकी निवेश के साथ मानव प्रबंधन, जवाबदेही और पारदर्शिता को समान महत्व दिया जाए। सुरक्षा सिर्फ उपकरणों से नहीं, प्रणालीगत ईमानदारी और सतर्कता से आती है।

प्रसंगवश

महज अतीत की धरोहर नहीं भविष्य की नींव हैं किताबें

समय के साथ हमारी पढ़ने की आदतें बदल रही हैं। एक दौर था, जब किताबें ही ज्ञान, कल्पना और चिंतन का मुख्य स्रोत थीं। अब वही भूमिका स्मार्टफोन, टैबलेट, गूगल और एआई उपकरणों ने ले ली है। सूचनाओं तक पहुंचना पहले से कहीं आसान हुआ है, पर इसी सुविधा ने गहराई से सोचने और समझने की क्षमता को चुनौती दी है। आज जब विद्यार्थी गूगल या एआई आधारित उपकरणों की मदद से तुरंत उत्तर प्राप्त कर लेते हैं, तब सवाल करना, विषय को गहराई से समझना और उस पर चिंतन करना पीछे छूटता जा रहा है। ज्ञान का सतही उपभोग गहन अध्ययन के महत्व को कमजोर कर सकता है।

आज का जीवन तेज और सूचना-भरा है। हर चीज अब तेज हो गई है। खबरें, मनोरंजन, सीखना और पढ़ना भी। डिजिटल माध्यमों ने शिक्षा और जानकारी दोनों को लोकतांत्रिक बना दिया है। अब कोई भी व्यक्ति, किसी भी समय, किसी भी विषय पर जानकारी प्राप्त कर सकता है। यह बदलाव हमारी जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। यूनेस्को और ओईसीडी के अध्ययन बताते हैं कि इंटरनेट ने ज्ञान के प्रसार को पहले से कहीं अधिक व्यापक बना दिया है।

डॉ. शिवम भारद्वाज

असिस्टेंट प्रोफेसर जीएलए यूनिवर्सिटी, मथुरा

फिर भी शोध दर्शाते हैं कि स्क्रीन पर पढ़ना और कागज पर पढ़ना दो अलग अनुभव हैं। स्क्रीन मस्तिष्क को 'तेज प्रोसेसिंग मोड' में रखती है, जहां उद्देश्य केवल जानकारी छांटना होता है, उसे आत्मसात करना नहीं। परिणामस्वरूप, पूरी जानकारी या तर्क की सूक्ष्म परतें याद नहीं रहतीं और एकाग्रता बार-बार टूटती है। यही वह बिंदु है, जहां किताबों की भूमिका और अहम हो जाती है। किताबें हमें धीमा करती हैं, ठहरना सिखाती हैं और अर्थ को आत्मसात करने का अभ्यास कराती हैं।

अधिकांश विद्यार्थी अब पूरा अध्याय या कहानी के बजाय केवल 'महत्वपूर्ण प्रश्न' या 'सारांश' पर निर्भर हो जाते हैं। संक्षिप्त नोट और पावरपॉइंट स्लाइडें परीक्षा के लिए सुविधाजनक हो सकती हैं, लेकिन सोचने और विश्लेषण करने की क्षमता को कमजोर करती हैं। गहन अध्ययन की जगह केवल जानकारी का उपभोग हावी हो जाता है। ज्ञान तब ही जीवित रहता है, जब उसे पढ़ने, समझने और तर्क करने की प्रक्रिया के साथ जोड़ा जाए। ऐसे में विद्यालयों में नियमित 'पठन सत्र' या पुस्तकालय सत्र भाषा कौशल, एकाग्रता और तर्कशक्ति बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

किताबें केवल सूचना नहीं देतीं, वे सोचने का तरीका सिखाती हैं। ये हमें गहराई से किसी और के दृष्टिकोण से दुनिया देखने की क्षमता देती हैं। शोध बताते हैं कि 'डीप लर्निंग' मस्तिष्क के उन हिस्सों को सक्रिय करता है जो सहानुभूति, स्मृति और आलोचनात्मक सोच से जुड़े हैं। किताबें हमारी कल्पना, विवेक और संवाद की क्षमता को बढ़ाती हैं और हमें भावनात्मक और बौद्धिक दोनों स्तरों पर विकसित करती हैं।

तकनीक और किताबों को विरोध में नहीं देखा जाना चाहिए। सही उपयोग से तकनीक किताबों तक पहुंच आसान बना सकती है। राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय, ई-पाठशाला और दीक्षा जैसे प्लेटफॉर्म लाखों पुस्तकों और शैक्षणिक संसाधनों को विद्यार्थियों तक पहुंचा रहे हैं। ई-पुस्तकें और श्रव्य पुस्तकें (ऑडियो बुक्स) पढ़ाई को कहीं भी, कभी भी संभव बना देती हैं। समस्या तब आती है जब तकनीक सोचने का विकल्प बन जाए। जब विद्यार्थी केवल एआई आधारित सारांश और गूगल से तुरंत उत्तर लेते हैं, तब ज्ञान सतही बन जाता है। तकनीक तभी सहायक है, जब वह जिज्ञासा और गहराई को बढ़ाए, न कि प्रतिस्थापित करे।

भारत के दोस्तों पर ना 'पाक' पड़ोसी की नजर

दिग्विजय सिंह

कानपुर

पाकिस्तान ने उत्तर कोरिया से नजदीकियां बढ़ानी शुरू की हैं। अमेरिका से दुश्मनी के बाद भी पाकिस्तान ने उत्तर कोरिया से राजनयिक रिश्ते स्थापित करने का फैसला किया है।

ऑपरेशन सिंदूर में मिली करारी हार से बौखलाया पाकिस्तान भारत को अब हर तरफ से घेरने की कोशिश कर रहा है। इसके लिए अपने मित्र राष्ट्रों के दुश्मन देशों से भी हाथ मिलाने को आतुर है। इसका ताजा उदाहरण उत्तर कोरिया है। भारत और उत्तर कोरिया के रिश्ते बहुत ही अच्छे हैं। 2018 में तत्कालीन विदेश मंत्री ने उत्तर कोरिया का दौरा किया था, हालांकि इस दौरे के बाद अमेरिका ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी, लेकिन भारत ने नजरअंदाज कर दिया था। अब पाकिस्तान उत्तर कोरिया से अपने राजनयिक रिश्ते बहाल करने जा रहा है। माना जा रहा है कि इस रिश्ते की बहाली के साथ ही दोनों देश गुपचुप तरीके से सैन्य समझौते भी कर सकते हैं।

बांग्लादेश का जन्म ही भारत के हाथों हुआ था। इस बात का एहसान बांग्लादेश के हुक्मरान मानते आए हैं। पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए दमन का दुख हर बांग्लादेशी नागरिक के मन में रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट के बाद, वहां पाकिस्तान का प्रभाव बढ़ा है। बांग्लादेश की राजनीति में पाकिस्तानी हस्तक्षेप की झलक साफ दिखती है। यहां तक कि पाकिस्तान के सैनिक बांग्लादेशी सैनिकों को प्रशिक्षित कर रहे हैं और अब कई बड़े सैन्य समझौते भी दोनों देशों के बीच होने जा रहे हैं। भारत के इस पड़ोसी देश में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की गतिविधियां बढ़ी हैं, जो भारत के लिए शुभ संकेत नहीं हैं, हालांकि भारत इसकी काट निकालने में जुटा हुआ है।

बांग्लादेश पर पाकिस्तानी प्रभाव का ही असर है कि आए दिन वहां के मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस भारत के विरुद्ध अनर्गल आरोप लगा रहे हैं। भारत के कई हिस्सों को बांग्लादेश का बताकर नया नक्शा भी जारी कर रहे हैं। बांग्लादेश में मिली सफलता के बाद पाकिस्तान ने आर्मेनिया को अपने पक्ष में करने की पुरजोर कोशिश की है। आर्मेनिया और अजरबैजान की दुश्मनी जग जाहिर है। अजरबैजान ने आर्मेनिया के कुछ भूभाग पर कब्जा भी कर रखा है। आर्मेनिया को जहां भारत हर मोर्चे पर समर्थन करता है, तो आर्मेनिया भी हर मंच पर भारत की बात को प्रमुखता से उठाता है। दोनों देशों के बीच न सिर्फ व्यापारिक रिश्ते मजबूत हैं, बल्कि रक्षा संबंध भी प्रगाढ़ हैं। यही वजह है कि अजरबैजान भारत को हर मंच पर नीचा दिखाने की कोशिश करता है।

पहलगाम हमले की निंदा जब पूरी दुनिया ने की थी, तब भी अजरबैजान पाकिस्तान के साथ खड़ा नजर आया था। आर्मेनिया ने भारत से बड़ा रक्षा सौदा करने की तैयारी की है। इससे अजरबैजान परेशान है। इन सबके बीच ही पाकिस्तान ने आर्मेनिया से रिश्ते सुधारने की कवायद शुरू की है। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध स्थापित होने जा रहे हैं। अब तक भारत से नजदीकी के कारण ही पाकिस्तान उसे मान्यता नहीं देता था, लेकिन शहबाज शरीफ के देश ने अब अपनी नीति बदल दी है। चीन में एससीओ समिट से इतर आर्मेनिया के विदेश मंत्री अरारत मिर्जोयान और पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार ने राजनयिक संबंध स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए थे। आर्मेनिया के इस कदम से रूस, तुर्की और ईरान की सीमा से लगे इस क्षेत्र में भारत के लिए समीकरण बदल सकते हैं, हालांकि पाकिस्तान के हर कदम पर भारत की नजर है।

भारत ने भी पाकिस्तान के दोस्त अजरबैजान से रिश्ते में गर्मजोशी लाने की नीति पर काम शुरू कर दिया है। इसका असर भी दिखने लगा है। बीते अक्टूबर में आयोजित हुई कॉन्फ्रेंस ऑन इंटरैक्शन एंड कॉन्फिडेंस बिल्डिंग मेजर्स इन एशिया की अध्यक्षता अजरबैजान ने की थी। भारत की कूटनीति का ही असर है कि अजरबैजान ने इसकी अध्यक्षता भारत को देने का प्रस्ताव रखा है। उसके इस प्रस्ताव से पाकिस्तान और चीन को झटका लगा है। भारत-अजरबैजान अपने व्यापारिक रिश्ते भी सुधारने में लगे हैं। इन सबके बीच ही पाकिस्तान ने अब उत्तर कोरिया वाला दांव चला है।

अमेरिका और उत्तर कोरिया के बीच दुश्मनी जग जाहिर है। उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन कई मौकों पर अमेरिका और साउथ कोरिया को धमकाते रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कई अवसर पर उन पर तल्ख टिप्पणी कर चुके हैं। उत्तर कोरिया की ताकत को दुनिया के लिए खतरा माना जाता है, लेकिन भारत इससे बहुत प्रभावित नहीं दिखता है, क्योंकि दोनों देशों के बीच दशकों पुराने संबंध हैं। भारत ने जुलाई 2021 में कोविड महामारी के कारण उत्तर कोरिया स्थित दूतावास को अस्थायी रूप से बंद कर दिया था, हालांकि 2024 में इसे बहाल कर दिया गया था।

अब पाकिस्तान ने उत्तर कोरिया से नजदीकियां बढ़ानी शुरू की हैं। अमेरिका से दुश्मनी के बाद भी पाकिस्तान ने उत्तर कोरिया से राजनयिक रिश्ते स्थापित करने का फैसला किया है। पाकिस्तान के इस फैसले पर दुनिया के कई देशों की नजर है। भारत लगातार उत्तर कोरिया और पाकिस्तान के बीच संदिग्ध परमाणु और मिसाइल रिश्ते पर अंगुली उठाता रहा है और कार्रवाई की मांग करता रहा है। कोरोना काल से बंद चल रहे पाकिस्तान के दूतावास को पुनः बहाल करने के उत्तर कोरिया के निर्णय से एशिया में परमाणु प्रसार के खतरे को लेकर चिंता बढ़ गई है। माना जाता है कि उत्तर कोरिया ने ही पाकिस्तान को मिसाइल की तकनीक दी थी और पाकिस्तान ने किम जोंग उन को परमाणु तकनीक उपलब्ध कराई थी।

2017 में अमेरिका ने भारत से उत्तर कोरिया के साथ अपने राजनयिक संपर्क कम करने को कहा था, तब तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने नकार दिया था। भारत, उत्तर कोरियाई राजनयिकों को प्रशिक्षण भी देता रहा है। साथ ही कई महत्वपूर्ण मौकों पर मदद भी की है।

आमने

मैं जो कह रहा हूं वह सौ फीसदी सच है। एक पूरे राज्य को चुरा लिया गया। सभी सर्वेक्षणों में हरियाणा में कांग्रेस की जीत की संभावना जताई गई थी, लेकिन नतीजे एकदम उलट आए। मैं जेन जी से कहना चाहता हूं कि देखिए कैसे आपके भविष्य की चोरी की जा रही है।

-राहुल गांधी, सांसद

लोकसभा में विपक्ष के नेता अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए प्रेस को संबोधित कर रहे हैं। बिहार में मतदान होना है, लेकिन वे हरियाणा के किस्से सुना रहे थे। कांग्रेस के पास बिहार में कुछ नहीं बचा है और इसीलिए ध्यान भटकाने के लिए वे हरियाणा का मुद्दा उठा रहे हैं।

-किरन रिजिजू, केंद्रीय मंत्री

सामने

कांग्रेस से बेहतर प्रदर्शन कर सकती है माले

यशोदा श्रीवास्तव

वरिष्ठ पत्रकार

भाकपा माले इंडिया गठबंधन का बड़ा साझेदार है। उसके 20 उम्मीदवार मैदान में हैं। ये भले ही कम सीटों पर लड़ते हैं, लेकिन जीतने का इनका स्ट्राइक रेट बढ़िया होता है।

बिहार के चुनावी गणित को देखें, तो यहां दो परिदृश्य गौर करने लायक हैं। एक तो यह कि यहां लोकसभा और विधानसभा चुनावों में वोटरों का रुझान बिल्कुल अलग है, खास तौर पर भाजपा के लिए। दूसरा यह कि बिहार में कम्युनिस्ट दलों का वर्चस्व अभी भी कायम है। पहले बिहार के लोकसभा व विधानसभा के चुनावी अंकगणित पर गौर करते हैं। 2004 के चुनावों से देखें, तो यह तस्वीर साफ नजर आती है कि लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव में वोटर का मूड भिन्न होता है। विधानसभा चुनाव में किसी भी अकेले दल को सत्ता की चाबी नहीं थमाती। वह क्षेत्रीय दलों को तरजीह तो देती है, लेकिन बहुमत से दूर रखती है।

वह चाहे जदयू हो या आरजेडी। 2004 में लोकसभा की मात्र पांच सीट जीतने वाली भाजपा 2005 के विधानसभा चुनाव में 37 सीट जीत लेती है। लोकसभा चुनाव के मुकाबले विधानसभा चुनाव में वोट प्रतिशत भी इनका बढ़ जाता है। 2009 में लोकसभा की 12 सीट जीतने वाली भाजपा को 2010 के विधानसभा चुनाव में 91 सीट पर सफलता मिलती है।

इसी तरह 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा जब 22 सीट जीतती है, तो 2015 के विधानसभा चुनाव में इसे मात्र 53 सीटों पर ही कामयाबी मिलती है। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 17 सीटें जीतती है, तो 2020 के विधानसभा चुनाव में उसे 74 सीटों पर सफलता मिलती है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 12 सीटों पर जीती थी। अब 2025 के इसी महीने में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में भाजपा के हिस्से में कितनी सीटें आती हैं, यह देखना है।

मैदान में यूं तो कई क्षेत्रीय दल भाग्य आजमा रहे हैं, लेकिन मुख्य मुकाबला एनडीए और इंडिया गठबंधन में ही है। सबसे दिलचस्प यह है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को खुद को महाराष्ट्र के एकनाथ शिंदे बनाए जाने का भय सता रहा है। ऐसे में उनके वोटर चिराग पासवान की पार्टी के साथ खेल न कर दें, यह आशंका भी बनी हुई है। नीतीश कुमार की यह आशंका और बलवती हुई होगी, जब प्रधानमंत्री मोदी ने इंडिया गठबंधन पर तंज कसते हुए कहा कि आरजेडी ने कांग्रेस के कनपटी पर कट्टा रखकर' तेजस्वी को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने को मजबूर किया है।

मोदी की इस टिप्पणी के बाद नीतीश कुमार और उनके समर्थक इस बात को लेकर भयभीत हैं कि इसका मतलब एनडीए में जो मोदी चाहेंगे वही होगा। अर्थात पर्ची वाला भी मुख्यमंत्री हो सकता है। वोटरों की चुप्पी के बीच चुनाव बाद किस गठबंधन को कितनी सीटें हासिल होती हैं, यह तो अहम है ही, लेकिन सरकार किसके नेतृत्व में बनती है, यह देखना बेहद दिलचस्प होगा।

बिहार विधानसभा चुनाव का जो दूसरा परिदृश्य है, वह भी कम दिलचस्प नहीं है। उत्तर भारत के प्रदेशों में कम्युनिस्ट दलों का लगभग खात्मा हो चुका है, लेकिन बिहार इससे अछूता है। 2020 के विधानसभा में इस दल के 12 विधायक थे। अभी जो चुनाव चल रहा है, उसमें भाकपा माले इंडिया गठबंधन का बड़ा साझेदार है। उसके 20 उम्मीदवार मैदान में हैं। ये भले ही कम सीटों पर लड़ते हैं, लेकिन जीतने का इनका स्ट्राइक रेट बढ़िया होता है। पिछले चुनाव में इस दल के दो-चार उम्मीदवार बहुत मामूली वोटों से हारे थे।

पिछले विधानसभा चुनाव में भाकपा माले की हारी हुई एक सीट भोरे भी है, जहां से इस बार जेएनयू छात्रसंघ के प्रेसिडेंट रहे 29 वर्षीय धनंजय को पार्टी ने उम्मीदवार बनाया है। भोरे विधानसभा क्षेत्र पश्चिमी बिहार के गोपालगंज जिले में स्थित है। बिहार का यह जिला यूपी के देवरिया और कुशीनगर से सटा हुआ है। गोपालगंज जिले का भोरे विधानसभा क्षेत्र कम्युनिस्टों का गढ़ माना जाता है। पिछले चुनाव में कम्युनिस्ट उम्मीदवार रहे जितेंद्र पासवान बिहार के डीजीपी रहे जदयू उम्मीदवार सुनील कुमार से 472 वोटों के मामूली अंतर से हारे थे। स्थानीय लोगों ने इस चुनाव परिणाम को संदिग्ध माना था।

इस बार फिर पार्टी ने जितेंद्र पासवान को उम्मीदवार बनाया था, लेकिन उन्हें नामांकन के दिन ही 2017 के एक पुराने मामले में गिरफ्तार कर लिया गया, लिहाजा वे नामांकन दाखिल नहीं कर पाए। जितेंद्र पासवान की गिरफ्तारी के बाद माकपा ने जेएनयू के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष धनंजय को उम्मीदवार बनाया है।

इधर, जितेंद्र पासवान की गिरफ्तारी को जदयू उम्मीदवार की हार के डर से प्रतिशोध की कार्रवाई करार दिया गया और इसके पीछे जेडीयू उम्मीदवार सुनील कुमार और नीतीश कुमार का हाथ माना गया। मात्र 472 वोटों से जीतने वाले पूर्व डीजीपी सुनील कुमार, नीतीश कुमार मंत्रिमंडल में शिक्षा मंत्री थे। यूपी सीमा से सटे बिहार के इस विधानसभा क्षेत्र का चुनाव बेहद दिलचस्प है, क्योंकि यहां जदयू उम्मीदवार सुनील कुमार जैसे धनबल के मुकाबले जनता मैदान में है।

रिटायर्ड आईपीएस सुनील कुमार 1987 बैच के आईपीएस हैं। 2020 में वे पहली बार जदयू के टिकट पर चुनाव लड़े और जीते। फिर बिहार के शिक्षा मंत्री बने। 1997 में यहां माले कार्यकर्ता उमेश पासवान की हत्या के बाद यह क्षेत्र कम्युनिस्टों का गढ़ बन गया। माले का स्ट्राइक रेट कांग्रेस से अच्छा हो, तो कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

सोशल फोरम

खत्म होते रिश्ते और बिखरते परिवार

पक्के सामाजिक मनुष्य रूपी जीवों की समझ और सोच बिल्कुल अनोखी होती है। इनकी उम्र बीत जाती है समाज की अच्छाई, रिश्तों की अच्छाई, शादी ब्याह की अच्छाई, बच्चों और रिश्तेदारों की अच्छाई ढूंढने में और उसका बखान करने में। कोई लड़का-लड़की अगर बिना शादी किए लिव इन रिलेशन में रह रहे होते हैं और उनके रिश्तों में कुछ गड़बड़ हो जाए, वो एक-दूसरे को मार दें या कुछ भी खून कत्ल हो जाए उनके बीच, तो ये पारिवारिक प्राणी कमेंट करने को टूट पड़ेंगे, "और रहो ऐसे रिश्तों में", "और असामाजिक संबंधों में रहो, ऐसा ही होगा"....। फलाना-धिमाका बोलते हैं ये, जबकि शादियों में रोज इतने खून-कत्ल होते हैं, जितने रोड एक्सीडेंट में भी नहीं होते। आप फैमिली कोर्ट में जा कर वहां के हालत देखिए कभी, जबरदस्त भीड़ होती है।

सिद्धार्थ ताबिश

लेखक

हजारों लोग परेशान कोर्ट के चक्कर लगाया करते हैं तलाक़ के लिए। लाखों केस पेंडिंग होते हैं। जिन मर्दों के ऊपर ये कोर्ट केस चल रहे होते हैं, उनकी नौकरी, घर, रुपया पैसा सब इसी में बर्बाद हो जाता है और वो कोर्ट के चक्कर लगा-लगा के अपनी आधी उम्र बिता देता है। फैमिली कोर्ट जा कर देखिए, भयावह दृश्य होता है। वो सब लिव इन वाले लोग नहीं हैं।

अनाथालयों में चले जाइए, देखिए कितने बच्चे, जो शादी नामक संस्था से पैदा हुए थे, किस तरह का जीवन जी रहे होते हैं। ये वो बच्चे होते हैं जो जाने कितने अरमान और जाने कितनों ने 'घर के चिराग' और 'वारिस' के लिए पैदा किए होते हैं। भीड़ है लावारिस बच्चों की इस दुनिया में। इन्हें अपना बच्चा ही मानव जाति के अस्तित्व को बचाने वाला एकमात्र मनुष्य दिखता है।

कभी वृद्धाश्रम जा कर देखिए, आपको शायद ही वहां कोई ऐसा बुजुर्ग मिले, जिसने 'एकल' जीवन चुना हो और उसने शादी न की हो। लगभग सभी आपको बाल-बच्चे, नाती-पोते वाले बुजुर्ग मिलेंगे। ये सारे अपने बच्चों द्वारा मार के भगाए गए बुजुर्ग होते हैं। वृद्धाश्रम का कॉन्सेप्ट ही घर से भगाए गए वृद्धों के लिए है, जहां कोई जाना नहीं पसंद करता है। आप जिस चीज को प्रेम कहते और बोलते हैं, वो सब सिर्फ 'आदत' होती है बस! केला-0सेब लेकर आपको अस्पताल में देखने आने वाले लोग वैसे ही होते हैं, जो आपकी शादी में आपके न्योते का लिफाफा देने पहुंचते हैं। इसमें कोई अच्छाई नहीं है, बस 'आदत' है ये!

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

नकली बादल से हल नहीं होती असली समस्या

जब भीषण चक्रवात मोंथा ने सारे देश को भिगो दिया था और बादल दिल्ली के आसपास ही मंडरा रहे थे, वायु प्रदूषण से हताश दिल्ली महानगर पर नकली बरसात करवा कर हवा साफ करवाने का प्रयास असफल ही रहा। याद करें डेढ़ महीने पहले ही राजस्थान में जयपुर के करीब बीते दो दशक से पूरी तरह सूखी जमवा रामगढ़ की झील को भरने के लिए कृत्रिम बारिश का प्रयोग एक तमाशे से अधिक नहीं रहा। वहां कई-कई बार ड्रोन उड़ाए और चार बार असफल रहने के बाद नाममात्र की बूंदें गिरीं, जिसने झील के तल को गीला तक नहीं किया।

पहले दिल्ली सरकार दीपावली के ठीक अगले दिन कृत्रिम बादल से पानी बरसाने की बात कर रही थी और यह होता, तो एसिड रैन या तेजाब की बारिश की बड़ी संभावना थी। कैसी विडंबना है कि समाज और सरकार दोनों के स्तर पर वायु प्रदूषण कम करने के कोई प्रयास होते नहीं दिखते, उलटे जब आतिशबाजी के धुएं से दम घुटने लगा, तो तकनीक के बदौलत एक छद्म प्रयास किया जा रहा है।

पंकज चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

दिवाली के एक हफ्ते बाद भी दिल्ली समग्र की कोई चार करोड़ जनसंख्या जिस वायु में सांस ले रही है, वह न केवल उनकी उम्र घटा रही है, बल्कि विभिन्न गंभीर बीमारियों के इलाज में खर्च भी बढ़ा रही है। सालों से चर्चा होती रही है कि इस शहर को गैस चेंबर बनाने में सड़कों पर जाम, अनियोजित निर्माण से उड़ती धूल का बड़ा हिस्सा है। निरंकुश आतिशबाजी ने इसमें रासायनिक जहर को और जोड़ दिया और इस तरह से हवा को दूषित करने को काबू करने का कोई निर्णायक उपाय नहीं हो रहे हैं। ऐसे में नकली बादलों का भ्रम एकबारगी आंकड़ों में भले हवा साफ दिखा दे, लेकिन हालात उससे भी बदतर होने की संभावना है।

जिस कृत्रिम बरसात का झांसा दिया जा रहा है, उसकी तकनीक को समझना जरूरी है। इसके लिए हवाई जहाज से सिल्वर-आयोडाइड और कई अन्य रासायनिक पदार्थों का छिड़काव किया जाता है, जिससे सूखी बर्फ के कण तैयार होते हैं। असल में सूखी बर्फ ठोस कार्बन डाइऑक्साइड ही होती है। सूखी बर्फ की खासियत होती है कि इसके पिघलने से पानी नहीं बनता और यह गैस के रूप में ही लुप्त हो जाती है। यदि परिवेश के बादलों में थोड़ी भी नमी होती है, तो यह सूखी बर्फ के कणों पर चिपक जाते हैं और इस तरह बादल का वजन बढ़ जाता है, जिससे बरसात हो जाती है ।

एक तो इस तरह की बरसात के लिए जरूरी है कि वायुमंडल में कम से कम 40 फीसदी नमी हो, फिर यह थोड़ी सी देर की बरसात ही होती है। इसके साथ यह खतरा बना रहता है कि वायुमंडल में कुछ ऊंचाई तक जमा स्मॉग और अन्य छोटे कण फिर धरती पर आ जाएं। साथ ही सिल्वर आयोडाइड, सूखी बर्फ के धरती पर गिरने से उसके संपर्क में आने वाले पेड़-पौधे, पक्षी और जीव ही नहीं, नदी-तालाब पर भी रासायनिक खतरा संभावित है। वैसे भी दिल्ली के आसपास जिस तरह सीएनजी वाहन अधिक हैं, वहां बरसात नए तरीके का संकट ला सकती हैं। चिंता की बात यह है कि आक्सॉइड ऑफ नाइट्रोजन गैस वातावरण में मौजूद पानी और ऑक्सीजन के साथ मिल कर तेजाबी बारिश कर सकती है।

यह वैश्विक रूप से प्रामाणिक तथ्य है कि नकली तरीके से बरसात करवाना कई बार बहुत भारी पड़ता है, फिर उस दिल्ली एनसीआर में, जहां कुछ मिनट की बरसात से सड़कों पर जाम लग जाता है, जो दिल्ली की हवा में सबसे अधिक जहर घोलता है। जाहिर है बरसात से जितना प्रदूषण कम नहीं होगा, उससे अधिक बरसात के कारण वाहनों के ठिठकने से उपजे धुएं से बढ़ेगा ही।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

अमृत विचार कैम्पस

बीमारियों की जांच के लिए अब न तो पैथोलॉजी लैब में लाइन लगाने की जरूरत होगी और न ही रिपोर्ट के लिए अगले दिन का इंतजार करना पड़ेगा। यह बड़ा बदलाव संभव होगा आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिकों की पहल से। दरअसल आईआईटी कानपुर ने एक ऐसी अत्याधुनिक पोर्टेबल डायग्नोस्टिक डिवाइस विकसित की है, जो हमारे रोजमर्रा के जीवन और स्वास्थ्य व्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने वाली साबित हो सकती है। यह छोटा-सा उपकरण किसी भी व्यक्ति के रक्त, मूत्र, पसीने और लार के सैंपल से न सिर्फ विभिन्न रोगों की जांच कर सकता है, बल्कि मिट्टी और पेय पदार्थों में मौजूद प्रदूषण की पहचान करके भी तत्काल रिपोर्ट उपलब्ध कराने में भी सक्षम है। इन्हीं विशेषताओं के कारण माना जा रहा है कि आईआईटी कानपुर की यह खोज भारत को सस्ती, तेज और सटीक जांच तकनीक के क्षेत्र में बड़ी पहचान दिला सकती है। 'जेब में लैब' जैसी यह डिवाइस आने वाले समय में स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों क्षेत्रों में नया अध्याय लिख सकती है।

- मनोज त्रिपाठी
वरिष्ठ पत्रकार

जेब में लैब

पलक झपकते बीमारियों की जांच

पोर्टेबल रीडआउट यूनिट फॉर केमिरसिस्टव सेंसर दिया नाम

आईआईटी कानपुर के बायो साइंस और बायो इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. संतोष कुमार मिश्र के निर्देशन में शोध छात्र अनिमेष कुमार सोनी तथा नेहा यादव द्वारा तैयार इस डिवाइस को पोर्टेबल रीडआउट यूनिट फार केमिरसिस्टव सेंसर नाम दिया गया है। इसके जरिए बॉयोलाजिकल और केमिकल दोनों तरह के मालिक्यूल की जांच की जा सकती है। डिवाइस का पेटेंट आवेदन स्वीकृत हो चुका है। अनिमेष के अनुसार कागज की चिप और डिवाइस सेंसर को अलग-अलग रसायनों की जांच के लिए विशेषीकृत किया गया है। हर जांच के लिए अलग-अलग डिवाइस और चिप का प्रयोग किया जाता है।

डिवाइस की सबसे बड़ी विशेषता

आईआईटी कानपुर द्वारा विकसित डायग्नोस्टिक डिवाइस की सबसे बड़ी विशेषता इसकी पोर्टेबिलिटी है। यानी यह एक 'जेब में समा जाने वाली लैब' जैसी है, जिसे लेकर किसी भी गांव, दूरस्थ इलाके या आपदा प्रभावित क्षेत्र में पहुंचा जा सकता है और वहां मौके पर जांच की जा सकती है। इस पोर्टेबल डिवाइस से जांच रिपोर्ट कुछ ही मिनटों में मोबाइल स्क्रीन पर मिल जाती है। ऐसे में माना जा रहा है कि यह डिवाइस ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के लिए वरदान साबित हो सकती है, जहां संसाधनों की कमी के कारण अक्सर रोग की पहचान में देरी होती है, जिसका नुकसान मरीजों को उठाना पड़ता है।

तीन हजार की डिवाइस और 20 रुपये की कागज चिप

तीन हजार रुपये में तैयार होने वाली इस डिवाइस से की जाने वाली जांच भी बेहद सस्ती है। जांच के लिए कागज से बनी चिप का प्रयोग किया जाता है, जिससे जांच परिणाम तुरंत मिल जाते हैं। जांच प्रक्रिया तत्काल पूरी किए जाने से रक्त, मूत्र या लार के नमूनों के दूषित या बिगड़ने का खतरा भी नहीं रहता है। इस डिवाइस को कोई भी डॉक्टर अपनी क्लीनिक पर रख सकता है। इसके लिए कागज पर कार्बन इलेक्ट्रोड चिप बनाई गई है, जिसकी लागत 15 से 20 रुपये है।

मलेरिया, डेंगू, टायफाइड की आसानी से जांच

आईआईटी कानपुर की शोध टीम के अनुसार यह डायग्नोस्टिक डिवाइस बायोसेन्सिंग तकनीक पर आधारित है। यानी यह शरीर के तरल पदार्थों में मौजूद बायोमार्कर्स की पहचान करके बीमारी का पता लगाती है। इसके चलते इसकी मदद से मलेरिया, डेंगू, टायफाइड जैसी संक्रामक बीमारियों के अलावा कई प्रकार के सूक्ष्म संक्रमण और प्रदूषक तत्वों की भी पहचान आसानी से और फटाफट की जा सकती है।

रिचार्जेबल डिवाइस का सोलर पैनल से भी संचालन

इस डिवाइस का इंटरफेस बेहद आसान है, इसके लिए किसी तकनीकी प्रशिक्षण की जरूरत नहीं पड़ती। बस सैंपल की एक बूंद डालते ही डिवाइस में लगे सेंसर सक्रिय हो जाते हैं और कुछ मिनटों में ही परिणाम उपलब्ध करा देते हैं। खास बात यह है कि यह डिवाइस रिचार्जेबल है और बिजली न होने की स्थिति में सोलर पैनल से भी संचालित की जा सकती है।

ग्रामीण भारत के लिए 'मेडिकल टेस्ट ऑन द स्पॉट'

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार आईआईटी कानपुर द्वारा विकसित पोर्टेबल डायग्नोस्टिक डिवाइस तकनीक से ग्रामीण भारत में रोग पहचान की प्रक्रिया में क्रांतिकारी सुधार होगा, जहां पहले जांच के लिए सैंपल शहर भेजे जाते थे, वहीं अब 'मेडिकल टेस्ट ऑन द स्पॉट' संभव होगा। यही नहीं, पर्यावरणविद् भी इस नवाचार को लेकर खासे उत्साहित हैं, क्योंकि यह मिट्टी, पानी और खाद्य पदार्थों में प्रदूषण का विश्लेषण करके, उन्हें सुरक्षित रखने का एक सस्ता और तेज साधन बन सकती है।

तकनीक हस्तांतरण का काम अंतिम चरण में

आईआईटी कानपुर के बायो साइंस और इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर संतोष कुमार मिश्र ने बताया कि पोर्टेबल रीडआउट यूनिट फॉर केमिरसिस्टव सेंसर के जांच परिणाम सटीक पाए गए हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र के अलावा इसकी मदद से खेतों की मिट्टी और पेय पदार्थों में मौजूद रसायनों की पहचान भी की जा सकती है। इससे दूध और शीतल पदार्थ की गुणवत्ता जांच भी संभव है। इस डिवाइस को बाजार में पहुंचाने के लिए तकनीक हस्तांतरण की दिशा में काम अंतिम चरण में है।

जॉब अलर्ट

पंजाब एंड सिंध बैंक

- पद का नाम: एमएसएमई रिलेशनशिप मैनेजर
- पदों की संख्या: 30
- योग्यता: स्नातक
- आयु सीमा: 25 से 33 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि: 26-11-2025
- आधिकारिक वेबसाइट: punjabandsind.bank.in

पंजाब नेशनल बैंक (PNB)

- पद का नाम: स्थानीय बैंक अधिकारी
- पदों की संख्या: 750
- वेतन मैट्रिक्स: रु. 48480-85920
- योग्यता: कोई भी स्नातक
- आयु सीमा: 20 से 30 वर्ष
- ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि: 23-11-2025
- आधिकारिक वेबसाइट: pnb.bank.in

प्रादेशिक सेना

- पद का नाम: सैनिक
- पदों की संख्या: 1529
- योग्यता: 12वीं, 10वीं, 8वीं
- आयु सीमा: 18 से 42 वर्ष
- आवेदन प्रारंभ तिथि: 15-11-2025
- आवेदन की अंतिम तिथि: 14-12-2025
- आधिकारिक वेबसाइट: regionalarmy.in

कैंपस में पहला दिन

'बड़े' होने की हुई शुरुआत

स्कूल से कॉलेज तक का सफर जैसे किसी बंद कमरे से खुली हवा में कदम रखना हो। स्कूल की ड्रेस, भारी बैग और रोज-रोज के होमवर्क से आजादी का एहसास अलग ही था। उस दिन सुबह जब आईने में खुद को देखा तो लगा- अब मैं बड़ा हो गया हूं। कॉलेज के पहले दिन दिल में उत्साह भी था और थोड़ी-सी घबराहट भी थी। नए माहौल, नए लोग और नए शिक्षक सब कुछ नया था। गेट पर खड़े होकर कुछ पल के लिए ठिठक गया, मानो कोई नया अध्याय शुरू होने से पहले दिल खुद को संभाल रहा हो। कैंपस में कदम रखते ही चारों ओर हंसी, बातें और परिचय का शोर। कोई अपने दोस्तों के साथ फोटो खिंचवा रहा था, तो कोई क्लास ढूंढने में व्यस्त। पहली क्लास में जब प्रोफेसर साहब ने 'वेलकम टू कॉलेज लाइफ' कहा, तो लगा जैसे किसी ने जिंदगी के अगले दरवाजे खोल दिए हों। यहां किताबों के साथ-साथ रिश्ते, अनुभव और आत्मविश्वास भी पढ़ना था। स्कूल की तरह सख्त अनुशासन नहीं, बल्कि सोचने और अपने विचार रखने की आजादी थी। ब्रेक के समय कैंटीन में समोसे और चाय के साथ नई दोस्ती की शुरुआत हुई। कुछ ही घंटों में अजनबी चेहरे अपनापन देने लगे। शाम को जब घर लौटा तो थकान नहीं, बल्कि चेहरे पर एक अलग-सी चमक थी। कुछ नया पाने की, कुछ बनने की। आज जब पीछे मुड़कर देखता हूं, तो एहसास होता है कि कॉलेज का पहला दिन ही असल में 'बड़े होने' की शुरुआत थी, जहां किताबों से ज्यादा जिंदगी सिखाई जाती है।

-शिव शंकर सोनी
शिक्षक, मवई, अयोध्या

नोटिस बोर्ड

- डॉ. अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी फॉर दिव्यांगजन (कानपुर) में पूर्व छात्र समागम आयोजित होगा। 8 नवंबर को होने वाले समारोह की तैयारियां संस्थान में चल रहीं है।
- नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत कौशल विकास व जीवन कौशल से संबंधित पाठ्यक्रमों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अंतर्गत नैसकॉम से स्किल प्रशिक्षण के लिए आगामी 12 नवंबर (बुधवार) को एमबीपीजी कॉलेज (हल्द्वानी) में कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।
- एचडीएफसी बैंक और संभव फाउंडेशन के सीएसआर कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए सेल्स एग्जीक्यूटिव, रिटेल एग्जीक्यूटिव, होटल मैनेजमेंट ऑपरेशन्स आदि क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए एमबीपीजी कॉलेज (हल्द्वानी) के करियर काउंसलिंग सेल की ओर से 14 नवंबर को एकदिवसीय प्रशिक्षणात्मक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

यूजीसी नेट: बेहतरीन करियर अवसरों की चाबी

यूजीसी नेट एक राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित परीक्षा है, जिसे पास करने के बाद उम्मीदवारों के लिए करियर के अनेक द्वार खुल जाते हैं। खासतौर पर उन युवाओं के लिए यह परीक्षा बेहद महत्वपूर्ण है, जो शिक्षा और शोध के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं। इस परीक्षा को सफलतापूर्वक पास करने के बाद आप उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं और एक सम्मानजनक करियर की शुरुआत कर सकते हैं। *- फीचर डेस्क*

असिस्टेंट प्रोफेसर बनने का मौका

यूजीसी नेट पास करने के बाद उम्मीदवार देश के किसी भी कॉलेज या विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में नियुक्त हो सकते हैं। सरकारी कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर की शुरुआती वेतनमान लगभग 57,700 रुपये प्रतिमाह होता है। इसके अलावा विभिन्न भत्ते भी मिलते हैं, जिसके चलते कुल वेतन 75,000 रुपये से लेकर 1 लाख रुपये प्रतिमाह तक पहुंच जाता है। उच्च शिक्षा में अध्यापन को भारत में अत्यंत सम्मानजनक पेशा माना जाता है।

रिसर्च संस्थानों में उज्ज्वल भविष्य

CSIR, ICAR, DRDO, ICMR जैसे देश के नामी शोध संस्थानों में भी NET या JRF धारकों को रिसर्च में काम करने का मौका मिलता है। यहां शुरुआती सैलरी लगभग 50,000 रुपये प्रतिमाह होती है। रिसर्च का क्षेत्र उन छात्रों के लिए आदर्श है, जो नए ज्ञान की खोज और नवाचार करना चाहते हैं।

टॉप कंपनियों में भी मिलता है अवसर

यूजीसी नेट स्कोर के आधार पर उम्मीदवारों को कई प्रतिष्ठित सरकारी

कंपनियों में नौकरी पाने का अवसर भी मिलता है। इनमें ONGC, NTPC, BHEL, IOCL जैसी कंपनियां शामिल हैं। यहां HR, मार्केटिंग, फाइनेंस और रिसर्च विभागों में जॉब मिल सकती है। इन पदों पर शुरुआती सैलरी 50,000 रुपये से शुरू होती है, जो अनुभव के साथ 1.5 लाख रुपये प्रतिमाह तक पहुंच सकती है।

प्रमोशन और नेतृत्व का अवसर

असिस्टेंट प्रोफेसर से शुरुआत करने वाले उम्मीदवार समय के साथ प्रमोशन पाकर एसोसिएट प्रोफेसर, प्रोफेसर और आगे चलकर डीन या वाइस चांसलर जैसे पदों तक पहुंच सकते हैं। यह एक ऐसा करियर है, जिसमें न केवल वेतन और लाभ बढ़ते हैं, बल्कि सम्मान और प्रतिष्ठा भी निरंतर बढ़ती जाती है।

JRF के साथ रिसर्च में शानदार शुरुआत

यदि उम्मीदवार यूजीसी नेट के साथ जेनरल रिसर्च फैलोशिप (JRF) भी क्वालिफाई कर लेते हैं, तो उन्हें रिसर्च फील्ड में जाने का सुनहरा अवसर मिलता है। JRF के तहत रिसर्च करने वाले छात्रों को आकर्षक स्टाइपेंड भी प्रदान किया जाता है। पहले दो वर्षों में 37,000 रुपये प्रतिमाह और इसके बाद 42,000 रुपये प्रतिमाह तक स्टाइपेंड मिलता है। इसके साथ ही पीएचडी करने का अवसर भी स्वत: प्राप्त हो जाता है।

सौर विनिर्माण क्षमता 125 गीगावाट पार कर जाने की उम्मीद

नई दिल्ली। देश में सौर मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता 2025 तक 125 गीगावाट को पार कर जाने की उम्मीद है। यह 40 गीगावाट की घरेलू मांग से तीन गुना से भी अधिक है। वैश्विक शोध और परामर्श कंपनी वुड मैकेंजी ने यह बात कही है। यह वृद्धि सरकार की उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का नतीजा है, जिसने विनिर्माण के तेजी से बढ़ाने में मदद की है। हालांकि, उद्योग को अब अत्यधिक क्षमता के जोखिम का सामना करना पड़ रहा है।

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार, 6 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

अमेजन इंडिया ने गोदाम शुल्क 11% बढ़ाया

नई दिल्ली। अमेजन इंडिया ने अपने गोदाम भंडारण शुल्क को 11% बढ़ाकर 50 रुपये प्रति घन सेंटीमीटर प्रति माह कर दिया है। यह शुल्क 15 नवंबर, 2025 से प्रभावी होगा। कंपनी ने उच्च परिचालन लागत का हवाला देते हुए यह कदम उठाया है। इस साल की शुरुआत में अमेजन इंडिया ने 135 श्रेणियों में 1.2 करोड़ से ज्यादा कम-मूल्य वाली वस्तुओं (300 रुपये तक) के लिए रेफरल शुल्क हटाया था। साथ ही, 300 से 500 रुपये कीमत वाली वस्तुओं पर शुल्क 1% या उससे कम कर दिया था। फैशन और छोटे उपकरणों जैसी उच्च मूल्य श्रेणियों में 7% तक की कटौती लागू की गई है। अमेजन ने कहा कि 2025 में उसकी कुल शुल्क वृद्धि दर में काफी कमी आई है, लेकिन कई विक्रेताओं ने बढ़ती लागत और बार-बार होने वाले संशोधनों पर चिंता व्यक्त की।

ऋण मांग में 27% की वृद्धि : बजाज फिनसर्व

नई दिल्ली। बजाज फिनसर्व की इकाई बजाज फाइनेंस ने त्योहारों के दौरान रिकॉर्ड संख्या में उपभोक्ता ऋण वितरित की जानकारी दी। मात्रा के हिसाब से 27% और मूल्य के हिसाब से 29% की वृद्धि दर्ज की गई। बजाज फाइनेंस ने कहा कि यह सरकार के जीएसटी सुधारों और व्यक्तिगत आयकर में बदलावों के परिणाम को दर्शाता है, जिसका उद्देश्य उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति बढ़ाना है। बजाज फाइनेंस ने 22 सितंबर से 26 अक्टूबर तक 63 लाख ऋण बांटे हैं। इस अवधि में कंपनी ने 23 लाख नए ग्राहक हासिल किए, जिनमें से 52% नए ऋण लेने वाले थे। इस प्रकार वित्तीय समावेशन को महत्वपूर्ण रूप से आगे बढ़ाया।

टेस्ला ने शरद को बनाया भारत प्रमुख

नई दिल्ली। अमेरिका की इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला ने लैम्बॉर्गिनी इंडिया के पूर्व प्रमुख शरद अग्रवाल को अपने भारतीय परिचालन का नेतृत्व करने के लिए नियुक्त किया है। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब कंपनी भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति मजबूत करने पर विचार कर रही है। टेस्ला ने जुलाई में मुंबई में अपना पहला अनुभव केंद्र खोला और अगस्त में दिल्ली के एरोसिटी में दूसरा केंद्र खोला। जुलाई में मॉडल वाई पेश करने के बाद कंपनी ने इसकी आपूर्ति शुरू कर दी है।

एफटीए में डेयरी, एमएसएमई के हितों पर ध्यान : गोयल

केंद्रीय उद्योग मंत्री बोले- भारत और न्यूजीलैंड के बीच प्रस्तावित वार्ता में हुई है उल्लेखनीय प्रगति

- चार दिन की आधिकारिक यात्रा पर वेलिंगटन गए हैं केंद्रीय मंत्री

ऑकलैंड, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि भारत अपने मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में डेयरी और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के हितों की लगातार सुरक्षा करता है। गोयल ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच प्रस्तावित एफटीए पर जारी वार्ता में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इस समय दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी चौथे दौर की बातचीत कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, भारत कभी भी डेयरी, किसानों और एमएसएमई के हितों से समझौता नहीं करता है। हम हमेशा इन संवेदनशील क्षेत्रों के हितों की सुरक्षा करते हैं। न्यूजीलैंड विश्व का प्रमुख डेयरी उत्पादक देश है, और ऐसे में इस क्षेत्र में बाजार पहुंच बढ़ाने की उसकी मांग को लेकर भारत की स्थिति महत्वपूर्ण मानी जा रही है। न्यूजीलैंड की चार दिन की आधिकारिक यात्रा पर वेलिंगटन पहुंचे गोयल ने कहा कि दोनों देशों ने व्यापार समझौते में एक-दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान करने पर सहमति जताई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत ने अब तक किसी भी व्यापार समझौते में डेयरी या कृषि क्षेत्र में साझेदार देश को शुल्क रियायत नहीं दी है।

उन्होंने कहा, हम ऐसे मुद्दों को नहीं छूते हैं। हम एक-दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान करते हैं। वार्ता के अगले चरणों को लेकर वाणिज्य मंत्री ने कहा, हो सकता है कि हमें बहुत अधिक चरणों की जरूरत न पड़े। इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति पहले ही हो चुकी है। व्यापार समझौते की दिशा में ठोस चर्चा चल रही है। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया कि भारत कृषि प्रौद्योगिकी, खासकर डेयरी मशीनरी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के अवसर देख सकता है। एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई कर रहे गोयल ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच रक्षा, कृषि, अंतरिक्ष, शिक्षा और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में सहयोग की बड़ी संभावनाएं हैं।

ऑकलैंड में भारत-न्यूजीलैंड बिजनेस फोरम के दौरान अपने समकक्ष टॉड मैक्ले के साथ केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल व अन्य अधिकारी।

समझौते के लिए भारत-अमेरिका कर रहे चर्चा

पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए लगातार चर्चा जारी है। बातचीत अच्छी चल रही है और लगातार जारी है, कई संवेदनाशील मुद्दे हैं, कई गंभीर मुद्दे हैं तो स्वाभाविक है कि थोड़ा समय लगेगा। अमेरिका और भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए अब तक पांच दौर की वार्ता पूरी हो चुकी है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में भारतीय अधिकारियों का दल गत माह अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ व्यापार वार्ता करने के लिए वॉशिंगटन गया था। तीन दिवसीय वार्ता 17 अक्टूबर को समाप्त हुई। फरवरी में भारत-अमेरिका के नेताओं ने अधिकारियों को द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत का निर्देश दिया था। उन्होंने पहले चरण को 2025 की शरद ऋतु तक पूरा करने की समय सीमा तय की है। ये विचार-विमर्श महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ट्रंप प्रशासन द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50% का शुल्क लगाने के बाद से दोनों देशों के बीच संबंध काफी तनावपूर्ण हो गए हैं।

बैंकों का लाभ 9% बढ़कर 49,456 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

- एसबीआई को छोड़कर सभी 12 बैंकों ने सितंबर तिमाही में 45,547 करोड़ रुपये कमाए

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की अगुवाई में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सामूहिक रूप से रिकॉर्ड 49,456 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है। यह दो बैंकों द्वारा लाभ में गिरावट दर्ज किए जाने के बावजूद सालाना आधार पर 9% की वृद्धि को दर्शाता है। सभी 12 बैंकों (पीएसबी) ने मिलकर वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई- सितंबर तिमाही में 45,547 करोड़ रुपये का लाभ कमाया था।

शेयर बाजारों के अनुसार, एसबीआई ने 49,456 करोड़ की कमाई में 40% का योगदान दिया। एसबीआई ने 2025-26 की दूसरी तिमाही में 20,160 करोड़ का लाभ दर्ज किया, जो गत वर्ष की समान अवधि की तुलना में 10% अधिक है। चेन्नई स्थित इंडियन ओवरसीज बैंक ने 58% की वृद्धि दर्ज की और 1,226 करोड़ का लाभ कमाया। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने 33% की वृद्धि के साथ 1,213 करोड़ कमाया। बैंक ऑफ बड़ौदा और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को छोड़कर अन्य बैंक लाभ में रहे। बैंक ऑफ बड़ौदा का लाभ 8% घटकर 4,809 करोड़ रुपये रह गया। वहीं यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का लाभ 10% घटकर 4,249 करोड़ रुपये रह गया। बैंक ऑफ महाराष्ट्र और पंजाब एंड सिंध बैंक ने 23% और केनरा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक और इंडियन बैंक ने क्रमशः 19, 14 और 12% की वृद्धि दर्ज की।

नवंबर से घट सकता है रूसी तेल का आयात

नई दिल्ली, एजेंसी

- रूस की दो प्रमुख तेल कंपनियों पर 21 नवंबर से लागू होने वाले नए अमेरिकी प्रतिबंधों को लेकर भारत ले सकता है निर्णय

भारत नवंबर के अंत से रूसी कच्चे तेल की सीधी खरीद में कटौती करने जा रहा है। यह कदम रूस की दो प्रमुख तेल कंपनियों पर 21 नवंबर से लागू होने वाले नए अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद उठाया जा रहा है। विश्लेषकों ने यह संभावना जताई है।

विश्लेषकों ने कहा कि देश के कुल रूसी तेल आयात में आधे से अधिक हिस्सा रखने वाली भारतीय रिफाइनरी इकाइयां नए अमेरिकी प्रतिबंधों के अनुपालन में रूसी तेल की प्रत्यक्ष खरीद में कटौती कर सकती हैं। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल), मंगलौर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) और एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड (एचएमईएल) शामिल हैं। अमेरिका ने रूसी पेट्रोलियम कंपनियों-रोसनेफ्ट और ल्यूकऑयल पर 21 नवंबर से कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। इसके तहत इन कंपनियों की सभी अमेरिकी संपत्तियों और वित्तीय लेनदेन पर रोक लगा दी गई है।

इसके अलावा अन्य देशों की संस्थाएं भी अगर इनके साथ बड़े लेनदेन करती हैं तो उन पर भी द्वितीयक प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। रिलायंस का रोसनेफ्ट के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौता है, जबकि एमआरपीएल और एचएमईएल ने भी रूसी तेल की भविष्य की खेप स्थगित करने की घोषणा की है। वर्ष 2025 की पहली छमाही में भारत ने रूस से कुल 18 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का आयात किया जिसमें इन कंपनियों की आधे से अधिक हिस्सेदारी है। हालांकि, रोसनेफ्ट की आंशिक हिस्सेदारी वाली नायरा एनर्जी की वडिनार रिफाइनरी (गुजरात) अपने मौजूदा रूसी तेल खरीद तरीके को बनाए रखेगी। यह रिफाइनरी पहले से यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के दायरे में है और रूसी कच्चे तेल पर निर्भर है। नौवहन सूचना फर्म 'केप्लर' के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा, रूसी कच्चे तेल की खेपों में गिरावट दिखेगी।

भारत के लिए व्यापक स्वर्ण नीति अपनाने का समय

नई दिल्ली, एजेंसी

एसबीआई ने जारी की एजः द ग्रेट ग्लोबल गोल्ड रश नामक रिपोर्ट

सोने की कीमतों के नई ऊंचाइयों पर पहुंचने के बीच इसके लिए एक व्यापक नीति की जरुरत है क्योंकि भारत दुनिया के सबसे बड़े सर्राफा बाजारों में से एक है जो पीली धातु के प्रति सांस्कृतिक लगाव व निवेश मांग से प्रभावित है। बुधवार को जारी एक अध्ययन में यह बात कही गई।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के आर्थिक अनुसंधान विभाग द्वारा जारी 'कमिंग ऑफ (ए टर्बुलेंट) एजः द ग्रेट ग्लोबल गोल्ड रश' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया कि भू-राजनीतिक तनाव, आर्थिक अनिश्चितता व कमजोर अमेरिकी डॉलर के कारण सोने की कीमत नई ऊंचाइयों पर पहुंच रही है। 2025 में अब तक की कीमतों में 50% से अधिक की वृद्धि हुई है। अक्टूबर में कुछ दिन के लिए कीमतें 4,000 डॉलर प्रति औंस से नीचे आ गईं, लेकिन नवंबर में फिर से 4,000 डॉलर प्रति औंस से पार चली गईं। सोने की घरेलू आपूर्ति भारत में कुल सोने की आपूर्ति का एक अंश है। विश्व स्वर्ण परिषद के अनुसार, 2024 में कुल आपूर्ति में आयात का योगदान 86% होगा। भारत सबसे बड़े स्वर्ण बाजारों में से एक है जो सोने के प्रति सांस्कृतिक आकर्षण, निवेश की मांग और मुद्रास्फीति से बचाव तथा सुरक्षित निवेश सहित अन्य आर्थिक कारकों से प्रभावित है।

भारत में सोने की कुल उपभोक्ता मांग 2024 में बढ़कर 802.8 टन हो गई जो वैश्विक स्वर्ण मांग का 26% है। इससे भारत, चीन के बाद दूसरे स्थान पर आ गया। चीन की उपभोक्ता मांग 815.4 टन थी। अध्ययन अनुसार चीन की सोने पर राष्ट्रीय नीति है, जिसका एक विशिष्ट उद्देश्य है। यह अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य में सोने के व्यापार, भंडारण, मूल्यांकन और उपयोग के तरीके को नया रूप देने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण रखता है। यह कई आर्थिक एवं भू-राजनीतिक प्राथमिकताओं को साथ संबोधित करने के लिए समन्वित दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है। अमेरिका और जर्मनी जैसे देश कुल भंडार का 77% से अधिक सोने के रूप में रखते हैं।

डीएलसी के लिए लगेगा शिविर

एसबीआई ने पेंशनभोगियों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (डीएलसी) के लिए शिविर का आयोजन किया, जिसमें 500 प्रमाण पत्र जारी किए गए। इसका उद्घाटन राज्यमंत्री (कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन) जितेंद्र सिंह ने किया। इस मौके पर पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग के सचिव वी श्रीनिवास, एसबीआई के डीएमडी (लेनदेन बैंकिंग और नई पहल) शमशेर सिंह और एसबीआई के सीजीएम (सरकारी व्यापार सेवा और समाधान इकाई) अमृतेश मोहन उपस्थिति थे।

राष्ट्रीय

रक्षा बलों में आरक्षण की मांग कर राहुल फैलाना चाहते हैं अराजकता : राजनाथ

रक्षा मंत्री बोले- कांग्रेस नेता के पास तालाब में कूदने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा

बांका/जमुई/गयाजी, एजेंसी

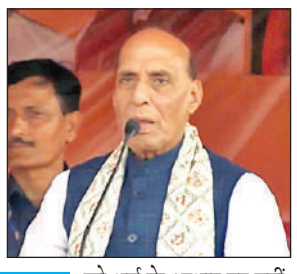

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को आरोप लगाया कि राहुल गांधी रक्षा बलों में आरक्षण की मांग कर देश में अराजकता फैलाना चाहते हैं। सिंह ने बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता के पास अब तालाब में कूदने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने हाल में कांग्रेस नेता के चुनावी अभियान के दौरान मछली पकड़ने की कोशिश पर तंज कसा। रक्षा मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी बिना किसी आधार के निर्वाचन आयोग जैसे संवैधानिक संस्थानों पर निशाना साध रहे हैं।

बिहार संग्राम

बिहार के जमुई जिले में जनसभा में सिंह ने कहा, राहुल को क्या हो गया है? वे रक्षा बलों में आरक्षण की बात उठा रहे हैं। वे देश में अराजकता फैलाना चाहते हैं। हमारे सशस्त्र बल इन सब चीजों से ऊपर हैं। भारत के सैनिकों का केवल एक धर्म है- 'सैन्य धर्म'। भाजपा आरक्षण के पक्ष में है। हमने गरीबों और समाज के पात्र वर्गों को आरक्षण दिया है। राहुल गांधी ने मंगलवार को दावा किया था कि निजी क्षेत्र, न्यायपालिका, नौकरशाही और सशस्त्र बलों में पिछड़ी जातियों, आदिवासी और अल्पसंख्यकों का बहुत कम प्रतिनिधित्व है, जबकि 10% आबादी इन पर नियंत्रण रखती है।

सिंह ने कहा कि राहुल गांधी को यह समझना चाहिए कि देश चलाना बच्चों का खेल नहीं है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा, ऑपरेशन सिंदूर को रोका गया है, खत्म नहीं किया गया। अगर आतंकवादी भारत पर फिर हमला करने की कोशिश करेंगे तो उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। हमारे सैनिकों ने आतंकियों को धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि उनके कर्मों के आधार पर मारा। भारतीय सेना ने आतंकियों के ठिकानों को नष्ट किया... मैं मारे गए आतंकियों की संख्या नहीं बताना चाहता, पर यह तीन अंकों से कहीं अधिक है। भारत को कोई उकसाने की कोशिश करता है तो उसे बख्शा नहीं जाएगा।

चारा खाया, अब गरीबों का राशन खाएगा राजद : योगी

गया। भाजपा के स्टार प्रचारक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोगों ने पहले पशुओं का चारा खाया और अब अगर सत्ता में आए तो गरीबों का राशन खाने की फिराक में है। उन्होने कहा कि 2005 के पहले बिहार में अपराध, जातीय संघर्ष, माओवाद, नक्सलवाद था। यूपी-बिहार के नाम पर देश-दुनिया में सम्मान नहीं मिलता था। बिहार में लालू प्रसाद यादव के शासन में 60 से अधिक जातीय नरसंहार, 30 हजार से अधिक अपहरण हुए। व्यापारी, डॉक्टर, इंजीनियर, संभ्रांत व्यक्ति सुरक्षित नहीं थे। बिहार के 30-40 प्रतिशत लोगों गोरखपुर व वाराणसी में है, क्योंकि उस समय जंगलराज था, लेकिन नीतीश के नेतृत्व में 20 वर्ष में सुशासन की सुदृढ़ नींव रखी गई। बिहार में रोड, रेल, एयर कनेक्टिविटी के साथ अब वाटरवे की कनेक्टिविटी बिहार से होते हुए यूपी को जोड़ रही है। किसानों के उत्पाद हों या बिहार का मखाना, जल मार्ग से दुनिया के बाजारों में पहुंचाया जा रहा है।

पहले व दूसरे चरण के 27% प्रत्याशियों पर गंभीर आपराधिक मामले

पटना। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ताज़ा रिपोर्ट के मुताबिक, बिहार चुनाव के पहले और दूसरे चरण के 2,600 उम्मीदवारों में से 697 (27%) पर गंभीर आपराधिक मामले हैं। यह आंकड़ा 2020 के चुनाव की तुलना में अधिक है, जब 25% उम्मीदवारों ने इसकी घोषणा की थी। इस बार उम्मीदवारों की संख्या भले ही कम हो, लेकिन दागी चेहरों का प्रतिशत बढ़ा है। एडीआर के अनुसार, सीपीएम के 4 में से 4 उम्मीदवार, सीपीआई के 9 में से 6, सीपीआई (एमएल) के 20 में से 13, कांग्रेस के 60 में से 32, लोजपा (रामविलास) के 28 में से 14, आरजेडी के 140 में से 69, भाजपा के 101 में से 49, जन सुराज पार्टी के 231 में से 100, जदयू के 101 में से 26, आप के 83 में से 21 और बीएसपी के 180 में से 28 उम्मीदवार के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि हर पार्टी ने आपराधिक छवि वाले उम्मीदवारों को टिकट दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, 94 उम्मीदवारों ने अपने ऊपर महिलाओं पर अत्याचार से जुड़े मामले घोषित किये हैं, जिनमें 5 पर दुष्कर्म का आरोप हैं। वहीं 52 ने हत्या और 165 ने हत्या के प्रयास के मामले घोषित किये हैं।

राजग वोट चोरी से सरकार बनाना चाहता है : प्रियंका

बेतिया। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बिहार में वोट चोरी से सरकार बनाना चाहता है। उन्होंने दावा किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत 65 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं हैं। प. चंपारण जिले के वाल्मीकि नगर और चनपटिया की जनसभाओं में प्रियंका ने कहा कि राजग जानता है कि जनता उससे ऊब चुकी है, इसलिए वह वोट चोरी में लिप्त है। आज देश में हालात ऐसे हैं, जैसे अंग्रेजों के शासनकाल में हुआ करते थे, मुझे संदेह है कि भविष्य में इस देश में चुनाव भी होंगे या नहीं। प्रियंका ने कहा कि राजग सब कुछ बर्बाद कर देगा, यह भी साफ नहीं है कि आगे चुनाव होंगे या नहीं, आप चुप क्यों हैं? इन्हें सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाइए।

मतदान से पहले जनसुराज का उम्मीदवार भाजपा में

मुंगेर। प्रथम चरण के मतदान से पहले जनसुराज के उम्मीदवार संजय सिंह ने भाजपा का दामन थाम लिया। भाजपा के मुंगेर प्रभारी राजेश झा के अनुसार, संजय सिंह ने भाजपा उम्मीदवार कुमार प्रणय और अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने कहा कि उनका यह निर्णय विकास और स्थिर सरकार की दिशा में उठाया गया कदम है। संजय सिंह ने कहा कि वह प्रधानमंत्री की नीतियों से प्रभावित हैं और राजग के साथ विकास कार्य करना चाहते हैं।

हरियाणा का चुनाव चोरी हुआ था, सरकार वैध नहीं : राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी पर बुधवार को हरियाणा की मतदाता सूची के आंकड़े सामने रखे और दावा किया कि गत वर्ष अक्टूबर में हुए विधानसभा चुनाव को 25 लाख फर्जी मतों के जरिये चोरी हुआ था। उन्होंने निर्वाचन आयोग पर भाजपा के साथ मिलीभगत का आरोप भी लगाया और कहा कि न सिर्फ हरियाणा की सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी वैध रूप से पद पर नहीं हैं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह भी सरकार में वैध रूप से नहीं हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि हरियाणा में वोट चोरी को लेकर वह जो बातें कर रहे हैं वो सौ फीसदी सबूत पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में सर्वेक्षणों में कांग्रेस की जीत की संभावना थी, लेकिन कांग्रेस की तय जीत को हार में बदला गया। उन्होंने हरियाणा के मुख्यमंत्री के बयान का वीडियो दिखाया, जिसमें सैनी ने सरकार बनाने की व्यवस्था होने की बात की थी। राहुल ने दावा किया कि हरियाणा में पांच अलग-अलग तरीकों से 25,41,144 फर्जी मतों से वोट चोरी हुई। डुप्लीकेट वोटर की संख्या 5,21,619 रही। फर्जी पते वालों की संख्या 93,174 थी, बल्क वोटर 19,26,351 थे। उन्होंने कहा कि फॉर्म 6 और 7 का भी दुरुपयोग हुआ। फॉर्म 6 और फॉर्म 7 के जरिये वोटरों को जोड़ा और घटाया जाता है। महादेवापुरा और आलंद के खुलासे के बाद निर्वाचन आयोग ने इसका डेटा देना बंद कर दिया है।

बिहार में होना है मतदान और राहुल बता रहे हरियाणा की कहानी : रीजीजू

भाजपा ने हरियाणा चुनाव में वोट चोरी संबंधी राहुल गांधी के दावों को बुधवार को झूठा और निराधार बताते हुए खारिज कर दिया और कांग्रेस नेता पर अपनी नाकामियों को छिपाने तथा देश को बदनाम करने के लिए निर्वाचन आयोग पर सवाल उठाने का आरोप लगाया। भाजपा नेता एवं केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने गांधी पर 'जेन जेड' को भड़काने का प्रयास का आरोप लगाया और कहा कि ऐसे प्रयास कभी सफल नहीं होंगे, क्योंकि देश के युवा इतने समझदार हैं कि वे ऐसे उकसावे में नहीं आएंगे। उन्होंने भाजपा मुख्यालय में कहा, हरियाणा चुनावों के दौरान उनकी वरिष्ठ नेता कुमारी सैलजा ने कहा था कि कांग्रेस जीत नहीं पाएगी, क्योंकि हरियाणा कांग्रेस के नेता चाहते थे कि पार्टी हार जाए। तीन दिन पहले कांग्रेस के पूर्व नेता ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया और कहा कि कांग्रेस हरियाणा चुनाव इसलिए हारी, क्योंकि उसके नेता काम नहीं कर रहे थे। हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने भी कहा था। रीजीजू ने कहा कि बिहार में मतदान होने वाला है और वह हरियाणा की कहानी बता रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि बिहार में (कांग्रेस के लिए) कुछ नहीं बचा है। इसीलिए वह जनता का ध्यान भटकाने के लिए हरियाणा का मुद्दा लेकर आए हैं।

हरियाणा को लेकर राहुल के दावे निराधार: ईसी

निर्वाचन आयोग (ईसी) ने कहा कि कांग्रेस नेता द्वारा हरियाणा में मतदाता सूची को लेकर लगाए गए आरोप निराधार हैं क्योंकि प्रदेश में न तो उनकी पार्टी के बूथ एजेंट की ओर से अपील दायर की गई और न ही एक से अधिक मतदान की शिकायत हुई थी। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने सवाल किया कि कांग्रेस के बूथ एजेंट ने अक्टूबर 2024 में हुए हरियाणा चुनावों में कई बार वोट डालने वाले मतदाताओं को चिह्नित क्यों नहीं किया। कांग्रेस नेता के आरोपों का खंडन करते हुए एक अधिकारी ने कहा, मतदाता सूची में संशोधन के दौरान कांग्रेस के बूथ स्तरीय एजेंट द्वारा कोई दावा या आपत्ति क्यों नहीं उठाई गई? बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) राजनीतिक दलों द्वारा मतदाता सूची में अनियमितता को चिह्नित करने के लिए नियुक्त किए जाते हैं। मतदाता सूचियों के विरुद्ध शून्य अपील दायर हुई थीं और वर्तमान में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में केवल 22 चुनाव याचिकाएं लंबित हैं। कुल 23 चुनाव याचिकाएं दायर की गईं, जिनमें से एक को बाद में वापस ले लिया गया।

बिलासपुर ट्रेन हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 11 हुई, 20 घायल

बिलासपुर (छत्तीसगढ़)। बिलासपुर रेलवे स्टेशन के करीब मंगलवार को हुए रेल हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है, जबकि 20 लोग घायल हैं। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि 'मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट' (एमईएमयू) यात्री ट्रेन कोरबा जिले के गेवरा से पड़ोसी जिले बिलासपुर जा रही थी।

अधिकारियों ने कहा, दुर्घटना में छह महिलाओं सहित 11 लोगों की मौत हुई है तथा 20 अन्य घायल हो गए हैं। 11 मृतकों में से पांच में रेलगाड़ी के लोको पायलट विद्या सागर, लवकुश शुक्ला, रंजीत प्रभाकर, शीला यादव और प्रिया चंद्र है। मृतकों में से चार महिलाओं और दो पुरुषों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। 20 घायलों में नौ महिलाएं और दो वर्षीय बच्चा हैं। यात्री ट्रेन की सहायक लोको पायलट रश्मि राज और ट्रेन मैनेजर अशोक कुमार दीक्षित तथा मालगाड़ी के गार्ड शैलेश चंद्र भी अस्पताल में हैं। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि रेलगाड़ी का एक डिब्बा मालगाड़ी के एक डिब्बे के ऊपर चढ़ गया था।

घूस के पैसे से शेयरों में निवेश कर कमाया लाभ अपराध से अर्जित आय है : हाईकोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- ईडी की अपील पर दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि घूस के पैसे से शेयर बाजार में निवेश कर कमाए लाभ को अपराध से अर्जित आय माना जाएगा और यह धन शोधन अपराध है। अदालत ने कहा कि यदि किसी ने रिश्वत की राशि को निवेश किया है, तो उसकी कीमत बढ़ने पर भी उस धन का अवैध स्रोत शुद्ध नहीं होता और यह बढ़ी हुई राशि भी उसी अवैध स्रोत से जुड़ी होती है।

न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने तीन नवंबर को दिए फैसले में कहा, धन शोधन सतत अपराध है, जो अवैध धन अर्जित करने की प्रारंभिक क्रिया तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें उस धन के विभिन्न लेनदेन भी शामिल है। पीठ ने कहा कि यदि कोई अधिकारी रिश्वत लेकर उसे शेयर बाजार, रियल एस्टेट या मादक पदार्थ के धंधे में लगाता है, तो धन की अवैधता समाप्त नहीं होती और ऐसी पूरी राशि जब्ती योग्य होती है। यह फैसला ईडी की अपील पर दिया गया, जिसमें उसने फतेहपुर कोल ब्लॉक आवंटन से संबंधित मामले में एकल न्यायाधीश के आदेश को चुनौती दी थी। ईडी ने 122.74 करोड़ की संपत्ति को जब्त किया था कि एम/एस प्रकाश इंडस्ट्रीज ने धोखाधड़ी से कोल ब्लॉक आवंटन पाया और शेयर की कीमतें बढ़ाईं।

वर्ल्ड ब्रीफ

जमैका में तूफान मेलिसा से 30 लोगों की मौत, 15 लाख प्रभावित

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि जमैका और आसपास के इलाकों में आए भीषण चक्रवाती तूफान मेलिसा ने भारी तबाही मचाई है और इसके कारण 30 लोगों की मौत हो गई और 15 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने बताया कि जमैका में सड़कें, बिजली और संचार व्यवस्था बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं। लगभग एक सौ तीस सड़कें अवरुद्ध हैं और कई क्षेत्रों में बिजली तथा मोबाइल नेटवर्क ठप पड़े हैं। स्वास्थ्य सेवाओं पर भी इसका गंभीर असर पड़ा है क्योंकि कई अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र पूरी तरह नष्ट या क्षतिग्रस्त हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम का अनुमान है कि जमैका में लगभग साढ़े तीन लाख लोगों को खाद्य पदार्थों की सहायता की आवश्यकता पड़ सकती है।

अंतरिक्ष में गए चीन के चालक दल की वापसी सुरक्षा के लिए टाली

बीजिंग। चीन के अंतरिक्ष स्टेशन पर तैनात दल की बुधवार को निर्धारित वापसी को टाल दिया गया है। ऐसा संदेह है कि अंतरिक्ष यान पर सूक्ष्म अंतरिक्ष मलबे का प्रभाव पड़ा है। यह घोषणा 'चाइना मैन्ड स्पेस एजेंसी' (सीएमएसए) ने की। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि वापसी में देरी का निर्णय अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा और मिशन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। चीन अपने अंतरिक्ष स्टेशन के दल को हर छह महीने में बदलता है। शनिवार को शेनझोउ-20 अंतरिक्ष यान ने शेनझोउ-21 दल के साथ कक्षा में कार्यभार हस्तांतरण पूरा किया था और उसका बुधवार को पृथ्वी पर लौटने का कार्यक्रम था। शेनझोउ-20 में वर्तमान अंतरिक्ष दल सवार है।

बोस्निया में एक इमारत में आग लगने से 10 की मौत, कई घायल

साराजेवा। बोस्निया के उत्तरपूर्वी शहर तुजला में एक आवासीय इमारत में आग लगने से मंगलवार को कम से कम 10 लोगों की मौत हो गयी। एक अधिकारी और बोस्निया मीडिया ने यह जानकारी दी। दैनिक समाचार पत्र 'दनेवनी अवाज' ने बताया कि इमारत की एक ऊपरी मंजिल पर आग लगने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गयी। अभी तक कम से कम 20 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया तथा कई और लोगों के हताहत होने की आशंका है। कैंटोनल नेता इरफान हालिलागिक ने समाचारपत्र को दिए एक बयान में पुष्टि की कि मौतें हुई हैं लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि कितने लोग मारे गए। हालिलागिक ने कहा, हम अब विचार कर रहे हैं कि निवासियों को कहां ठहराया जाए। अखबार और अन्य बोस्नियाई मीडिया संगठनों ने भीषण आग की खबरें पुलिस सूत्रों के हवाले से प्रकाशित की हैं।

उलानबटोर में फंसे 228 यात्री लेकर एअर इंडिया का विमान दिल्ली आया

नई दिल्ली, एजेंसी

- सैन फ्रांसिस्को से दिल्ली आ रहे विमान ने की थी आपात लैंडिंग

एअर इंडिया का एक विमान मंगोलिया की राजधानी उलानबटोर में फंसे 228 यात्रियों और चालक दल के 17 सदस्यों को लेकर बुधवार सुबह दिल्ली पहुंचा। तकनीकी समस्या के कारण सोमवार को सैन फ्रांसिस्को से दिल्ली आ रहे विमान का मार्ग परिवर्तित कर उसे मंगोलिया की राजधानी ले जाया गया, जिसके बाद यात्री वहां फंस गए थे।

एक अधिकारी ने बताया कि उलानबटोर से यात्रियों को लेकर एअर इंडिया का राहत विमान बुधवार सुबह करीब आठ बजकर 24 मिनट पर राष्ट्रीय राजधानी पहुंचा। राहत उड़ान संख्या एआई183 बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के साथ संचालित की गई। घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने सोमवार को कहा था कि उलानबटोर ले जाए गए बोइंग 777 विमान में 228 यात्रियों और चालक दल के 17 सदस्यों सहित 245 लोग सवार थे। एयरलाइन ने बुधवार को एक बयान में कहा, एहतियाती तौर पर मार्ग परिवर्तन के बाद मंगोलिया के उलानबटोर में फंसे एआई174 के यात्रियों और चालक दल को लेकर राहत उड़ान सुबह दिल्ली में उतरी। संबंधित अधिकारियों के अलावा एअर इंडिया ने भी अपने यात्रियों को मार्ग परिवर्तन के दौरान उनके धैर्य और समझदारी के लिए धन्यवाद दिया।

भारतवंशियों की उपलब्धियां

दुनिया में भारत का परचम

अमेरिका के ताजा चुनाव में न्यूयॉर्क के मेयर चुने गए जोहर ममदानी, वर्जीनिया की लेफ्टिनेंट गवर्नर बनीं गजाला हाशमी और ओहायो के सिनसिनाटी शहर के मेयर पद के चुनाव में आफताब पुरेवैल की जीत ने दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश में एक बार फिर भारतवंशियों का डंका बजा दिया है। हालांकि यह पहली बार नहीं है, जब भारतीय मूल के लोगों ने दूसरे देशों में राजनीतिक के शीर्ष पदों पर कब्जा जमाया है। इतिहास उठाकर देखें तो पता चलता है कि दुनिया के लगभग 29 देशों में भारतीय मूल के लोग राजनीति के शीर्ष पदों पर रह चुके हैं या अब भी हैं, इनमें से आठ से ज्यादा देशों के राष्ट्राध्यक्ष भी शामिल हैं। इनमें ब्रिटेन, मॉरीशस, गुयाना, सिंगापुर और आयरलैंड शामिल हैं। भारतवंशियों ने दूसरे देशों में राजनीति के अलावा व्यवसाय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भी अपनी प्रतिभा की दम पर धाक जमाई है।

दूसरे देशों का नेतृत्व

- भारतीय मूल के ऋषि सुनक को वर्ष 2022 में यूनाइटेड किंगडम का प्रधानमंत्री चुना गया था।
- लियो वराडकर ने 2017 से 2020 और 2022 से 2024 आयरलैंड के प्रधानमंत्री का पद संभाला।
- मॉरीशस में अनिरुद्ध जगन्नाथ, नवीन रामगुलाम, प्रविंद जगन्नाथ कई बार प्रधानमंत्री चुने गए।
- त्रिनिदाद और टोबैगो में कमला प्रसाद-बिस्सेसर वर्ष 2010 से 2015 के बीच प्रधानमंत्री चुने गए।
- गुयाना में 1990 से अब तक चेदी जगन, बर्रत जगदेओ, इरफान अली भारतीय मूल के राष्ट्रपति।
- सूरीनाम में वर्ष 2020 में भारतीय मूल के चंद्रिका प्रसाद संतोखी राष्ट्रपति पद संभालने का मौका।
- सेशेल्स में वेवेल रामकलावन, फिजी में महेंद्र चौधरी और सिंगापुर में श्रीनाथन ने भी नेतृत्व किया।

लोकप्रियता में भी आगे

- फिजी में महेंद्र चौधरी जातीय संघर्ष में अपने दृढ़ रुख के कारण पहले भारतीय मूल के प्रधानमंत्री बने।
- आयरलैंड में लियो वराडकर पश्चिमी यूरोप के पहले खुले तौर पर समलैंगिक भारतवंशी प्रधानमंत्री।
- गुयाना का नेतृत्व करने वाले भारतवंशी चेदी जगन को स्वतंत्रता आंदोलन के महानायक माना जाता है।
- मॉरीशस में प्रविंद जगन्नाथ भारतीय मूल के सबसे लंबे समय तक सत्ता में रहने वाले नेताओं में एक थे।

भारत को क्या लाभ

- वैश्विक पहचान और मजबूत छवि, ऋषि सुनक, प्रविंद जगन्नाथ जैसे नेता भारत हितैषी नीति के लिए जाने जाते हैं।
- उद्यमी विदेश में भारत में निवेश के सेतु, सिलिकॉन वैली में भारतीय निवेशक भारत के स्टार्टअप्स को फंड देते हैं।
- सांस्कृतिक प्रभाव बढ़ा है। दिवाली और होली जैसे भारतीय त्योहारों को कई देशों में आधिकारिक मान्यता मिली है।
- भारतीय प्रवासी समुदाय दूसरे देशों में भारत की नीतियों के समर्थन में लॉबिंग करता है, अंतर्राष्ट्रीय लाभ प्राप्त होते हैं।

दुनिया के दूसरे देशों में भारतवंशियों की स्वीकार्यता

- अमेरिका, कनाडा, यूके जैसे उच्च आय वाले देशों में भारतीय मूल के लोगों को सफल, शिक्षित और भरोसेमंद समुदाय माना जाता है।
- कैरेबियाई और अफ्रीकी देशों में शुरू में भेदभाव था, अब भारतीय समुदाय स्थानीय राजनीति व अर्थव्यवस्था में मुख्यधारा में आया है।
- मध्य पूर्व में भारतीय मूल के लोग मुख्यत: श्रमिक और तकनीकी कामगार हैं, और वहां उनका प्रभाव सीमित है, लेकिन वे सम्मानित हैं।

यहां भी आगे : राजनीति के अलावा भारतवंशी कई अन्य क्षेत्रों में भी अगुवाई कर रहे हैं। सुंदर पिचाई गूगल के सीईओ हैं और सत्य नडेला माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ। यूएस की टेक पॉलिसी में अर्जुन रामपाल, वेंचर कैपिटल में विनोद खोसला का नाम आता है। साइंस एंड रिसर्च में नोबल पुरस्कार विजेता वेंकटरमण रामकृष्णन, व्यापार और वित्त में लक्ष्मी मित्तल का नाम आता है।

न्यूयॉर्क का मेयर बनते ही ममदानी ने ट्रंप को आव्रजन के मुद्दे पर दी चुनौती

चुनाव जीतने के बाद नेहरू को किया याद, कहा- पुराने से नए युग में रखेंगे कदम

न्यूयॉर्क, एजेंसी

ममदानी की विजय के बाद उनके समर्थक जश्न मनाने न्यूयॉर्क की सड़कों पर उतर आए।

न्यूयॉर्क सिटी के मेयर चुने गए जोहरान ममदानी ने अपने तेजतर्रार विजयी भाषण में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आव्रजन के मुद्दे पर चुनौती दी, 'राजनीतिक वंशवाद' को खत्म करने की बात कही और पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के शब्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि शहर पुराने से नए युग की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी जीत अत्याचार और मुनाफाखोरी के खिलाफ उम्मीद का प्रतीक है।

भारतीय मूल के ममदानी ने मंगलवार को चुनावों में निर्णायक एवं ऐतिहासिक जीत हासिल की। उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा तथा दिग्गज नेता एवं न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को हराया, जो निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे थे। कुओमो को चुनाव की पूर्व संध्या पर ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन प्राप्त हुआ था। इस जीत के साथ ही ममदानी अमेरिका के सबसे बड़े शहर में मेयर बनने वाले पहले दक्षिण एशियाई और मुस्लिम व्यक्ति बन गए।

ममदानी ने आधी रात के आसपास डाउनटाउन ब्रुकलिन के एक संगीत स्थल 'ब्रुकलिन पैरामाउंट' में अपने हज़ारों समर्थकों के सामने जोशीले विजयी भाषण में कहा, भविष्य हमारे हाथों में है। दोस्तों, हमने एक राजनीतिक वंश को उखाड़ फेंका है। उन्होंने तालियों की गड़गड़ाहट और अपने समर्थकों के नारों के बीच कहा, न्यूयॉर्क, आज रात आपने कर दिखाया, यह बदलाव का जनादेश है। एक नई राजनीति का जनादेश। एक ऐसे शहर का जनादेश, जहां रहने का खर्चा हम वहन कर सकते हैं। और एक ऐसी सरकार का जनादेश जो बिल्कुल यही करती है।

ममदानी ने न्यूयॉर्क की राजनीति में एक नए युग की शुरुआत की बात करते हुए भारत के प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, आपके सामने खड़े होकर मुझे जवाहरलाल नेहरू के शब्द याद आते हैं। इतिहास में कभी-कभी ऐसा क्षण आता है जब हम पुराने से नए युग में कदम रखते हैं, जब एक युग समाप्त होता है और जब किसी राष्ट्र की लंबे समय से दबाई गई आत्मा को अभिव्यक्ति मिलती है। उन्होंने कहा... तो आइए अब हम स्पष्टता और दृढ़ विश्वास के साथ इस बारे में बात करें कि यह नया युग क्या लाएगा और किसके लिए लाएगा।

ट्रंप पर वार... अब आव्रजक ही चलाएंगे न्यूयॉर्क

ममदानी ने अपने विजय भाषण में ट्रंप को चुनौती दी, जिन्होंने राष्ट्रपति के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में आव्रजन पर कड़ी कार्रवाई शुरू की है। उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क को आव्रजकों द्वारा चलाया जाएगा और उनकी ऐतिहासिक जीत के बाद इसका नेतृत्व भी एक आव्रजक द्वारा किया जाएगा। अपने माता-पिता और पत्नी रमा दुवाजी के साथ ममदानी का लगभग 25 मिनट का भाषण बॉलीवुड फिल्म 'धूम' के लोकप्रिय भारतीय गीत 'धूम मचाले' के साथ समाप्त हुआ। उन्होंने कहा, मेरे मां और बाबा, आज मैं जो कुछ हूं, आपकी वजह से हूं। मुझे आपका बेटा होने पर बहुत गर्व है। और मेरी अद्भुत पत्नी रमा, मेरी जिंदगी : इस पल और हर पल, आपके सिवा मैं किसी और को अपने साथ नहीं देखना चाहता।

मेरे चुनाव प्रचार में न उतरने और शटडाउन के कारण हारे : ट्रंप

वाशिंगटन। ट्रंप ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ' पर पोस्ट में कहा कि चुनाव प्रचार से उनकी अनुपस्थिति और शटडाउन के कारण रिपब्लिकन पार्टी मेयर चुनाव हार गई। एक अन्य पोस्ट में ट्रंप ने मतदाता सुधारों का आह्वान किया। उन्होंने लिखा, रिपब्लिकन 'फिलिबस्टर' को समाप्त करें। कानून पारित कराने और मतदाता सुधार पर ध्यान केंद्रित करें। फिलिबस्टर एक संसदीय प्रक्रिया है, जिसमें विधायी निकाय के एक या अधिक सदस्य प्रस्तावित कानून पर बहस को इतना लंबा खींचते हैं कि निर्णय में देरी हो जाती है या उसे पूरी तरह से रोका जा सकता है।

डेमोक्रेटिक पार्टी ने जीत का जश्न मनाया

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और बराक ओबामा ने ममदानी और अन्य पार्टी नेताओं को चुनावी सफलता की बधाई दी। क्लिंटन ने लिखा, न्यूयॉर्क के अगले मेयर के रूप में चयन पर जोहरान ममदानी को बधाई। आपकी सफलता की कामना करता हूं, जब आप अपने चुनाव अभियान के जोश को एक बेहतर, न्यायसंगत और अधिक किफायती न्यूयॉर्क बनाने के प्रयास में बदलने के लिए काम करेंगे। ओबामा ने कहा, यह हमें याद दिलाता है कि जब हम मजबूत और दूरदर्शी नेताओं के साथ एकजुट होते हैं, जो महत्वपूर्ण मुद्दों को ध्यान में रखते हैं, तो हम जीत सकते हैं।

अमेरिकी के केंटुकी में विमान दुर्घटना, सात मरे, आसपास के इलाकों तक फैली आग

- कार्गो विमान में था 38000 गैलन जेट ईंधन, प्रशासन ने मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई

न्यूयॉर्क, एजेंसी

कार्गो विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद ऊपर उठता घना काला धुआं।

अमेरिका के केंटुकी में लुइसविले अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट मंगलवार को एक कार्गो विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें मरने वालों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। इस घटना में विमान में आग लग गई जो विमान के गिरने के साथ ही एक बड़े क्षेत्र में फैल गई।

संघीय उड्डयन प्रशासन (एफएए) ने बताया कि यूपीएस के विमान 2976 में 38,000 गैलन जेट ईंधन और चालक दल के तीन सदस्य सवार थे। यह विमान लुइसविले के मुहम्मद अली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद स्थानीय समयानुसार शाम लगभग सवा पांच बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

गर्वनर एंडी बेशियर ने कहा कि इस विनाशकारी दुर्घटना में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और 11 लोग घायल हो गए।

उन्होंने कहा कि यह संख्या बढ़ने की आशंका है। उन्होंने बताया कि विमान हवाई अड्डे के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जिससे दो व्यावसायिक प्रतिष्ठान प्रभावित हुए और क्षेत्र के अन्य व्यवसाय भी प्रभावित हुए। घटनास्थल से प्राप्त वीडियो में भीषण आग और दुर्घटनास्थल से काले धुएं का घना गुबार उठता दिखाई दिया। लुइसविले के अग्निशमन प्रमुख ब्रायन ओ'नील ने कहा कि सैकड़ों अग्निशमन कर्मियों ने आग पर लगभग काबू पा लिया है और संभावित पीड़ितों की तलाश में पूरे इलाके में ग्रिड दर ग्रिड तलाशी अभियान चला रहे हैं।

अमेरिका में सबसे लंबा 36 दिन का शटडाउन

वाशिंगटन। अमेरिका में एक अक्टूबर से शुरू हुआ शटडाउन बुधवार को 36वें दिन में प्रवेश कर गया। यह अमेरिका के इतिहास का सबसे लंबा शटडाउन है। इससे पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान 2018 में 35 दिनों तक सरकारी कामकाज ठप रहा था। इस शटडाउन की वजह से 4.2 करोड़ गरीब अमेरिकियों की खाद्य सहायता (फूड स्टैंप) रुक गई है।

अमेरिकी वस्तुओं के आयात पर 24% टैरिफ को एक साल के लिए स्थगित करेगा चीन

बीजिंग, एजेंसी

- व्यापार वार्ता में बनी सहमति को लागू करने का लिया गया निर्णय

चीनी वित्त मंत्रालय ने कहा है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हाल ही में हुई व्यापार वार्ता के अनुरूप चीन 10 नवंबर से एक वर्ष के लिए अमेरिकी वस्तुओं पर अतिरिक्त 24 प्रतिशत आयात शुल्क को स्थगित करेगा।

मंत्रालय के मुताबिक चीन-अमेरिका व्यापार वार्ता के दौरान बनी सहमति को लागू करने के लिए आयात शुल्क कानून, सीमा शुल्क कानून, विदेश व्यापार कानून और अन्य प्रासंगिक कानूनों तथा विनियमों तथा अंतर्राष्ट्रीय कानून के मूल सिद्धांतों के अनुसार यह निर्णय लिया गया है। राज्य परिषद की स्वीकृति से 10 नवंबर, 2025 से अमेरिकी वस्तुओं पर 24 प्रतिशत का अतिरिक्त सीमा शुल्क एक वर्ष के लिए स्थगित कर दिया जाएगा। लेकिन अमेरिकी वस्तुओं पर 10 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लागू रहेगा।

मंत्रालय ने कहा कि इस स्थगन से दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक संबंधों के स्वस्थ और स्थिर विकास सुनिश्चित होगा। दोनों देशों के लोगों को लाभ पहुंचाने और वैश्विक समृद्धि में योगदान करने में मदद मिलेगी। बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा था कि अमेरिकी प्रशासन चीनी आयातों पर फेंटेनाइल से संबंधित शुल्कों में कटौती करेगा और चीनी उत्पादों पर कुछ पारस्परिक शुल्कों को स्थिर रखेगा। मंगलवार को जारी कार्यकारी आदेशों में उल्लिखित ये कदम अक्टूबर में दक्षिण कोरिया में एपेक सम्मेलन के दौरान जिनपिंग के साथ हुए व्यापक व्यापार समझौते के प्रमुख तत्वों को समाहित करते हैं।

इसके तहत चीन 10 नवंबर से अमेरिका से आयातित ज्वार, सोयाबीन, सूअर का मांस, बीफ़, जलीय उत्पादों, फलों, सब्जियों और डेयरी उत्पादों पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत शुल्क के साथ चिकन, गेहूं, मक्का और कपास पर 15 प्रतिशत शुल्क भी हटाएगा। इस समझौते के तहत चीन चार मार्च से घोषित सभी परस्पर शुल्कों को स्थगित कर देगा।

पाकिस्तान ने गुरु नानक जयंती मनाने सिख जत्थे के साथ जा रहे हिंदुओं को रोका

अमृतसर, एजेंसी

गुरु नानक देव की जयंती समारोह में भाग लेने भारतीय सिख तीर्थयात्रियों का पहला जत्था मंगलवार को अटारी-वाघा सीमा पार कर पाकिस्तान पहुंचा, लेकिन तीर्थयात्रियों की खुशी वाघा सीमा पर उस समय फीकी पड़ गई, जबएक बड़े सिख प्रतिनिधिमंडल के साथ पाकिस्तान में प्रवेश कर रहे 12 हिंदू तीर्थयात्रियों के एक समूह को सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बावजूद अचानक आगे बढ़ने से रोक दिया गया। पाकिस्तानी अधिकारियों ने कहा कि वे हिंदू होने के कारण आगे नहीं बढ़ सकते।

इन हिंदू तीर्थयात्रियों को भारत लौटना पड़ा। भारतीय अधिकारियों और संगठनों ने इस कार्रवाई की व्यापक रूप से निंदा की और इसे भेदभावपूर्ण बताया। हिंदू तीर्थयात्रियों के पास वैध वीजा थे और उन्होंने सभी आव्रजन और यात्रा प्रक्रियाएं पूरी कर ली थीं। पाकिस्तानी अधिकारियों ने उन्हें ननकाना साहिब जाने वाली बस में चढ़ने से रोक दिया और कहा कि केवल सिखों के रूप में सूचीबद्ध लोगों को ही यात्रा करने की अनुमति होगी। इसके बाद तीर्थयात्रियों को भारत वापस भेज दिया गया, और उनमें से एक ने इस घटना पर अपना अपमान और दुख व्यक्त किया।

गुरु पर्व मनाने पहुंचे पहले सिख जत्थे का स्वागत करते पाकिस्तानी अधिकारी।

भारत सरकार दे मुंहतोड़ जवाब : प्रो. चावला ने कहा कि जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज भी पाकिस्तान पहुंचे हैं। यह उनसे आशा की जाती है कि वे इस अन्याय को रोकते और पाकिस्तान की चाल का मुंह तोड़ जवाब देते। अफसोस ऐसा नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि अब भारत सरकार को चाहिए कि वे पाकिस्तान को उसी की भाषा में जवाब दे और पाकिस्तान के केवल हिंदू श्रद्धालुओं को ही भारत यात्रा की आज्ञा दे।

हिंदू-सिखों में फूट डालने की नापाक चाल

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान जाने वाला यह पहला जत्था था और इस घटना को हिंदू और सिख समुदायों के बीच विभाजन पैदा करने के एक जानबूझकर किया गया कृत्य माना जा रहा है। पंजाब की पूर्व स्वास्थ्य मंत्री प्रो. लक्ष्मीकांत चावला ने घटना की निंदा करते हुए कहा है कि पाकिस्तान में हिंदू श्रद्धालुओं को गुरुद्वारा दर्शन के लिए न जाने देना भारत में लोगों में फूट डालने का घृणित प्रयास है, जिसका केंद्र सरकार शीघ्र ही गंभीर नोटिस लेना चाहिए। पूर्व मंत्री ने कहा कि हिंदू और सिख जो एक ही मां के दो बेटे हैं, एक ही परंपरा से पैदा हुए हैं और जिनका परिवार भी एक है उनको बांटने के लिए पहले अंग्रेजों ने प्रयास किया। 1882 में पहले अंग्रेजों का थोपा हुआ प्रिंसिपल मैकालिफ इस काम को आगे बढ़ाता रहा और इसके बाद अपने ही देश के कुछ नेताओं ने समाज को बांटने की कमान संभाल ली। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान के सभी प्रमुख गुरुद्वारों में विशेषकर अमृतसर श्री हरिमंदिर में अगर रोज के श्रद्धालुओं की संख्या देखी जाए तो हिंदू श्रद्धालु ज्यादा हैं, जो देश से भी आते हैं, विदेश से भी आते हैं। प्रो. चावला ने कहा कि वैसे तो हिंदू और सिख दो लिखने में ही कष्ट होता है, पर अगर राजनीतिक हितों ने उन्हें दो पक्ष बना ही दिया है तो पाकिस्तान को यह छूट नहीं दी जा सकती कि वह भारत से गए हिंदू श्रद्धालुओं को गुरु घर के दर्शन करने न जाने दे।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 6 नवंबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा 14.54 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

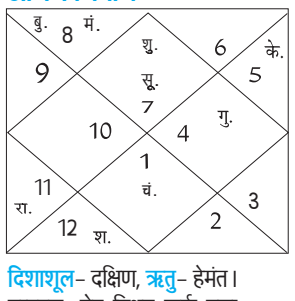

दिशाशूल- दक्षिण, ऋतु- हेमंत। चन्द्रबल- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- भरणी 06.34 तक तत्पश्चात कृत्तिका 7 नवंबर 03.28 तक तत्पश्चात रोहिणी।

मेष — आज का दिन नई साझेदारियों के लिए शुभ है। कार्यक्षेत्र में दूसरों पर निर्भरता बढ़ सकती है। आपकी कार्यकुशलता में वृद्धि होगी। पड़ोसियों से अपने संबंध अच्छे रखें। प्रेम संबंधों को लेकर पारिवारिक सहमति मिल सकती है।

वृष — आज समाज में आपको उचित मान-सम्मान मिलेगा। रुका हुआ कार्य बनने से मानसिक अशांति दूर होगी। दांपत्य संबंधों की कड़वाहट दूर हो सकती है। ससुराल पक्ष से अपने संबंध अच्छे रखें। परिवार में उत्सव का वातावरण रहेगा।

मिथुन — आज अपनी उपलब्धियों का दिखावा करने से बचें। वाहन चलाते समय चोट लग सकती है। जीवनसाथी के साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। आपके ऊपर काम का दबाव बढ़ सकता है। गृहस्थ जीवन में शांति रहेगी। बच्चों के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

कर्क — आज कारोबार में नई शुरुआत कर सकते हैं। नौकरी कर रहे लोगों के ऊपर से काम का दबाव कम होगा। प्रेमीजन से विवाह को लेकर चर्चा कर सकते हैं। मित्रों और सहयोगियों की सहायता करने से आत्मिक संतुष्टि होगी।

सिंह — आज अपनी जिम्मेदारियों को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। आप अत्यंत ऊर्जावान महसूस करेंगे। किसी राजनीतिक चर्चा में सम्मिलित हो सकते हैं। अपनी दिनचर्या को अनुशासित रखें। प्रेमी जन से कोई वादा न करें।

कन्या — आज कानूनी मामले उलझ सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए दिन बहुत अच्छा है। उच्च शिक्षा में परेशानियां बढ़ सकती हैं। घर के छूटे कार्यों को लेकर तनाव हो सकता है। आर्थिक नुकसान होने की संभावना बन रही है।

तुला — आज कोई भी बड़ा निर्णय सोच-समझकर ही लें। अनावश्यक चर्चाओं से दूरी बनाकर रखें। दांपत्य संबंधों में संवादहीनता जैसी परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। नजदीकी लोगों की सलाह को अनसुना करना नुकसानदेह हो सकता है।

वृश्चिक — आज व्यवसाय में आपको बड़ा धन लाभ हो सकता है। पिछले काफी समय से चली आ रही उलझनों से राहत मिलेगी। ननिहाल पक्ष से शुभ समाचार मिल सकते हैं। वैवाहिक जीवन काफी रोमांटिक रहेगा। गले में कफ की शिकायत हो सकती है।

धनु — आज आपकी कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है। अचानक नए कार्यों की शुरुआत न करें। आपको सभी कार्य समय पर करने चाहिए। अटका हुआ धन वापस मिलेगा। अपने स्वभाव में लचीलापन रखना आवश्यक है। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

मकर — आज निवेश के दौरान सावधानी रखें। दार्शनिक विचारों के प्रभाव में रहेंगे। जल्दबाजी में लिए गए निर्णयों से नुकसान होगा। उच्च रक्तचाप के कारण समस्या होगी। अधिकारी वर्ग के साथ तनाव हो सकता है। नए प्रेम संबंधों को लेकर समस्या होगी।

कुंभ — आज अपनी गलतियों को छिपाने के बजाय उन्हें दूर करने का प्रयास करें। रियल एस्टेट से जुड़े लोग नए सौदों को जांच-परख कर ही करें। जाने-अनजाने में आपसे कुछ त्रुटियां हो सकती हैं। आपको सिरदर्द और वायरल बुखार की समस्या हो सकती है।

मीन — आज आपकी बातों से लोग प्रभावित होंगे। जॉब में स्थायित्व की भावना बढ़ेगी। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर होंगे। आपके नए मित्र बन सकते हैं। आपको मेहनत का सार्थक परिणाम मिलेगा। आपको अधिकारियों से सहायता लेनी चाहिए।

सुडोकू-152

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		1				2	3	
	2	4						
			2	6	7			
5			3	7				
7								8
3				9	4			
			8	5	1			
	3					7	2	
	6	5				9		

सुडोकू - 151 का हल

9	1	5	6	2	8	3	4	7
3	4	8	5	1	7	6	9	2
6	7	2	3	4	9	8	5	1
2	6	4	9	7	3	1	8	5
8	3	1	4	5	2	7	6	9
5	9	7	8	6	1	2	3	4
1	5	6	7	3	4	9	2	8
7	8	3	2	9	5	4	1	6
4	2	9	1	8	6	5	7	3

अर्शदीप सिंह विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं। उन्होंने पावरप्ले में अधिकतर विकेट लिए हैं। हम बस उनसे यही कहते हैं कि वे कड़ी मेहनत करें और जब भी उन्हें मौका मिले, उसके लिए तैयार रहें।
–मोर्ने मोर्कल

स्टेडियम

कानपुर नगर, गुरुवार 6 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सऊदी अरब के रियाद में डब्ल्यूटीए टेनिस फाइनल्स के महिला एकल मैच के दौरान कजाकिस्तान की एलेना रयबाकिना रूस की एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा के शॉट को रोकती हुई।

रिचा घोष को सोने की परत वाली गेंद और बल्ला देगा कैब

कोलकाता : बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) भारत की विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष को महिला विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के लिये यहां शनिवार को ईडन गार्डस पर एक भव्य सम्मान समारोह में खास तौर से बनाए गए सोने की परत चढा बल्ला और गेंद प्रदान करेगा। भारत की ऐतिहासिक खिताबी जीत की शिल्पकारों में से एक रिचा ने आठ पारियों में 133.52 की स्ट्राइक रेट से 235 रन बनाए। वह टीम के लिये सर्वाधिक रन बनाने वाली पांच बल्लेबाजों में से थी। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली और महान तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी के हस्ताक्षर वाला बल्ला उन्हें भारतीय क्रिकेट में अतुलनीय योगदान के लिये प्रदान किया जाएगा।

दिप्तायन ने किया विश्व शतरंज में उलटफेर

पणजी : ग्रैंडमास्टर दिप्तायन घोष ने विश्व शतरंज कप में सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए पूर्व विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर रूस के इयान नेपोम्नियाची को दूसरे दौर के दूसरे गेम में हरा दिया। एकतरफा मुकाबले में घोष ने उन्हें कोई मौका ही नहीं दिया। जीत के बाद उन्होंने कहा यह मेरे शतरंज कैरियर की सबसे बड़ी जीत है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथा टी-20 मुकाबला आज, भारत का पड़ला भारी

शुभमन गिल की निगाह बड़े स्कोर पर

कैरारा (गोल्ड कोस्ट), एजेंसी

अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले शुभमन गिल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले चौथे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में बड़ा स्कोर बनाने की कोशिश करेंगे जिसमें भारतीय टीम जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। तीन मैचों के बाद शृंखला 1-1 से बराबर है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की टीम कुछ प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में थोड़ा कमजोर नजर आ रही है। पिछले मैच में जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति से स्पष्ट अंतर नजर आया था, जब भारत 186 रन के लक्ष्य को हासिल करके शृंखला बराबर करने में सफल रहा था। चौथे मैच में ऑस्ट्रेलिया को ट्रेविस हेड की भी कमी खलेगी क्योंकि सलामी बल्लेबाज को एशेज की तैयारी के लिए शेफील्ड शील्ड में खेलना है। ऑस्ट्रेलिया की टीम के इन दोनों प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में भारत के पास गाबा में अंतिम मैच से पहले 2-1 की बढ़त हासिल करने का यह सबसे अच्छा मौका है। हालांकि, भारतीय टीम प्रबंधन को टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल की फॉर्म थोड़ी परेशान कर सकती है, क्योंकि उन्होंने अब तक ऑस्ट्रेलिया के वर्तमान दौरे में छह मैच खेले हैं और एक भी अर्धशतक नहीं लगाया है। एकदिवसीय एजेंसी की शुरुआत से अब तक उनके स्कोर का क्रम 10, 9, 24, नाबाद 37, 5 और 15 है। अभी तक केवल एक बार वह अच्छी फॉर्म में दिखे थे। वह कैनबरा में था जब उन्होंने कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ अच्छी साझेदारी की थी। बारिश के कारण यह मैच रद्द कर दिया गया था। गिल को फुल लेंथ की गेंदों से परेशानी हो रही है, जिनमें मूवमेंट की झलक दिख रही है। चिंता की बात यह है कि गिल अभी तक अपनी चिर परिचित लय में नहीं दिखे हैं। भारत के लिए अच्छी बात यह है कि अभिषेक शर्मा ने विश्व के नंबर एक टी20 बल्लेबाज की अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन किया है और टीम को उनसे एक बार फिर एक और जोरदार पारी की उम्मीद होगी। गिल को एक सप्ताह के भीतर लाल गेंद से खेलना शुरू करना होगा और अगर वह किसी भी प्रारूप में खेल रहे हों तो कुछ रन बनाने से उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहले और तीसरे मैच में अच्छी शुरुआत के साथ अपनी पुरानी फॉर्म की झलक दिखाई है लेकिन अब वह बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे क्योंकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अगली सीरीज से पहले उन्हें एक महीने का ब्रेक मिलेगा। इस बीच, उम्मीद की जा रही है कि सूर्यकुमार पुडुचेरी के खिलाफ मुंबई की ओर से रणजी ट्रॉफी मैच खेलेंगे। अर्शदीप सिंह के शामिल होने से गेंदबाजी विभाग अधिक मजबूत दिखता है, जबकि कुलदीप यादव को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए वापस भेज दिया गया है।

समय दोपहर 1:45 बजे से

शुभमन गिल व अभिषेक शर्मा।

स्पिन का सामना करने के लिए अच्छी तैयारी जरूरी : मैथ्यू शॉर्ट

गोल्ड कोस्ट : ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट मौजूदा टी-20 शृंखला में भारतीय गेंदबाजों का सामना करने के अवसर का आनंद ले रहे हैं, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप की तैयारी के लिए उपमहाद्वीपीय परिस्थितियों में स्पिन के अनुकूल ढलना महत्वपूर्ण होगा। शॉर्ट मौजूदा सीमित ओवरों की शृंखला का अभिन्न हिस्सा रहे हैं क्योंकि ऑस्ट्रेलिया अगले साल फरवरी से मार्च के दौरान भारत और श्रीलंका में होने वाले टी 20 विश्व कप के लिए अपनी टीम को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहा है। शॉर्ट ने चौथे टी-20 मैच से पहले कहा सुधार करने के अपने अलग-अलग तरीके होते हैं। विश्व कप भारत और श्रीलंका में खेला जाना है और इसे देखते हुए स्पिन के खिलाफ खेलना मेरे लिए अच्छी बात है। मुझे लगता है कि इसमें थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत है।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जोश इंग्लिस (विकेट कीपर), जोश फिलिप (विकेट कीपर), मिशेल ओवेन, ग्लेन मैक्सवेल, मैट कुहनेमन, एडम ज़म्पा, महली बियर्डमैन, बेन ड्वार्शिस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, मार्कस स्टोइनिस।

टीम प्रबंधन का मुख्य मुद्दा हमेशा से यह रहा है कि कुलदीप व अर्शदीप दोनों को एक साथ नहीं खिलाया जा सकता। पर फिलहाल ऐसी कोई समस्या नजर नहीं आती है। वाशिंगटन सुंदर की मौजूदगी में भारतीय बल्लेबाजी मजबूत नजर आती है। वाशिंगटन ने पिछले मैच में 23 गेंद पर नाबाद 49 रन बनाकर भारत को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए कप्तान मिशेल मार्श और टिम डेविड पर काफी हद तक निर्भर रहेगी। हेड की अनुपस्थिति में मार्श मैथ्यू शॉर्ट को अपना सलामी जोड़ीदार बना सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया को हालांकि अपने गेंदबाजी विभाग में बदलाव करने पड़ सकते हैं क्योंकि सीन एबॉट अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और बेन ड्वार्शुइस या महली बियर्डमैन में से किसी एक को उनकी जगह पर लाया जा सकता है।

ऑस्ट्रेलिया में सीरीज के एक मैच के दौरान विकेट लेने के बाद जश्न मानते अर्शदीप सिंह।

अर्शदीप सिंह जानते हैं हमारी योजना : मोर्कल

कैरारा (गोल्ड कोस्ट), एजेंसी

- भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल बोले- हम आजमा रहे हैं अलग-अलग संयोजन

भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने बुधवार को कहा कि अर्शदीप सिंह को चयन मामलों में भले ही परेशानी का सामना करना पड़ा हो, लेकिन यह तेज गेंदबाज इस बात को अच्छी तरह से समझता है कि टीम प्रबंधन बड़ी तस्वीर को देखते हुए अलग-अलग संयोजन आजमा रहा है। अर्शदीप को होबार्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में अंतिम एकादश में शामिल किया गया था।

उन्होंने शानदार वापसी की और वह मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए थे। उन्हें पहले दो मैचों में अंतिम एकादश में नहीं चुना गया, क्योंकि उन्हें और कुलदीप यादव को एक साथ नहीं खिलाया जा सकता और दुबई की परिस्थितियों के कारण सितंबर में एशिया कप में भी वे पहली पसंद नहीं थे। गौरतलब है कि अर्शदीप टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 100 से अधिक विकेट लेने वाले एकमात्र भारतीय गेंदबाज़ हैं।

मोर्कल ने गुरुवार को यहां होने वाले चौथे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच से पहले संवाददाताओं से कहा अर्शदीप अनुभवी हैं और उन्हें पता है कि हम बड़ी तस्वीर को देख रहे हैं और अलग-अलग संयोजनों को आजमा रहे हैं। उन्हें पता है कि वह विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं और उन्होंने पावरप्ले में अधिकतर विकेट लिए हैं। उन्होंने कहा हम जानते हैं कि वह टीम के लिए कितने अमूल्य खिलाड़ी है, लेकिन हमें अन्य संयोजनों पर भी गौर करने की जरूरत है और वह इस बात को समझते हैं। मोर्कल ने हालांकि स्वीकार किया कि अर्शदीप जैसी क्षमता वाले गेंदबाज के लिए यह आसान नहीं रहा है। उन्होंने कहा यह आसान काम नहीं है लेकिन कभी-कभी कड़े फैसले करने पड़ते हैं। हम बस उनसे यही कहते हैं कि वे कड़ी मेहनत करें और जब भी उन्हें मौका मिले, उसके लिए तैयार रहें। टी20 विश्व कप से पहले अब सीमित मैच ही बचे हैं। मोर्कल ने कहा इसलिए, हमारे लिए यह देखना ज़रूरी है कि दबाव की परिस्थितियों में खिलाड़ी कैसा प्रदर्शन करते हैं।

फिटनेस साबित करने के बाद पंत की वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी

- दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित, शमी को नहीं मिली जगह

स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने पैर के फ्रेक्चर से उबरकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी दो मैचों की घरेलू श्रृंखला के लिये भारतीय टेस्ट टीम में वापसी की जबकि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी एक बार फिर टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे।

पंत को जुलाई में मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान चोट लगी थी और वह वेस्टइंडीज के खिलाफ अगली श्रृंखला नहीं खेल सके थे। उन्होंने हाल ही में बेंगलुरु में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए टीम की कप्तानी की और दूसरी पारी में 90 रन बनाए। शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम में उन्होंने एन जगदीशन की जगह ली। बंगाल के लिये तीन रणजी मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले शमी को टीम में जगह नहीं मिल सकी है। पैंतीस वर्ष के शमी ने उत्तराखंड और गुजरात के खिलाफ बंगाल की जीत में अहम भूमिका निभाते हुए तीन मैचों में 93 ओवर डालकर 15 से अधिक विकेट लिए।

टेस्ट टीम

शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत, यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साइ सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, रविंद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नीतिश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव और आकाश दीप।

भारत ए वनडे टीम

तिलक वर्मा (कप्तान), रूतुराज गायकवाड़, अभिषेक शर्मा, रियान पराग, ईशान किशन, आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, विपराज निगम, मानव सुतार, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, खलील अहमद, प्रभसिमरन सिंह।

पहला टेस्ट कोलकाता में 14 नवंबर से
दूसरा टेस्ट गुवाहाटी में 22 नवंबर से

चयनकर्ताओं को शायद लगा होगा कि अब वह टेस्ट क्रिकेट में लंबे स्पैल नहीं डाल सकेंगे चूंकि घरेलू क्रिकेट में भी स्पैल के बीच उन्होंने ब्रेक लिए।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद अगले छह महीने भारत को टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलना है जिसे देखकर लगता है कि शमी के लिये दरवाजे बंद हो चुके हैं। बंगाल के तेज गेंदबाज आकाश दीप ने भी कंधे की चोट से उबरकर वापसी की है। वह भारत ए टीम का भी हिस्सा हैं। भारत के पास तेज गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज हैं जबकि स्पिन की कमान रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और हरफनमौला वॉशिंगटन सुंदर के पास होगी।

चयनकर्ताओं ने दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के लिए भारत ए वनडे टीम की भी घोषणा की है जिसमे तिलक वर्मा को कप्तान बनाया गया है। ये मैच 13, 16 और 19 नवंबर को राजकोट में होंगे।

स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के पास सीरीज जीतने का बड़ा मौका : बावुमा

बेंगलुरु : दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास के बावजूद भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज आसान नहीं होगी लेकिन उन्होंने कहा कि अपने बेहतरीन स्पिन आक्रमण के दम पर उनकी टीम के पास 25 साल बाद भारत में सीरीज जीतने का सुनहरा मौका है। दक्षिण अफ्रीका ने आखिरी बार 1999-2000 में दिवंगत हैंसी क्रोन्ये की कप्तानी में भारत में पहली टेस्ट शृंखला जीती थी। दो मैचों की शृंखला का दूसरा मैच 14 नवंबर से कोलकाता में खेला जाएगा। बावुमा ने कहा दक्षिण आफ्रीका टीम ने लंबे समय से भारत में टेस्ट शृंखला नहीं जीती है। इस बार हमारे पास सुनहरा मौका है। उन्होंने भारत ए और दक्षिण आफ्रीका ए के बीच दूसरे चार दिवसीय मैच से पहले चुनिंदा मीडिया से बातचीत में कहा विश्व चैम्पियन होने के नाते हमसे काफी अपेक्षाएं हैं। भारत में खेलना हमेशा कठिन होता है। भारत के पास बेहतरीन युवा खिलाड़ी हैं। बावुमा ने कहा विराट और रोहित ने लंबे समय तक भारत के लिए खेला और भारत को वहां पहुंचाया, जहां टीम आज है। युवा खिलाड़ी उनकी जगह लेने की कोशिश कर रहे हैं। यह हालांकि बहुत बड़ी चुनौती है। जहां तक हमारी बात है तो हम पूरी तैयारी के साथ आये हैं और हमें यहां मिलने वाली चुनौती का अहसास है। हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। बावुमा की नजरें अच्छे स्पिन आक्रमण के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों की कमी का फायदा उठाने पर भी लगी हैं। न्यूजीलैंड के स्पिनरों के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों को हुई परेशानी उनकी नजरों से बच नहीं सकी है। बावुमा ने कहा गेंदबाजी हमेशा से हमारी ताकत रही है। हम इस बार बेहतर स्पिन आक्रमण के साथ आये हैं।

शर्मा और चक्रवर्ती पुरुष टी-20 रैंकिंग में शीर्ष पर

दुबई : सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने आईसीसी पुरुष टी-20 खिलाड़ियों की बुधवार को जारी रैंकिंग में बल्लेबाजों और गेंदबाजों में शीर्ष स्थान कायम रखा है।

अभिषेक बल्लेबाजों की रैंकिंग में 925 रेटिंग अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि इंग्लैंड के फिल साल्ट और भारत के तिलक वर्मा उनके बाद हैं। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव आठवें स्थान पर हैं। गेंदबाजों में चक्रवर्ती शीर्ष पर हैं जबकि आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड दसवें स्थान पर आ गए हैं। वेस्टइंडीज के अकील हुसैन दूसरे और अफगानिस्तान के राशिद खान तीसरे स्थान पर हैं।

भारत का कोई अन्य गेंदबाज शीर्ष दस में नहीं है। हरफनमौलाओं की सूची में भारत के हार्दिक पंड्या चौथे स्थान पर हैं। पाकिस्तान के सईम अयूब शीर्ष पर, जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा दूसरे और वेस्टइंडीज के रोस्टन चेस तीसरे स्थान पर हैं।

कुलदीप, सिराज और राहुल की नजर अच्छी तैयारी पर

बेंगलुरु, एजेंसी

- भारत ए और दक्षिण अफ्रीका ए का मुकाबला आज से

भारत ए के कप्तान ऋषभ पंत पहले मैच की तरह अपनी फॉर्म और फिटनेस बरकरार रखने के इरादे से मैदान पर उतरेंगे जबकि मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ी गुरुवार से यहां तेम्बा बावुमा की अगुवाई वाली दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ होने वाले दूसरे चार दिवसीय मैच में लाल गेंद से महत्वपूर्ण मैच अभ्यास हासिल करने की कोशिश करेंगे।

पंत ने बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के इसी मैदान पर पिछले सप्ताह खेले गए पहले मैच में विकेटकीपर के रूप में 139.3 ओवर बिना किसी परेशानी के खेले और साथ ही बल्लेबाज के रूप में 133 गेंदें खेली। उन्होंने दूसरी पारी में 90 रन बनाकर अपनी बल्लेबाजी फॉर्म का भी अच्छा परिचय दिया। फिटनेस की चिंता पूरी तरह से पीछे छूट जाने के बाद बाएं हाथ का यह बल्लेबाज अब 14 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट शृंखला से पहले एक बार फिर अपने खेल के चरम पर पहुंचने की कोशिश करेगा।

सिराज, केएल राहुल और कुलदीप स्वदेश लौटने से पहले भारत के ऑस्ट्रेलिया के मौजूदा सफेद गेंद के दौरे का हिस्सा थे और अब वे दक्षिण अफ्रीका ए जैसी प्रतिस्पर्धी टीम के खिलाफ अपने लाल गेंद के कौशल को निखार सकते हैं।

स्मृति, जेमिमा हरमनप्रीत टीम की नई ब्रांड : घावरी

मुंबई : भारत के पूर्व तेज गेंदबाज करसन घावरी ने महिला वनडे विश्व कप विजेता भारतीय टीम की जमकर प्रशंसा करते हुए बुधवार को हरमनप्रीत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स और स्मृति मंधाना को भारतीय क्रिकेट का नया ब्रांड करार दिया।

भारतीय महिला टीम ने रविवार को नवी मुंबई में खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का कोई टूर्नामेंट जीता। घावरी ने कहा भारतीय महिला टीम की जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। उन्होंने पूरे विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन किया विशेष कर ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी दो मैच में उनका प्रदर्शन शानदार रहा। वह विश्व कप जीतने की असली हकदार थी।

ओलंपिक की तैयारी | अंतर्राष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ ने लॉस एंजेलिस 2028 के लिए ओलंपिक भार वर्गों का किया पुनर्गठन

मीराबाई चानू अपना भार वर्ग बदलने को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) द्वारा सोमवार को घोषित लॉस एंजेलिस 2028 के लिए ओलंपिक भार वर्गों के पुनर्गठन के बाद भारतीय स्टार मीराबाई चानू को एक वर्ग ऊपर जाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

टोक्यो 2020 में महिलाओं के 49 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतने वाली और पेरिस 2024 में इसी वर्ग में चौथे स्थान पर रहने वाली मीराबाई चानू अब लॉस एंजेलिस में इस वर्ग में भाग नहीं ले पाएंगी। लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक में भारोत्तोलन के लिए महिलाओं की न्यूनतम श्रेणी अब 53 किग्रा होगी। आईडब्ल्यूएफ ने लॉस एंजेलिस 2028 में 12 नए वर्गों की पुष्टि की है- पुरुषों और महिलाओं के लिए छह-छह। पेरिस 2024 में प्रत्येक लिंग के लिए पांच वर्ग थे।

लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक भारोत्तोलन भार वर्ग पुरुषः 65 किग्रा, 75 किग्रा, 85 किग्रा, 95 किग्रा, 110 किग्रा, 110 किग्रा महिलाः 53 किग्रा, 61 किग्रा, 69 किग्रा, 77 किग्रा, 86 किग्रा, 86 किग्रा पेरिस 2024 में, पुरुषों के लिए 61 किग्रा, 73 किग्रा, 89 किग्रा, 102 किग्रा और 102 किग्रा और महिलाओं के लिए 49 किग्रा, 59 किग्रा, 71 किग्रा, 81 किग्रा और 81 किग्रा थे। आईडब्ल्यूएफ ने अब एक साल से भी कम समय में दो बार भार वर्ग बदले हैं। भारत के मुख्य राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा का मानना है कि यह बदलाव मीराबाई के पक्ष में काम कर सकता है। शर्मा ने कहा यह (49 किग्रा हटाना) मीराबाई के लिए अच्छी बात है क्योंकि 48 किग्रा तक अपना वजन कम करना एक कठिन प्रक्रिया थी। 31 वर्षीय मीराबाई ने इस साल 48 किग्रा वर्ग में राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण और विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।

ओलंपिक कार्यक्रम से हटा 49 किग्रा वर्ग

इस साल की शुरुआत में, आईडब्ल्यूएफ द्वारा ओलंपिक कार्यक्रम से 49 किग्रा वर्ग को हटाने के बाद, चानू 48 किग्रा वर्ग में आ गईं। 49 किग्रा वर्ग को तब से आईडब्ल्यूएफ के विश्व चैंपियनशिप जैसे आयोजनों में बहाल कर दिया गया है, लेकिन इसे ओलंपिक में शामिल नहीं किया जाएगा। मीराबाई चानू की सभी प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धियां – जिनमें तीन विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप पदक और तीन राष्ट्रमंडल खेल पदक शामिल हैं – 50 किग्रा से कम भार वर्ग में ही आई हैं।